निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

• 20 मई 2025 मंगलवार • बोकारो संस्करण • वर्ष : 09 • अंक : 3 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

देश और दुनिया के इतिहास में आज की प्रमुख घटनाएं

526 : ईसवी सदी 526 में आज ही के दिन सीरिया और आँटोचिया में हुए भीषण विनाशकारी भूकंप में लगभग तीन लाख लोगों की मृत्यु हुई थी।

1540 : फोटोग्राफर अब्राहम ऑरटेलियस ने आज के दिन ही 'थॉट्रम ऑर्बिस टेरारम' नामक विश्व का पहला आधुनिक एटलास प्रदर्शित किया था।

1996 : भारत के पूर्व प्रधानमंत्री तथा अर्थशास्त्री मनमोहन सिंह जी को देश में अर्थव्यवस्था में किये गए व्यापक सुधार के लिए साल 1996 को 'ऑनेस्ट मैन ऑफ द ईयर' पुरस्कार के लिए चुने जाने की घोषणा हुई।

मंईयां सम्मान योजना : अप्रैल और मई माह की राशि एक साथ जल्द आएगी लाभुकों के खाते में

विभाग ने कुल 9,609 करोड़ राशि आवंटित की, पैसे भेजने की तैयारी पूरी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी मंईयां सम्मान योजना की लाभुकों के अकाउंट में जल्द ही 5000 रुपए आने वाले है। अप्रैल और मई दोनों माह की राशि एक साथ लाभुकों को मिलेंगे। लाभुकों के बीच राशि वितरण के लिए महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग ने जिला कोषांगों को राशि आवंटित कर दी है। विभाग ने कुल 9,609 करोड़ राशि आवंटित की है। लाभुकों को पैसे भेजने की भी तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी है, जल्द ही महिलाओं को पैसे मिलेंगे। विभाग द्वारा जिला कोषांगों को आवंटित 9,609 करोड़ राशि में सबसे अधिक गिरिडीह जिला को 907 करोड़ 50 लाख रुपए

मिला है। इसके बाद रांची को 823 करोड़ 50 लाख, धनबाद को 670 करोड़ 50 लाख, बोकारो को 639 करोड़ और पलामू को 559 करोड़ 50 लाख रुपए आवंटित हुए है। सबसे कम राशि खूंटी जिले को 165 करोड़ रुपए आवंटित की गयी है। जिले में योजना की लाभुक महिलाओं की संख्या के आधार पर राशि आवंटित की गयी है। इन आंकड़ो से यह भी पता चलता है कि गिरिडीह जिले में मंईयां सम्मान योजना की सबसे अधिक लाभुक हैं। जबकि खूंटी में सबसे कम लाभुक है।

जिलों को आवंटित राशि

जिला का नाम	आवंटित राशि
हजारीबाग	507 करोड़
गढ़वा	421 करोड़ 50 लाख
गोड्डा	399 करोड़
देवघर	381 करोड़
चाईबासा	375 करोड़
चतरा	360 करोड़
साहिबगंज	352 करोड़ 50 लाख
पाकुड़	316 करोड़ 50 लाख
दुमका	307 करोड़ 50 लाख
सरायकेला	289 करोड़ 50 लाख
जामताड़ा	280 करोड़ 50 लाख
कोडरमा	246 करोड़
लातेहार	246 करोड़
रामगढ़	243 करोड़
गुमला	220 करोड़ 50 लाख
लोहरदगा	177 करोड़
सिमडेगा	174 करोड़

झारखंड के गोविंदपुर रोड स्टेशन सहित 103 स्टेशनों का पीएम 22 को करेंगे उद्घाटन

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकसित किए जा रहे स्टेशन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी 22 मई को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकसित किए गए 103 स्टेशनों का उद्घाटन करेंगे, जिसमें झारखंड का गोविंदपुर रोड स्टेशन भी शामिल है। इसी दिन झारखंड के राजमहल और शंकरपुर रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन भी प्रधानमंत्री द्वारा किया जाएगा। झारखंड राज्य के कुल 57 रेलवे स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकसित किया जा रहा है। रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास का यह कदम क्षेत्र की रेलवे अवसंरचना के आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यात्रियों की सुविधाओं को बढ़ाने, पहुंच में सुधार लाने तथा सतत विकास को ध्यान में रखते हुए किए जा रहे इन कार्यों से यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने के साथ-साथ क्षेत्र की आर्थिक वृद्धि

को भी बल मिलेगा। गोविंदपुर रेलवे स्टेशन, हटिया- बंडामुंडा खंड में यात्री और माल परिवहन के लिए एक महत्वपूर्ण स्टेशन है। रांची मंडल के अंतर्गत आने वाले गोविंदपुर स्टेशन का पुनर्विकास कार्य रिकॉर्ड समय में पूरा किया गया है। गोविंदपुर रोड स्टेशन पर आधुनिक सुविधाओं का समावेश किया गया है, जैसे लिफ्ट, नवनिर्मित स्टेशन भवन, सुसज्जित परिसंचारी क्षेत्र के साथ हरित उद्यान, अतिरिक्त प्रतीक्षालय एवं आरक्षित विश्राम कक्ष, विकसित प्लेटफॉर्म सतह और प्लेटफॉर्म शेल्टर। इसके अलावा दिव्यांगजनों के लिए रैंप, जल बूथ एवं शौचालय, पार्किंग क्षेत्र का विकास, स्टेशन परिसर और प्रांगण में स्थानीय कला की चित्रकारी, टैक्टाइल टाइल्स, स्टेनलेस स्टील बेंच की व्यवस्था, रोड साइड नाली और पैदल पथ का निर्माण, बाउंड्री वॉल और प्रवेश द्वार की सुविधा भी विकसित की गई है।

खाई में पलटी यात्री बस, कई घायल

- **सभी घायलों को शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में कराया गया भर्ती**

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। सोमवार सुबह रांची-पटना मुख्य मार्ग पर एक गंभीर सड़क दुर्घटना में राजश्री नामक यात्री बस खाई में पलट गई। हादसा हजारीबाग जिले के पदमा ओपी थाना क्षेत्र में हुआ, जिसमें 9 यात्री घायल हो गए, जिनमें से तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार बस पटना से हजारीबाग आ रही थी और निर्धारित रूट के अनुसार उसका अंतिम पड़ाव हजारीबाग ही था। दुर्घटना के समय बस में यात्रियों की संख्या कम थी, जिससे बड़ी जनहानि टल गई। प्रत्यक्षदर्शियों और यात्रियों के अनुसार बस को चालक की बजाय खलासी चला रहा था, जो प्रशिक्षित नहीं था।

तेज रफ्तार में नियंत्रण खोने के कारण बस सड़क किनारे गहरे खाई में जा गिरी। हादसे के बाद बस चालक और अन्य स्टाफ मौके से फरार हो गए। यात्रियों ने बताया कि वे बस में लगे लोहे के रॉड से शीशा तोड़कर बाहर निकले। घटना की सूचना मिलते ही पदमा ओपी पुलिस मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। सभी घायलों को शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। दुर्घटना में हजारीबाग निवासी नीरज के माता-पिता भी घायल हुए हैं।

बिप्रसे के 17 अधिकारियों को मिला उच्चतर प्रभार

पटना (नबिटा ब्यूरो)। बिहार प्रशासनिक सेवा के 17 अधिकारियों को अस्थायी स्थानापन्न कार्यकारी प्रभार के रूप में प्रोन्नति दी गई है। बिहार सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से सोमवार को जारी अधिसूचनाओं के अनुसार दो अधिकारियों को अपर सचिव से विशेष सचिव में प्रोन्नति दी गई है। विनय कुमार और संजीव कुमार को अपर सचिव से विशेष सचिव में प्रोन्नत्ति दी गई है। विनोद कुमार सिंह, अजय कुमार और नजर हुसैन को संयुक्त सचिव से अपर सचिव बनाया गया है। बिहार प्रशासनिक सेवा के आठ अधिकारियों को अपर समाहर्ता से संयुक्त सचिव का उच्चतर प्रभार दिया गया है। इनमें शंभू प्रसाद सिंह, अनिल कुमार, गिरधारी लाल, राधाकांत, बालेश्वर प्रसाद, शिव रंजन, मंजीत कुमार और सुभाष चंद्र मंडल का नाम शामिल है। निलेश कुमार को उप सचिव के उच्चतर पद का प्रभार दिया गया है।

अलग सरना धर्म कोड के बिना नहीं होने देंगे जातीय जनगणना : शिल्पी नेहा तिर्की

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झामुमो की तरह कांग्रेस कोटे के एक मंत्री ने अलग सरना धर्म कोड की मांग कर दी है। साथ ही ऐलान भी कर दिया है कि इसके बिना झारखंड में जातीय जनगणना नहीं कराएंगे। रविवार को मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की मांडर विधानसभा क्षेत्र में सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रम में शामिल हुईं। जिसके बाद उनकी ओर से जारी प्रेस रिलीज में कहा गया कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार जब तक सरना धर्म कोड की घोषणा नहीं कर देती तब तक झारखंड में जातीय जनगणना नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि धर्म तय करने की आजादी संविधान में निहित है और यह हमारा मौलिक अधिकार है। रांची जिला के लापुंग प्रखंड अंतर्गत फतेहपुर मुंडा टोली में चौथा झंडा स्थापना दिवस सह सरना प्रार्थना सभा को मंत्री ने संबोधित किया। जिसमें उन्होंने कहा कि झंडा बदलना हमारी परम्परा और संस्कृति को मजबूती

प्रदान करता है। सरना स्थल का जीर्णोद्धार हो चुका है और वायदे के अनुरूप यहां शेड का निर्माण भी जरूर होगा। ये स्थल सामूहिकता और एकजुटता का प्रतीक है। कृषि मंत्री ने कहा कि देश में जातीय जनगणना की घोषणा केंद्र सरकार ने की है। यह हमारे नेता राहुल गांधी के संघर्ष की जीत है। संविधान हम सबको स्वेच्छा से अपना अपना धर्म चुनने की आजादी देता है। ये हमारा मौलिक अधिकार भी है। ऐसे में इस बार के जनगणना फार्म में अलग सरना धर्म कोड का नहीं होना और अन्य का कॉलम भी हटा देना ठीक नहीं है। जब तक केंद्र सरकार के द्वारा अलग सरना धर्म कोड की घोषणा नहीं कर दी जाती है, तब तक झारखंड में जातीय जनगणना नहीं होने दिया जाएगा। हमें जातीय जनगणना में अलग से एक कॉलम चाहिए। उन्होंने कहा कि 26 मई को सरना धर्म कोड की मांग को लेकर राजभवन का घेराव कार्यक्रम है। अगर जरूरत पड़ी तो दिल्ली के जंतर मंतर पर भी सरना धर्म कोड की मांग को लेकर कार्यक्रम होगा। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने संत लुकस कैथोलिक चर्च कुरकुरिया लापुंग के प्रांगण में महिला सभा को भी संबोधित किया। उन्होंने इस मौके पर कहा कि महिलाओं की भागीदारी के बगैर विकसित समाज की परिकल्पना नहीं की जा सकती है। आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी सफलता का झंडा बुलंद कर रहीं हैं। समाज में अन्याय और शोषण का शिकार हो रही महिलाओं के हक और अधिकार के लिए लड़ना होगा। महिलाओं की भागीदारी हमेशा धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम में देखने को मिलती है। अब समय आ गया है कि महिलाएं अब राजनीति में अपनी भागीदारी बढ़ाएं। महिलाओं के लिए ये समय अवसर को सफलता में बदलने का है। कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की मांडर प्रखंड के नवाटांड चर्च परिसर में बसिल तिग्गा के पावन पुरोहित अभिषेक कार्यक्रम में भी शामिल हुईं। इस मौके पर उन्होंने अपने संदेश में कहा कि प्रभु की सेवा में अपने संपूर्ण जीवन को समर्पित करना इतना आसान नहीं। मगर बसिल तिग्गा ने भविष्य की तमाम चुनौतियों को सहजता से स्वीकार किया है। आध्यात्म से जुड़ना और उसे आगे बढ़ाना परंपरा का हिस्सा है। परमेश्वर इन्हें हर कठिन मोड़ पर मजबूती से लड़ने की ताकत दे। इस विशेष मौके पर कोलकाता के धर्माध्यक्ष थॉमस डिसूजा, रांची धर्माध्यक्ष विनसेंट आइंद, फादर डेविड, फादर क्रिस्टोफर लकड़ा उपस्थित रहे।

कृषि क्षेत्र में तरक्की व किसानों को समृद्ध बनाना सरकार का लक्ष्य : नीतीश कुमार

मुख्यमंत्री ने 315 नवनियुक्त प्रखंड उद्यान पदाधिकारियों को प्रदान किया नियुक्ति पत्र, कृषि विभाग की कई योजनाओं का किया शिलान्यास व लोकार्पण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज मीठापुर स्थित कृषि भवन में 315 नवनियुक्त प्रखंड उद्यान पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। साथ ही कृषि विभाग की कई योजनाओं का शिलान्यास, लोकार्पण और शुभारंभ किया। बता दें कि चौथे कृषि रोड मैप के तहत कृषि को लाभकारी बनाने हेतु राज्य में बागवानी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं का लाभ किसानों तक पहुंचाने के उद्देश्य से बिहार लोक सेवा आयोग से अनुशंसित 315 प्रखंड उद्यान पदाधिकारियों की नियुक्ति कृषि विभाग के द्वारा की गयी है। मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त प्रखंड उद्यान पदाधिकारियों जया किरण, ईरम आरजू, साक्षी कुमारी, गणेश कुमार, शुभम कुमार, प्रतिमा मुर्मू, श्रीया सिंह, अंशु पटेल एवं रश्मि सुप्रिया को सांकेतिक रूप से नियुक्ति पत्र प्रदान किया। मुख्यमंत्री कृषि भवन की छत पर भी गए और वहां से पूरे परिसर को देखा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि छत पर सोलर प्लेट लगाएं जिससे सौर ऊर्ज़ा का उत्पादन होगा और कृषि भवन की जरूरतें पूरी होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमलोग शुरू से किसानों के हित में काम कर रहे हैं। हमलोगों का उद्देश्य है कि कृषि के क्षेत्र में भी राज्य की तरक्की हो और किसान समृद्ध बने। कृषि क्षेत्र को लाभकारी बनाने और किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। चार कृषि रोड मैप बनाए गए हैं जिससे फसलों की उत्पादन और उत्पादकता बढ़ी है। कृषि क्षेत्र के विकास के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही

प्रत्येक वर्ष 60 छात्रों का होगा नामांकन

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने रिमोट के माध्यम से 144.72 करोड़ रुपये की लागत से शिलापट्ट अनावरण कर कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय, आरा (भोजपुर) के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। तृतीय कृषि रोड मैप (2017-22) के तहत कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान को सुदृढ़ करने हेतु आरा में कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय की स्थापना की गयी है। वर्ष 2021-22 से इसका संचालन कृषि महाविद्यालय, बक्सर के परिसर में किया जा रहा है। इसके लिए भोजपुर जिला में 16 एकड़ जमीन चिन्हित कर कुल 144.72 करोड़ रूपये की लागत से भवन निर्माण विभाग के द्वारा भवन का निर्माण किया जायेगा। इसमें प्रशासनिक भवन, क्लास रूम, पुस्तकालय, छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग छात्रावास, कृषि यंत्रों के लिए कार्यशाला एवं आवासीय परिसर का प्रावधान किया गया है। इस महाविद्यालय में बीटेक (एग्री इजीनियरिंग) में प्रत्येक वर्ष 60 छात्रों का नामांकन किया जायेगा। अवशेष प्रबंधन जैसे विषयों में नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। कृषि विभाग की ओर से बताया कि भोजपुर के हसनपुर में स्थापित हो रहे कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय का उद्देश्य है कि युवाओं को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से कृषि अभियंत्रण की उच्च शिक्षा मिल सके। यह संस्थान न केवल शिक्षण का केंद्र बनेगा, बल्कि यहां कृषि अनुसंधान, प्रशिक्षण और प्रसार गतिविधियां भी संचालित की जाएंगी। इस महाविद्यालय की स्थापना से प्रदेश में जलवायु अनुकूल कृषि तकनीकों, पोस्ट-हॉर्वेस्ट मैनेजमेंट, संरक्षित खेती और फसल अवशेष प्रबंधन जैसे विषयों में नवाचार को बढ़ावा मिलेगा।

एनटीपीसी बाढ़ को मिला टस्कर अवॉर्ड

पटना(नबिटा ब्यूरो)। एनटीपीसी बाढ़ को आंतरिक एवं बाह्य संचार में उत्कृष्टता के लिए प्रतिष्ठित टस्कर राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार एनटीपीसी बाढ़ की आंतरिक और बाह्य हितधारकों के लिए उत्कृष्ट संचार रणनीति को मान्यता देता है। यह पुरस्कार 17 मई को केरल के तिरुवनंतपुरम में आयोजित एक औपचारिक समारोह में लोकसभा सांसद शशि थरूर द्वारा दिया गया। एनटीपीसी बाढ़ की ओर से यह पुरस्कार कार्यकारी (कॉर्पोरेट संचार) विकास धर द्विवेदी द्वारा प्राप्त किया गया। कॉर्पोरेट संचार अनुभाग ने इस उपलब्धि के लिए कार्यकारी निदेशक जी. श्रीनिवास राव के सक्षम नेतृत्व के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया तथा सभी कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों, समर्पण और प्रतिबद्धता को महत्वपूर्ण बताया।

इंजीनियरिंग कॉलेज की छात्रा समेत दो लोगों ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रामगढ़। रामगढ़ के चितरपुर प्रखंड में एक ही दिन में 2 लोगों ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। आत्महत्या करने वालों में एक इंजीनियरिंग की छात्रा और दूसरा युवक है। रामगढ़ इंजीनियरिंग कॉलेज की छात्रा मेहर खान (19) ने सोमवार की शाम छोटकीपोना स्थित एक मकान में फांसी लगाकर जान दे दी। मेहर कॉलेज में कंप्यूटर साइंस ब्रांच में सेकेंड ईयर की छात्रा थी। कॉलेज कैंपस के बाहर छोटकीपोना गांव स्थित मुकेश दांगी के यहां किराये पर रहती थी। छात्रा शाम में एक दोस्त के साथ लौटी और रोते हुए अपने कमरे में चली गयी। उसने अंदर से दरवाजा बंद करके फांसी लगा ली। घटना की सूचना मिलने पर रजरप्पा पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा को तोड़ा, तो

देखा की छात्रा फंदे से लटक रही है। अविलंब उसे उतारकर सदर अस्पताल रामगढ़ भेजा गया। जांच के बाद चिकित्सकों ने मेहर खान को मृत घोषित कर दिया। यहां से शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। छात्रा जवाहर नगर जमशेदपुर की रहने वाली थी। घटना के बाद थाना प्रभारी कृष्ण कुमार दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और बारीकी से जांच पड़ताल की। पुलिस ने मकान मालकिन से भी पूछताछ की है। इस संदर्भ में थाना प्रभारी ने बताया कि यह घटना प्रथम दृष्टया आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। साथ ही अन्य पहलुओं पर भी जांच पड़ताल की जा रही है। घटना की सूचना मृतक के परिजनों को दे दी गयी है। रजरप्पा प्रोजेक्ट स्थित आवासीय कॉलोनी के माइनस टाइप 2 के क्वार्टर नंबर 443 में सोमवार को एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसकी पहचान गौरव कुमार (18) पिता कृष्णा नोनिया के रूप में हुई है। युवक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। युवक ने किस वजह से आत्महत्या की, इसका पता नहीं चल पाया है। पुलिस को घटना की सूचना दे दी गयी है। समाचार लिखे जाने तक पुलिस मौके पर नहीं पहुंची थी।

FOR REGISTRATION : ISO, TRADE MARK, PATENT
DESIGN AND COPYRIGHT, ATTORNEY
GLOBAL VISION
(A Complete Solution in Professional Services)
: Regd. Office/ Head Office :
Manaitand, Near Water Tank
Dhanbad, Jharkhand- 826001
Command Office : Jagat Trade Centre, Patna
Contact No.- 9835333441, 8210823092
E-Mail : globalvision96@yahoo.in

संक्षिप्त समाचार

बिहार में बनेंगे 22 हजार नए युवा आपदा मित्र

■ बाढ़-सुखाड़ और भूकंप के समय करेंगे मदद

पटना, एजेंसी। बिहार में आपदा प्रबंधन कार्य को और प्रभावी बनाया जाएगा। इसके लिए राज्य में 22 हजार नए युवा आपदा मित्र बनाए जाएंगे। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। आपदा के समय स्थानीय प्रशासन इनकी मदद लेगा। ये बाढ़, सुखाड़, भूकंप, अगलगी, वज्रपात या अन्य आपदा के समय प्रशासन के साथ कंधा से कंधा मिलाकर काम करेंगे। इससे राहत कार्य ज्यादा लोगों तक पहुंच पाएगा। वर्तमान में बिहार में 9500 से अधिक आपदा मित्र हैं। 22200 नए युवा आपदा मित्र तैयार होने के बाद राज्य में इनकी संख्या 32 हजार हो जाएगी। इसके लिए एनसीसी, एनएसएस, नेहरू युवा केंद्र और भारत स्काउट एवं गाइड के स्वयंसेवक एवं कैडेट को प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के बाद इन्हें तीन साल का बीमा कवर भी दिया जाएगा। इनकी तैनाती होने पर स्थानीय जिला प्रशासन की ओर से इन्हें भत्ता भी दिया जाएगा। वर्तमान में 450 से 750 रुपये के बीच भत्ते का प्रावधान है। युवा आपदा मित्र राज्य के हरेक जिले में संवेदनशील स्थलों के आसपास के क्षेत्रों से होंगे। बिहार के 29 जिले बाढ़ के दृष्टिकोण से संवेनदशील हैं, इसमें से 15 अतिसंवेदनशील हैं। दक्षिण बिहार के ज्यादा जिले सुखाड़ प्रभावित हैं। राज्य का 15.20 फीसदी क्षेत्र भूकंप की दृष्टि से सर्वाधिक संवेदनशील जोन 5 में आता है।

बंदर के आतंक से आतंकित है अठनिया दियारा के लोग बदल चुके हैं रास्ता

भागलपुर, एजेंसी। प्रखंड के दियारा क्षेत्र में स्थित परशुरामपुर पंचायत के अठनिया दियारा गांव में बंदरों का आतंक छाया हुआ है। लोग रास्ता बदलकर चलने को मजबूर हो गए हैं। लोगों का कहना है कि बंदर किसी के छत से या पेड़ से सीधे शरीर पर कूद जाते हैं। घरों दरवाजों पर भी अचानक हमला कर किसी को जख्मी कर देते हैं। रविवार को भी एक 25 वर्षीय युवक भूषण कुमार को हाथ में काटकर जख्मी कर दिया। पिकपप चालक मो. महफूज किसी तरह बच पाया। ग्रामीण संजय यादव, सुनील शर्मा, अमित कुमार, दीपक कुमार, राजेश आदि ने बताया कि पिछले कई महीनों से यहां बंदरों का आतंक है। यहां आठ से दस बंदरों की टोली है। उनमें से एक बंदर सड़क पर चलने वाले ट्रैक्टर, जीप, पिकअप, ऑटो आदि गाड़ियों में अगले सीट पर बैठे ड्राइवर और यात्रियों को काटकर घायल कर देते हैं। अब तक दर्जनों लोगों को जख्मी कर दिया है। जिनमें रामनगर में अवधेश कुमार यादव, रंजीत कुमार, अठनियां में शोभाकांत यादव, मंगल यादव, भूषण कुमार, चितरंजन यादव, व्यास कुमार आदि घायल हुए हैं। लोगों को दियारा स्थित अपने खेत जाने, बच्चों को पढ़ने जाने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। रामनगर, लक्ष्मण टोला, मोहनपुर, गोविंदपुर, माधोपुर, अठनिया, खुशालपुर, बकिया आदि गांवों के लोगों में डर का माहौल बना हुआ है। लोगों की मांग है कि वन विभाग की टीम बंदरों का रेस्क्यू करे। रेंज ऑफिसर रूपम कुमार सिंह ने बताया कि अठनिया दियारा भी रेस्क्यू टीम जाएगी।टीम को कमलचक भी जाना है। इसके विशेषज्ञ डॉक्टर जो ऐसे बंदरों को ऐसे बंदरों को गन से बेहोश करते हैं। वे दो दिन की छुट्टी पर हैं। जैसे ही छुट्टी से वापस आते हैं दोनों जगह रेस्क्यू टीम भेजी जाएगी। उन्होंने कहा कि अठनिया दियारा वाला मामला भी अभी अभी ही संज्ञान में आया है।

आरसीपी सिंह ने नीतीश कुमार का छोड़ा साथ प्रशांत किशोर की पार्टी में हुए शामिल

पटना, एजेंसी। बिहार की राजनीति में एक नया समीकरण बनता दिख रहा है. लंबे समय से हाशिए पर चल रहे पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह एक बार फिर सक्रिय राजनीति में वापसी की तैयारी में हैं. कभी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सबसे करीबी सहयोगियों में गिने जाने वाले आरसीपी अब प्रशांत किशोर की अगुवाई वाली जन सुराज पार्टी के साथ नए राजनीतिक अध्याय की शुरुआत करने जा रहे हैं.

आसा बनी उम्मीद, लेकिन उम्मीदें टूटीं : 2024 में दीपावली के दिन आरसीपी सिंह ने अपनी नई पार्टी 'आसा' (आप सब की आवाज़) की घोषणा की थी. शुरुआत में लगा कि वे राज्य की राजनीति में एक नया मोर्चा खोल सकते हैं, लेकिन कुछ ही महीनों में यह पहल जमीन पर असर नहीं छोड़ सकी. सियासी गलियारों में चर्चा थी कि उनकी यह कोशिश उन्हें फिर से प्रासंगिक बनाने की थी, लेकिन वह कोशिश धूमिल होती नजर आई.

ऊंचाई से गिरावट तक: एक राजनीतिक ग्राफ : राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो आरसीपी सिंह का सियासी ग्राफ 2010 से 2021 तक लगातार ऊपर चढ़ता गया. आईएएस की नौकरी छोड़ने के बाद उन्होंने जदयू में कदम रखा और जल्दी ही नीतीश कुमार के करीबी बन गए. पार्टी में उन्होंने अध्यक्ष पद तक की जिम्मेदारी संभाली और फिर केंद्र में मंत्री भी बने. लेकिन 2021 में कैबिनेट विस्तार के दौरान नीतीश कुमार की मर्जी के बिना मंत्री बनने का आरोप उनके खिलाफ लगा. यहीं से उनके और नीतीश के रिश्तों में दरार आ गई. 2022 में उन्हें राज्यसभा से टिकट न देकर पार्टी ने संकेत दे दिया कि उनकी उपयोगिता खत्म हो चुकी है.

बीजेपी का दरवाजा खटखटाया: नीतीश से दूरी के बाद आरसीपी सिंह ने 2023 में भाजपा का दामन थामा, उम्मीद थी कि 2024 लोकसभा चुनाव में उन्हें टिकट मिल सकता है. लेकिन बीजेपी और नीतीश की सियासी नजदीकियों ने आरसीपी को फिर से दरकिनार कर दिया. उनकी राजनीतिक जमीन और विकल्प दोनों सिमटते चले गए.

अब जन सुराज के साथ नई शुरुआत : अब आरसीपी सिंह ने प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुराज से हाथ मिलाया है. यह गठजोड़ बिहार की राजनीति में एक नई संभावनाओं की

जमीन तैयार कर सकता है. खासकर, कुर्मी वोट बैंक को ध्यान में रखते हुए इस गठजोड़ को नीतीश कुमार के लिए चुनौती माना जा रहा है.

क्या नीतीश को हो सकता है नुकसान? : राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कुर्मी समुदाय में आरसीपी सिंह की पकड़ अब भी प्रभावशाली है. ऐसे में यदि जन सुराज इस समीकरण को भुनाने में सफल रहा, तो बिहार में आगामी विधानसभा चुनावों में नीतीश कुमार को सीधी चुनौती मिल सकती है.

बिहार जंगलराज की ओर न लौटे : प्रशांत किशोर ने आरसीपी सिंह की तारीफ करते हुए कहा कि आरसीपी सिंह के पास प्रशासनिक और संगठनात्मक अनुभव है, जो बिहार में बहुत कम लोगों के पास है। आज हम दोनों साथ आ रहे हैं, तो इसका बहुत बड़ा असर होगा। बिहार, फिर से जंगलराज की ओर नहीं लौटना चाहिए। हमारी लड़ाई भाजपा से भी है ताकि वो चोर दरवाजे से सरकार न बना सके।

नीतीश कुमार नहीं, ठेकेदार चला रहे सरकार : प्रशांत किशोर ने जेडीयू के पुराने नेताओं की सराहना करते हुए कहा कि अगर सबसे समझदार कार्यकर्ता किसी दल में है, तो वह जनता दल यूनाइटेड में है। जन सुराज में समाजवाद को जिंदा रखा जाएगा। उन्होंने नीतीश कुमार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि ÷नीतीश कुमार न सरकार चला रहे हैं, न पार्टी। आज सरकार ठेकेदार चला रहे हैं, जिनका कोई राजनीतिक अनुभव नहीं है।

तीसरे विकल्प की शुरुआत : दोनों नेताओं ने दावा किया कि बिहार में अब तीसरी राजनीतिक ताकत तैयार हो रही है जो एनडीए और महागठबंधन से अलग होगी। प्रशांत किशोर ने कहा कि लोग कहते हैं कि बिहार में दो गठबंधन हैं- एनडीए और महागठबंधन, लेकिन इन्हें बनाने में हम लोगों ने मेहनत की थी। अब हम अपना घर बनाने जा रहे हैं।

भारत की सारी पार्टियां ए टीम है

पीके ने कहा कि जेडीयू को मैंने सीएए और एनआरसी के मुद्दे पर छोड़ा था। आरसीपी सिंह के वजह से नहीं। आरसीपी सिंह से मेरा कोई मतभेद नहीं था। आज नीतीश कुमार को चार लोगो ने घेर कर रखा है। नीतीश कुमार के लेगेसी को खत्म कर रहे हैं। अगर नीतीश आज से तीन साल पहले कुर्सी छोड़ देते तो बिहार के लिए महान हो जाते। जन सुराज के बारे में कहा जाता था की भाजपा की बी टीम है, लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि भारत की सारी पार्टियां ए टीम है।

आरसीपी टैक्स पर पलटवार

आरसीपी सिंह ने कहा कि एक वक्त में मुझ पर आरोप लगा, लेकिन आज कौन टैक्स ले रहा है। भाजपा के बड़े नेताओ से मेरा जान-पहचान था, लेकिन मुझे कोई काम नहीं दिया गया। इस वजह से हम भाजपा से अलग हो गए थे, क्योंकि मुझे काम करना था। उन्होंने कहा कि बिहार में सेमीकंडक्टर का यूनिट नहीं लगा जबकि इसके लिए बिहार सबसे उपयुक्त है। उन्होंने आगे कहा कि लोग कहते हैं कि बिहार में सिर्फ बालू है। बिहार में कोई खनिज नहीं है, लेकिन ये सब ग़लत है। जब मैं केंद्र में मंत्री था तब यह पता चला की बिहार में इतना खनिज है कि जानकर मैं उछल पड़ा था। इसकी जानकारी मैंने नीतीश कुमार को दिया था, लेकिन इसका कोई फायदा नहीं हुआ। इस पर कोई विचार नहीं किया गया। मैं भी लगातार बिहार घूम रहा हूं। आरसीपी सिंह की भूमिका जन सुराज को नेतृत्व करने वालो में से होगी। पीके ने कहा कि आरसीपी सिंह जन सुराज का नेतृत्व कर सकते हैं।

दो पक्षों में झड़प के दौरान फायरिंग, एक घायल

हाजीपुर (वैशाली), एजेंसी। वैशाली में रविवार रात दो पक्षों के बीच विवाद के दौरान एक युवक गोली लगने से घायल हो गया। यह घटना बिदुपुर थाना क्षेत्र के जुड़ावनपुर गांव में हुई। घायल युवक की पहचान गांव के ही सुजीत कुमार (34) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, सुजीत कुमार अपने घर के पास बहुल राय और रविन्द्र राय के बीच चल रहे विवाद को देखने पहुंचे थे। इसी दौरान किसी पक्ष की चलाई गई गोली उनके बाएं पैर की जांघ में जा लगी।

स्थानीय अस्पताल से हाजीपुर सदर रेफर : गोली लगने के बाद परिजन उन्हें तुरंत बिदुपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें हाजीपुर सदर अस्पताल रेफर किया गया। उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है।

पुलिस ने दर्ज किया बयान, शुरू की जांच : बिदुपुर थाना अध्यक्ष ने बताया कि विवाद के दौरान छीना-झपटी में गोली चलने की बात सामने आई है। घायल सुजीत का बयान दर्ज कर लिया गया है और घटना की जांच जारी है। थाना अध्यक्ष पंकज कुमार ने कहा, दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। मामले की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

दरभंगा में विधानसभा चुनाव को लेकर मिथिलावादी पार्टी की बैठक

राष्ट्रीय अध्यक्ष बोले- जनता को अपने अधिकारों के लिए खड़ा होना होगा, हमलोग संघर्ष करेंगे

दरभंगा, एजेंसी। दरभंगा में रविवार को विधानसभा चुनाव को लेकर मिथिलावादी पार्टी की बैठक हुई। इस दौरान बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने और एनडीए सरकार की विफलताओं को जनता तक पहुंचाने के लिए जनसंपर्क अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। कार्यकर्ताओं ने एनडीए को हराने और पार्टी को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। साथ ही स्थानीय मुद्दों पर जन आंदोलन तेज किया जाएगा। मीटिंग में राष्ट्रीय अध्यक्ष अविनाश भारद्वाज, प्रदेश अध्यक्ष गोपाल चौधरी, विद्या भूषण राय समेत पार्टी के कई नेता मौजूद रहे। राष्ट्रीय अध्यक्ष अविनाश भारद्वाज ने कहा, मिथिला वर्षों से उपेक्षित रहा है। अब जनता को अपने अधिकारों के लिए खड़ा होना होगा। जब तक नौजवान को गांव में रोजगार और सम्मान नहीं मिलेगा। तब तक कोई सरकार सफल नहीं मानी जाएगी। पार्टी हर गली, पंचायत और विधानसभा में संघर्ष करेगी।

प्रदेश अध्यक्ष गोपाल चौधरी ने कहा, यह समय सजग नेतृत्व का है। मिथिलावादी पार्टी हर वर्ग की आवाज बनेगी। हम जनता से किए हर वादे को निभाएंगे। पलायन केवल आर्थिक नहीं, सांस्कृतिक और सामाजिक त्रासदी है। अब जनता को तय करना होगा कि सम्मानजनक जीवन चाहिए या पलायन की पीड़ा। मीटिंग में राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सागर नवदिया, राष्ट्रीय महासचिव वीरेंद्र कुमार, प्रदेश सचिव रजनीश प्रियदर्शी, आदित्य मंडल, धीरज कुमार झा, गुलफाम रहमानी, शुभाष पासवान, मनीष पांडे, अमन सक्सेना, संजय झा, कन्हैया झा, सुमित माउबहेटिया, अभिषेक यादव, प्रियंका मिश्रा, प्रसून, अर्जुन दास, अभिषेक झा, छोटेलाल पांडेय, प्रियरंजन झा, राघवेंद्र रमण, शिवेंद्र वत्स, कृष्ण मोहन झा, बिमल झा, मुलायम यादव, सुधीर शर्मा, रणधीर यादव, संतोष साहू समेत विधानसभा स्तरीय कमिटी के सदस्य मौजूद रहे।

गया जी में एनकाउंटर, पिता-पुत्र हत्याकांड के मुख्य आरोपी को पुलिस ने मारी गोली

गया जी, एजेंसी। बिहार के गया जी जिले से बड़ी खबर आ रही है। यहां पुलिस और अपराधी के बीच मुठभेड़ हुई है। इस मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने बाप-बेटे की हत्या का मुख्य आरोपी को गोली मारी है। गोली लगने से अपराधी जख्मी हो गया है। बताया जा रहा है कि फतेहपुर में पुलिस एनकाउंटर में पिता-पुत्र हत्याकांड का मुख्य आरोपी घायल हो गया है। मुख्य आरोपी का नाम नीतीश कुमार बताया जा रहा है। नितीश कुमार को पैर में गोली लगी है। घायल हालत में उसे इलाज के लिए मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आपको बता दें कि नीतीश वजीरगंज के दखिनगांव में पिता-पुत्र हत्याकांड का मुख्य आरोपी है। नीतीश भी दखिनगांव का ही रहने वाला है। नीतीश पर पिता-पुत्र की गोली मार हत्या का आरोप है। फतेहपुर थाना क्षेत्र के तेलबीघा गांव के पास रविवार देर रात पुलिस एनकाउंटर में नीतीश को गोली लगी है। दरअसल गया जी जिले के वजीरगंज थाना अंतर्गत दखिनगांव में शनिवार की दोपहर पिता-पुत्र की हत्या मामले में एफआइआर दर्ज कर ली गई थी। एक आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भी भेज दिया है। रविवार को वजीरगंज थाने में डीएसपी सुनिल कुमार पांडेय व थानाध्यक्ष वेंकटेश्वर ओझा ने प्रेसवार्ता कर इसकी जानकारी दी थी। उन्होंने बताया था कि भूमि विवाद में हत्या की गई है। मृतक अशोक सिंह की पुत्री बंटी कुमारी के बयान पर उसके चचेरे भाई नीतीश कुमार और अंकित कुमार, चाचा अखिलेश कुमार उर्फ गुड्डू सिंह, चाची नीतू देवी सहित अन्य अज्ञात के विरूद्ध हत्या का मामला दर्ज किया गया था। इस मामले में वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एसआइटी का गठन कर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित अखिलेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया, वह भी भागने के फिराक में था, जिसे जमुआवां से गिरफ्तार किया गया था। उक्त मामले में मुख्य आरोपित नीतीश कुमार सहीत अन्य अभी भी पुलिस के पकड़ से बाहर थे, जिसकी गिरफ्तारी के लिए संबंधित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही थी। बंटी कुमारी ने बताया था कि भाई कुणाल (मृतक) से नीतीश ने चार लाख रुपये उधार लिए थे, जो वापस मांगने पर वह उसे जान से मारने और मेरे भाई के हिस्से में मिले मकान से बाहर निकालने की धमकी भी देता था।

बंगाल के मवेशी कारोबारी से 3.50 लाख की लूट: पूर्णिया में विरोध करने पर अपराधियों ने मारी गोली

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में सरसी थाना क्षेत्र में पश्चिम बंगाल के मवेशी कारोबारी से 3.50 लाख की लूट हुई है। विरोध करने पर कारोबारी को गोली मार दी। साथ ही 5 लोगों को पिस्टल के वट से मारकर घायल कर दिया। 6 हथियारबंद अपराधियों ने वारदात को अंजाम दिया है। कारोबारी की हालत गंभीर बनी हुई है। कमर में गोली लगी है। घायलों को जीएमसीएच में भर्ती कराया गया है। घटना डिबरी पुल के पास की है। घायल कारोबारी की पहचान मालदा जिला के संबलपुर टाल निवासी सरफुल हक(50) के तौर पर हुई है। अन्य घायल भी इसी गांव के रहने वाले हैं। जिनका नाम मो. खाबिर(46), हसमुद्दीन(50), मो. सदाब(40), अमीरूल(40) के अलावा पिकअप ड्राइवर मो. अनर(43) है।

विरोध करने पर मारा : घायल कारोबारी मो. खाबिर ने बताया कि 5 साथियों के साथ मवेशी खरीदने मालदा से बनमनखी हटिया जा रहा था। इस दौरान डिबरी पुल के समीप लाल रंग की कार ने ओवर टेक करके रोका। गाड़ी से नीचे उतरते ही फिल्मी स्टाइल में घेर लिया। 6 अपराधियों में से 3 के पास हथियार था। हथियार दिखाकर कैश निकालने को कहा। विरोध करने 2 राउंड फायरिंग की। एक गोली सरफुल हक के पेट में लग गई। गोली लगते ही वो जमीन पर गिर पड़ा। मेरे जेब से 70 हजार रुपए निकाल लिया। अन्य साथियों के पास जो भी कैश था, पिस्टल के बट से मारपीट कर सब लूट लिया। कुल 3.50 लाख की लूट हुई है।

हाट में मवेशी खरीदने नेपाल, झारखंड से कारोबारी आते हैं : वहीं, स्थानीय लोगों ने बताया कि सोमवार को बनमनखी में मवेशी हटिया लगता है। यहां बंगाल, नेपाल और झारखंड से व्यापारी मवेशी खरीदने आते हैं। बदमाश हुलिया और गाड़ी देखकर पहले व्यापारियों की रेकी करते हैं। इसके बाद लूटपाट की वारदात को अंजाम देते हैं। अधिकांश बदमाश मधेपुरा के होते हैं, जिनका कनेक्शन लोकल बदमाशों के साथ होता है।

मुजफ्फरपुर जिले में हुई लाखों की इलायची चोरी

कंटेनर ट्रक से ले उड़े चोर

मुजफ्फरपुर , एजेंसी। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में रौतनिया पेट्रोल पंप से 250 मीटर की दूरी पर 10 चक्के वाले कंटेनर ट्रक से 35 बॉक्स छोटी इलाइची चोरी के मामले में करजा और पानापुर पुलिस सीमा विवाद में उलझी है। थानेदारों का कहना है कि घटना उसके थाना क्षेत्र में नहीं है। दो दिन से पश्चिम बंगाल के हावड़ा बेलगछिया रोड निवासी कंटेनर चालक अजीत मिश्रा शिकायत दर्ज कराने के लिए चक्कर काट रहा है।

वह कभी करजा तो कभी पानापुर करियात थाने जा रहा है, जबकि पुलिस ट्रक चालक पर ही शक जता रही है। थाने में चालक की शिकायत नहीं लेने पर उसने ग्रामीण एसपी विद्या सागर से शिकायत की,

इसके बाद भी एफआईआर नहीं ली गई। अजीत मिश्रा का कहना है कि वह अहमदाबाद स्थित एक ट्रांसपोर्ट एजेंसी से 1000 बॉक्स छोटी इलाइची व अन्य सामान कंटेनर में लोड कर नेपाल बॉर्डर के पास जोगबनी स्थित ट्रांसपोर्ट एजेंसी ले जा रहा था। चालक ने बताया कि वह लगातार 12 घंटे तक गाड़ी चलाता था।

लगातार गाड़ी चलने से टायर गर्म हो जाता है। रौतनिया में पेट्रोल पंप से करीब 250 मीटर पहले गाड़ी खड़ी की और टायर चेक किया। टायर गर्म देख गाड़ी वहीं पर खड़ी कर टायर ठंडा होने का इंतजार करने लगा। इस दौरान गाड़ी के अंदर नींद आ गई। शाम करीब पांच बजे नींद खुली तो कंटेनर के पीछे वाले गेट का ताला कटा था और 35 बॉक्स इलाइची गायब थी, जिसका अनुमानित मूल्य पांच लाख रुपये से अधिक है। पानापुर करियात थानेदार ने चालक से पूछा कि आमतौर पर कोई भी चालक पेट्रोल पंप पर गाड़ी रोकेगा। तुम पेट्रोल पंप के बजाय सुनसान पोखर के पास ऐसी जगह गाड़ी खड़ी की, जहां पर पेट्रोल पंप के सीसीटीवी का रेंज खत्म हो जाता है। ट्रक चालक अजीत मिश्रा पुलिस के इस सवाल का जवाब देने में उलझ रहा है। इस वजह से थानेदार का शक गहरा रहा है। थानेदार का मानना है कि कहीं अन्य हुई घटना की शिकायत जानबूझकर उसके थाना इलाके में बताई जा रही है। इसमें चालक व उसके साथ थाना में शिकायत लेकर आए ट्रांसपोर्ट कर्मियों की भूमिका पर ही पुलिस सवाल उठा रही है। इधर, ग्रामीण एसपी विद्या सागर ने बताया कि यह मामला उनके संज्ञान में आया है। सरैया एसडीपीओ कुमार चंदन को जांच कर आगे की कारवाई का निर्देश दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

बस दुर्घटनाग्रस्त, छह घायल

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग में रांची-पटना मेन रोड पर सोमवार सुबह एक बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। पटना से हजारीबाग जा रही राजश्री बस बेकाबू होकर सड़क किनारे खाई में पलट गई। इस हादसे में छह यात्री घायल हुए हैं। इसमें तीन की हालत गंभीर है। घटना जिले के पदमा ओपी थाना क्षेत्र का है। हादसे के बाद मौके पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। बस को हजारीबाग तक ही आना था, ऐसे में बस में यात्रियों की संख्या काफी कम थी। ऐसी आशंका जताई जा रही है कि बस चला रहा खलासी ट्रेंड नहीं था, इस वजह से वह बस संभाल नहीं सका। यात्रियों के मुताबिक, दुर्घटना के समय बस को चालक की जगह खलासी चला रहा था। हादसे के बाद बस चालक और स्टाफ फरार हो गए। यात्रियों ने बताया कि बस में लगे रॉड से शीशा तोड़ कर लोग बाहर आए। इसी बीच सूचना मिलते ही पदमा ओपी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। सभी घायलों को शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनका इलाज जारी है।

हत्या का खुलासा, दो गिरफ्तार

पश्चिम सिंहभूम, एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम जिला में दिनांक 11-12 मई की रात्रि में मुफ्फसिल थाना (पाण्ड्राशाली ओ0पी0) क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गम्हरिया के समीप बासाहातु निवासी मुण्डा मंजीत हाईबुरू (32) की गला रेतकर हत्या कर दी गई थी। मृतक के भाई शेखर हाईबुरू के आवेदन पर मामला दर्ज किया गया।घटना के संबंध में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर बहामन टूटी ने बताया कि गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष टीम गठित कर जांच शुरू की गई। अनुसंधान के क्रम में पुलिस ने दो आरोपितों गंगाराम तियु (30) एवं नागुरी तियु (35)को गिरफ्तार कर लिया। गंगाराम ने स्वीकार किया कि उसके चाचा बागुन तियु की सड़क दुर्घटना में हुई मौत के पीछे मंजीत हाईबुरू का हाथ था, इसी प्रतिशोध में हत्या की साजिश रची गई।हत्या में प्रयुक्त पिस्टल, चाकू, ग्लब्स, मोटरसाइकिल, दो खोखा और घटना के समय पहने गए कपड़े बरामद किए गए हैं। इस कार्रवाई में पाण्ड्राशाली ओपी के प्रभारी मृणाल कुमार सहित पुलिस बल ने अहम भूमिका निभाई।

अजयनाथ शाहदेव की टीम को प्रदेश कांग्रेस ने दी बधाई

रांची, एजेंसी। जेएससीए के चुनाव में टीम के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अजय शाहदेव उपाध्यक्ष संजय पांडे, सचिव सौरभ तिवारी, कोषाध्यक्ष अमिताभ घोष, संयुक्त सचिव शाहबाज नदीम सहित सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को प्रदेश कांग्रेस की ओर से बधाई दी है। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने रविवार को कहा कि युवा जोश से लबरेज नई टीम झारखंड में क्रिकेट के खेल और खिलाड़ियों के विकास में अपने महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर झारखंड क्रिकेट को एक नई दिशा देगी। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि नवनिर्वाचित टीम ने अपने घोषणा पत्र के अनुसार जिस विश्वास को झारखंड के क्रिकेट प्रेमियों के बीच में जगाया है उसके अनुसार काम करते हुए क्रिकेट को एक नया मुकाम देने की कोशिश करेंगे। ताकि, राज्य के खिलाड़ी देश का प्रतिनिधित्व कर सकें। बधाई देने वालों में कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की, राकेश सिन्हा ,सतीश पौल मुजनी ,सोनल शांति, रविंद्र सिंह, गजेंद्र सिंह,अभिलाष साहू, राजन वर्मा, डॉ तौशिफ, अमरेन्द्र सिंह, सूर्य कान्त शुक्ला सहित अन्य का नाम शामिल है।

बाइक पुल के कल्वर्ट से टकराई, दो की मौत

खूंटी, एजेंसी। अड़की थानांतर्गत नीलीडीह गांव के पास रविवार सुबह एक तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर पुल के कल्वर्ट से जा टकराई। इस दुर्घटना में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद आसपास मौजूद ग्रामीणों द्वारा एंबुलेंस मंगाकर दोनों युवकों को इलाज के लिए सदर अस्पताल खूंटी भेजा गया, जहां पहुंचते ही चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान अड़की के हूंट गांव निवासी 20 वर्षीय बिरसा मुंडा और 19 वर्षीय सुखलाल लोहरा के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार दोनों युवक गुनतूरा गांव में शनिवार रात आयोजित मेला देखने गए थे। रात भर मेला देखने के बाद रविवार सुबह जब वे घर लौट रहे थे तो इस दुर्घटना के शिकार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही खूंटी थाना की पुलिस सदर अस्पताल पहुंची और आवश्यक पड़ताल के बाद दोनों शवों का पोस्टमार्टम करा कर उसे परिजनों को सौंप दिया।

हेमलाल हत्याकांड में आया नया मोड़, साजिश के पीछे महिला का हाथ

बोकारो, एजेंसी। 14 मई की देर रात नावाडीह थाना इलाके के बारीडीह जंगल में कार सवार युवक की पिता के सामने गोली मारकर हुई हत्या का खुलासा पुलिस ने कर लिया है। मृतक सिरैया विष्णुगढ़ हजारीबाग निवासी हेमलाल पंडित की हत्या की साजिश इसके गांव की चंपा देवी ने अपने दोस्त केशवारी सरिया गिरिडीह निवासी प्रकाश सिंह के साथ मिलकर की थी।

प्रकाश ने हत्याकांड को अंजाम देने के लिए धनबाद के जोरापोखर चार नंबर कॉलोनी जामाडोवा निवासी डोमन राम व पात्थर बंगला बोरागढ़ धनबाद निवासी विकास कुमार को तीन लाख में ठेका दे दिया। 2 लाख 35 हजार रुपये का भुगतान भी शूटरों को हत्याकांड को अंजाम देने के लिए चंपा ने अपने दोस्त प्रकाश के माध्यम से कर दिया। यह जानकारी एसपी मनोज स्वर्गियारी ने दी।

कप्तान ने बताया कि चंपा अपने पति खगेश्वर पंडित की मौत के लिए हेमलाल को जिम्मेदार मानती थी। इसी वजह से उसने हत्या की साजिश रची। कप्तान ने बताया कि कि दोनों शूटरों को जब रुपया मिला तो वह लोग हेमलाल से संपर्क साधे। हेमलाल अपने पिता तुलसी पंडित के साथ झाड़-फूंक का काम करता था। शूटर डोमन राम ने हेमलाल से झाड़-फूंक कराने के लिए संपर्क साधा। इसने कहा कि घर पर भूत प्रेत का साया है। इसे भगाने के लिए वह झाड़-फूंक करवाना चाहता है। हेमलाल इसके लिए तैयार हो गया।

शूटर डोमन ने इसके बाद पांच हजार रुपये हेमलाल के खाते में ऑनलाइन भेज भी दिया। अग्रिम राशि का भुगतान ऑनलाइन मिलने के बाद हेमलाल झाड़-फूंक के लिए तैयार हो गया। शूटर डोमन ने हेमलाल से कहा कि वह उसके पीछे-पीछे चले। 14-15 मई की रात हेमलाल अपने पिता तुलसी पंडित के साथ शूटरों के पीछेइनके घर पर झाड़-फूंक करने चल दिए। रास्ता भटकने की बात कहकर शूटर डोमन और विकास हेमलाल को सुनसान जगह जंगल के रास्ते ले गए।

मौका देखकर दोनों ने वाहन को रुकवाया और गोली मारकर हेमलाल की हत्या कर दी। एसपी ने बताया कि हत्या की साजिश रचने वाली चंपा देवी के अलावा शूटरों का इंतजाम करने वाले प्रकाश और शूटर डोमन के साथ विकास को पुलिस ने दबोच लिया है।

पुलिस ने शूटरों के पास से देसी पिस्टल, देसी कट्टा, नाइन एमएम की पांच गोली, चार मोबाइल व एक स्कूटी बरामद की है। एसपी ने बताया कि हत्यारोपित गिरफ्तार महिला चंपा देवी के पति खगेश्वर पंडित की मौत बीते वर्ष दुर्गा पूजा की नवमी की रात हो गई थी। खगेश्वर अपने दोस्त हेमलाल के साथ उस दिन गया था। रात में दोनों खाना खाकर घर लौटे। रात में खगेश्वर पंडित की मौत हो गई।

बगैर पोस्टमार्टम कराए ही शव का दाह संस्कार स्वजनों ने कर दिया। मृतक खगेश्वर की पत्नी चंपा अपने पति की मौत के लिए उसके दोस्त हेमलाल को जिम्मेदार मानती थी।

उसका सोचना था कि हेमलाल ने ही जहर खिलाकर पति की जान ने ली। इसके बाद वह हेमलाल को सबक खिलाने का प्लान बनाने लगी। उसने अपने दोस्त प्रकाश से संपर्क साधा। प्रकाश की ओर से इंतजाम किए गए शूटरों ने इस हत्याकांड को अंजाम दिया।

एसपी ने बताया कि घटना का खुलासा करने के लिए एक टीम बनाई गई थी। इस टीम में बेरमो एसडीपीओ बीएन सिंह, बेरमो अंचल निरीक्षक नवल किशोर सिंह, नावाडीह थानेदार अमित कुमार सोनी, दुगदा थानेदार मनीष कुमार, बोकारो झरिया ओपी प्रभारी श्रीनिवास सिंह शामिल थे।

वहीं, चंद्रपुरा थानेदार अजय कुमार सिंह, नावाडीह के सब इंस्पेक्टर राजीव रंजन, पुलिस केंद्र से सब इंस्पेक्टर अमित कुमार राय, गांधीनगर ओपी प्रभारी धनंजय कुमार सिंह, बेरमो महिला थाना प्रभारी सुमन कुमारी, तकनीकी शाखा के चंदन कुमार और कामेश्वर महतो थे।डुमरी विधायक जयराम महतो के घटनास्थल पर विलंब से पुलिस के पहुंचने के आरोप पर एसपी ने सफाई दी। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में पुलिस ने नक्सलियों को मार गिराया था। ऐसे में नक्सल प्रभावित इलाकों में सतर्कता जरूरी थी।

नक्सल इलाके में लगातार सतर्क रहने को सभी अधिकारियों को कहा भी गया था। रात में सूचना मिली तो घटनास्थल पर पहुंचने के लिए आस-पास से फोर्स का इंतजाम किया गया। इसके बाद पुलिस यहां एक घंटे के अंदर पहुंच गई।

विधायक ने यह भी आरोप जड़ा था कि एसपी ने उनका फोन नहीं रिसीव किया। इसपर कप्तान ने कहा कि वह अपने आवासीय कार्यालय में घटना की सूचना मिलने के बाद बैठकर घटनास्थल पर जाने से लेकर इसके खुलासा करने के लिए अन्य निर्देश पुलिस टीम को दे रहे थे। कुछ देर बाद रात में ही विधायक से उनकी बात हो गई थी।

एसपी ने बताया कि थाना पर घटना के बाद बवाल करने के मामले में 21 लोगों को चिह्नित कर नामजद प्राथमिकी की गई है। दो सौ अज्ञात के खिलाफ भी एफआईआर हुई है। वीडियो रिकॉर्डिंग मौके पर हुई थी। इसकी जांच की जा रही है। बाकी लोगों को भी रिकॉर्डिंग की मदद से चिह्नित किया जा रहा है।

प्रेम प्रसंग में पत्नी ने की पति की हत्या, गिरफ्तार

दुमका, एजेंसी। अज्ञात युवक के शव बरामद मामले का उद्भेदन करते हुए जामा पुलिस हत्या के आरोप में कथित प्रेमी और पत्नी को गिरफ्तार कर रविवार को जेल भेज दिया है। इस बावत थाना प्रभारी अजीत कुमार ने प्रेसवार्ता करते हुए कहा कि बीते 16 मई को विलिवर्स ईस्टर्न चर्च कुरमन के परिसर में एक अज्ञात युवक का शव पुलिस ने बरामद किया था। पोस्टमार्टम के बाद दूसरे दिन थाना क्षेत्र के धनाडीह गांव के मृतक का भाई रसिलाल मुर्मू ने शव की पहचान 25 वर्षीय रविन्द्र मुर्मू के रूप में की थी।

अनुसंधान के दौरान मृतक का भाई ने पुलिस को बताया कि मृतक भाई की पत्नी रासमुनि हेम्ब्रम का प्रेम प्रसंग जामा थाना क्षेत्र के फाड़ासिमल गांव के राजीव मुर्मू के साथ चल रहा है। उसने आशंका जाहिर किया कि दोनों ने मिलकर उसके भाई की हत्या कर दिया है। साथ ही उसकी भाभी बीते छह मई को ही अपने दोनों बच्चा को छोड़कर घर से फरार है। इसके बाद प्राथमिकी दर्ज कराकर एसपी ने एसडीपीओ अमित कुमार कच्छप के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया। टीम ने कार्रवाई करते हुए शनिवार को फाड़ासिमल गांव से दोनों प्रेमी प्रेमिका को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के कड़ाई से पूछने पर दोनों ने गला दबाकर हत्या किए जाने का अपराध स्वीकार किया है। रविवार को पुलिस ने दोनों गिरफ्तार आरोपितों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। छापेमारी दल में एसडीपीओ अमित कच्छप सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी शामिल थे।

आंगनबाड़ी में पोषाहार योजना प्रभावित सेविका निजी खर्च से चला रही व्यवस्था

धालभूमगढ़, एजेंसी। धालभूमगढ़ और गुड़ाबांदा प्रखंड के 130 आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों के पोषण और देखभाल की जिम्मेदारी निभाई जा रही है, लेकिन संसाधनों की कमी और प्रशासनिक उपेक्षा के चलते केंद्रों के संचालन में गंभीर समस्याएं सामने आ रही हैं।

इनमें धालभूमगढ़ प्रखंड में 88 और गुड़ाबांदा में 42 केंद्र कार्यरत हैं, जिनकी निगरानी सीडीपीओ कार्यालय, धालभूमगढ़ द्वारा की जाती है। धालभूमगढ़ क्षेत्र के आंगनबाड़ी केंद्रों की जमीनी हकीकत चिंताजनक है। जहां पोषाहार के लिए सरकार से मिलने वाली राशि समय पर नहीं आ रही, वहीं सेविकाएं निजी खर्च से बच्चों को पोषण देने का प्रयास कर रही हैं। यदि शीघ्र आवश्यक कार्रवाई नहीं की गई, तो कुपोषण की समस्या और गहराने की आशंका है। प्रशासन को इस दिशा में तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। ताकि कुपोषण पर जीत हासिल की जा सके।

निरीक्षण में दिखी हकीकत

शनिवार सुबह 10:30 बजे जूनबनी पंचायत के रघुनाथडीह गांव स्थित जयरामडीह टोला के आंगनबाड़ी केंद्र में सेविका साकरो मांडी उपस्थित थीं, जबकि सहायिका छुट्टी पर थीं। सेविका के अनुसार, केंद्र में कुल 15 बच्चे नामांकित हैं, जिनमें से शनिवार को केवल 6 ही बच्चे मौजूद थे। सेविका के अनुसार 10 बच्चे आए थे पर तीन-चार बच्चे छुट्टी से पहले घर चले गए थे।

बिना अनुदान चल रहा केंद्र

सेविका साकरो मांडी ने बताया कि जनवरी 2025 से पोषाहार की राशि नहीं मिली है। कई महीनों से राशि बकाया रहने के कारण भोजन की व्यवस्था करना मुश्किल हो गया है। स्थानीय दुकानदारों ने उधारी में अंडा, सब्जी और अन्य सामग्री देना बंद कर दिया है, जिससे उन्हें मजबूरी में अपने निजी खर्च से सामग्री खरीदनी पड़ रही है।

क्या मिल रहा बच्चों को भोजन में

सेविका ने जानकारी दी कि शनिवार को सुबह बच्चों को नाश्ते में सूजी का हलवा और अंडा दिया गया। दोपहर में खिचड़ी और फिर भात, दाल और सब्जी खिलाई गई। छुट्टी के समय भी बच्चों को खिचड़ी दी गई। पोषाहार वितरण नियमित हो रहा है, लेकिन वित्तीय सहयोग नहीं मिलने से यह व्यवस्था टिकाऊ नहीं रह पा रही है।

इस केंद्र के पोषक क्षेत्र में कुल 86 घर हैं और कुल जनसंख्या 472 है। वर्ष 2025 में अब तक यहां से दो कुपोषित बच्चों को एमटीसी (मालन्यूट्रिशन ट्रीटमेंट सेंटर) रेफर किया जा चुका है, जो पोषण व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। सीडीपीओ माया कुमारी ने बताया कि आंगनबाड़ी केंद्रों में सुबह नाश्ते में सूजी का हलवा और अंडा, जबकि दोपहर व छुट्टी के समय खिचड़ी, भात, दाल और सब्जी दी जाती है। उन्होंने कुपोषित बच्चों की संख्या बताने से यह कहकर इंकार किया कि वह फिलहाल छुट्टी पर हैं और कार्यालय लौटने के बाद ही सटीक जानकारी दे सकेंगी।

पत्नी ने पति के मौत का लिया खौफनाक बदला, चार गिरफ्तार

बोकारो, एजेंसी। बोकारो के बारीडीह जंगल में एक युवक की कार में गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस के जांच में खुलासा हुआ कि महिला आरोपित ने पति की रहस्यमय मौत का बदला लेने के लिए तीन लाख रुपये की सुपारी देकर इस वारदात को अंजाम दिलवाया।पुलिस की एसआईटी ने 72 घंटे में केस सुलझाकर चार आरोपितों को गिरफ्तार किया और हथियार, कारतूस, मोबाइल एवं स्कूटी बरामद की। यह साजिश छह महीने से रची जा रही थी। मामला अपराध, अंधविश्वास और बदले की कहानी को उजागर करता है। बोकारो जिला के नावाडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत बारीडीह जंगल में 14/15 मई की रात एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान हेमलाल पंडित के रूप में हुई। पुलिस अधीक्षक बोकारो ने मामले की गंभीरता को देखते हुए एक विशेष जांच टीम का गठन किया और स्वयं उसकी निगरानी की। तकनीकी साक्ष्य,एफएसएल रिपोर्ट और गवाहों के बयान के आधार पर महज 72 घंटे में इस हत्या का खुलासा कर चार आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया। जांच में खुलासा हुआ कि मुख्य आरोपित चंपा देवी को शक था कि उसके पति खगेश्वर पंडित की मौत में हेमलाल पंडित का हाथ था। बदला लेने के लिए उसने अपने मित्र प्रकाश सिंह के जरिए धनबाद के शूटरों से संपर्क किया और हत्या का साजिश रची। चंपा देवी और प्रकाश सिंह ने करीब 2.35 लाख रुपये की सुपारी दी। पहले 13 मई को हत्या की कोशिश विफल रही, लेकिन बाद में डोमन राम ने %ग्राहक% बनकर हेमलाल को बुलाया और बारीडीह जंगल में गोली मारकर हत्या कर दी। वहीं गिरफ्तार आरोपितों में चंपा देवी (हजारीबाग), प्रकाश सिंह (गिरिडीह), डोमन राम और विकास कुमार (धनबाद) शामिल हैं।

प्रदेश के दो सांसद पाक को करेंगे बेनकाब : 59 सदस्यों के डेलिगेशन में सरफराज और निशिकांत

रांची, एजेंसी। केंद्र सरकार ने शनिवार देर रात 59 सदस्यों वाले डेलिगेशन की घोषणा की है। इसमें 51 नेता और 8 राजदूत हैं। एनडीए के 31 और 20 दूसरे दलों के हैं, जिसमें 3 कांग्रेस नेता भी हैं। ये डेलिगेशन दुनिया के बड़े देशों, खासकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के सदस्य देशों का दौरा करेगा। वहां ऑपरेशन सिंदूर और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद पर भारत का रुख रखेगा। डेलिगेशन कब रवाना होगा, फिलहाल इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। हालांकि, डेलिगेशन के 23 या 24 मई को भारत से रवाना होने की बात कही जा रही है। इस डेलिगेशन में झारखंड के दो सांसदों को शामिल किया गया है। इसमें झारखंड मुक्ति मोर्चा से डॉ सरफराज अहमद और भाजपा से डॉ निशिकांत दुबे शामिल हैं।

पहले ग्रुप में हैं निशिकांत, जाएंगे चार देश

गोड्डा से भाजपा के सांसद डॉ निशिकांत दुबे को पहले ग्रुप में रखा गया है। इन्हें सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन और अल्जीरिया की जिम्मेदारी दी गई है। वे इन देशों में जा कर ऑपरेशन सिंदूर के वास्तविक तथ्यों और भारत के रुख को स्पष्ट करेंगे। अच्छी बात यह है कि सांसद निशिकांत के ग्रुप में भी असदुद्दीन ओवैसी भी हैं।

सांसद निशिकांत दुबे ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा है हम प्रधानमंत्री जी के आभारी हैं कि उन्होंने मुझे ऑपरेशन सिंदूर के बाद दुनिया के सामने पाकिस्तान की कारगुजारियों तथा भारत के आतंकवाद के खिलाफ 78 साल से हमारे संघर्ष को मुस्लिम देशों को बताने के लिए चुना। लोकतंत्र का सबसे खूबसूरत चेहरा मैं और ओवैसी साहब एक साथ भारत के लोकतंत्र तथा मुसलमानों के भारत में मिले सम्मान, स्वाभिमान तथा समानता को बताएंगे।

डॉ सरफराज के जिम्मे 5 देशों की जिम्मेदारी

वहीं झारखंड मुक्ति मोर्चा से सांसद डॉ सरफराज अहमद का नाम डेलिगेशन के ग्रुप 5 में है। ये यूएसए, पनामा, गुयाना, ब्राजील और कोलंबिया जाएंगे। जहां ऑपरेशन सिंदूर की वास्तविक स्थिति और आतंकवाद के मसले पर भारत का पक्ष रखेंगे। वहीं ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की ओर उठाए गए कदम को लेकर उसकी सच्चाई से पर्दा भी उठाएंगे। झामुमो की ओर से चुने जाने वाले सांसदों में यह इकलौते सांसद हैं।

7 ग्रुप में बंटा है पूरा डेलिगेशन

दुनिया के बड़े देशों, खासकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्य देशों का दौरा करने वाले लोगों को 7 ग्रुप में बांटा गया है। हर ग्रुप में एक सांसद को लीडर बनाया गया है। प्रत्येक ग्रुप 8 से 9 सदस्य हैं। इनमें 6-7 सांसद, सीनियर लीडर (पूर्व मंत्री) और राजदूत शामिल हैं।सभी डेलिगेशन में कम से कम एक मुस्लिम प्रतिनिधि को रखा गया है। चाहे वह राजनेता हो गया राजदूत हो। कांग्रेस सांसद शशि थरूर को अमेरिका सहित 5 देश जाने वाले डेलिगेशन की कमान सौंपी गई है।

क्या है ऑपरेशन सिंदूर?

22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था। आतंकियों ने 26 टूरिस्ट्स की हत्या की थी। 7 मई को भारत ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (और पाक में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की थी। सेना ने 100 आतंकियों को मार गिराया था। दोनों देशों के बीच 10 मई की शाम 5 बजे से सीजफायर पर सहमति बनी थी।

झारखंड के प्लस टू स्कूलों में पहली बार लगेगा रोजगार मेला, कौशल प्रतियोगिता का भी होगा आयोजन

रांची, एजेंसी। व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों को रोजगार से जोड़ने तथा उनके अप्रेंटिसशिप के लिए सरकारी माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में रोजगार मेला का आयोजन किया जाएगा।

कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए कौशल प्रतियोगिता का भी आयोजन होगा। समग्र शिक्षा अभियान के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए इन कार्यक्रमों की स्वीकृति केंद्र के प्रोग्राम एप्रूबल बोर्ड ने की है।

इस वित्तीय वर्ष के लिए समग्र शिक्षा अभियान के विभिन्न कार्यक्रमों के संचालन के लिए कुल 1639.74 करोड़ रुपये के बजट की स्वीकृत प्रदान की गई है। इसमें 60 प्रतिशत राशि केंद्र सरकार देगी, जबकि 40 प्रतिशत राशि राज्य सरकार को वहन करना पड़ेगा।

इसके अलावा पिछले वित्तीय वर्ष खर्च नहीं होने वाली राशि कुल 368.97 करोड़ रुपये स्पिल ओवर के रूप में भी स्वीकृत की गई है। इसमें भी 60 प्रतिशत राशि केंद्र से मिलेगी।

चालू वित्तीय वर्ष की बात करें तो केंद्र ने नए कार्यक्रम के रूप में प्रत्येक जिला के 10-10 माध्यमिक विद्यालयों को उच्च शिक्षण संस्थान से टैग किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है। इन विद्यालयों को उच्च शिक्षण संस्थानों में कार्यरत शिक्षकों तथा अध्ययनरत विद्यार्थियों के शिक्षण अनुभव का लाभ प्राप्त होगा।

विद्यार्थी उच्च शिक्षण संस्थानों में जाकर भी सीख सकेंगे। शिक्षकों और विद्यार्थियों के मूल्यांकन के लिए जेसीईआरटी में अलग से सेल स्थापित करने की भी स्वीकृति प्रदान की गई है। इस पर 50 लाख रुपये खर्च होंगे। यह सेल टीचर नीड असेसमेंट तथा विद्यार्थियों के समय-समय पर होने वाले मूल्यांकन का कार्य करेगा।

कौशल प्रतियोगिता के आयोजन के लिए प्रत्येक जिला को एक-एक लाख रुपये प्राप्त होंगे। इस बार भी विद्यालय से लेकर राज्य स्तर पर आयोजित होने वाली क्विज प्रतियोगिता के लिए भी राशि की स्वीकृति मिली है। इसके अलावा उन सभी कार्यक्रमों के लिए राशि स्वीकृत हुई है, जो पहले से संचालित होते रहे हैं। इस बार भी केंद्र ने बच्चों की पोशाक के लिए 600 रुपये की राशि निर्धारित की है। इसमें दो जोड़ा पोशाक तथा एक स्वेटर की राशि सम्मिलित है। बताते चलें कि पोशाक के लिए यह राशि काफी कम बताई जाती है।

केंद्र ने किताबों के लिए कक्षा एक से पांच के लिए प्रत्येक सेट 250 रुपये तथा छह से आठ के लिए 400 रुपये की राशि की स्वीकृति प्रदान की है। राज्य सरकार पुस्तकें मुद्रित कराकर वितरण करती है।

झोलाछाप चिकित्सक के गलत इलाज करने से एक व्यक्ति की मौत

कोडरमा, एजेंसी। जिले के डोमचांच थाना क्षेत्र अंतर्गत ढाब रोड स्थित ओम होमियो हॉल नामक अवैध रूप से संचालित एक क्लीनिक में एक झोलाछाप चिकित्सक के गलत इलाज किए जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई है। मृतक की पहचान डोमचांच थाना क्षेत्र के बेहराडीह गांव निवासी छोटेलाल मेहता (45) के रूप में की गई है। जानकारी के अनुसार छोटेलाल मेहता रविवार को रात के करीब 8 बजे डोमचांच बाजार से अपने घर बेहराडीह लौट रहे थे। इसी बीच रास्ते में उनकी मोटरसाइकिल दुर्घटनाग्रस्त हो गई। जिससे उनके शरीर पर हल्की चोटें आईं। इसके पश्चात जब वे घर पहुंचे तो परिजनों ने उन्हें मरहम पट्टी और दवा लेने की सलाह दी। इसके बाद वे बेटे और भतीजे के साथ ढाब रोड के महावीर पिंडा के सामने स्थित झोलाछाप डॉक्टर की ओर से अवैध रूप से संचालित क्लीनिक पहुंच गए। जहां के डी प्रसाद नामक झोलाछाप चिकित्सक ने घायल व्यक्ति को एक के बाद एक कुल चार इंजेक्शन लगा दिए।

इसके बाद क्षण भर में ही घायल छोटेलाल ने वहीं पर दम तोड़ दिया। जब तक परिजन कुछ समझ पाते झोलाछाप डॉक्टर मौका पाकर वहां से फरार हो गया। इसके बाद मृत व्यक्ति का शव बेटेऔर भतीजे के द्वारा उनके निवास स्थान पर लाया गया।

वहीं घटना की सूचना पाकर डोमचांच पुलिस सोमवार की सुबह उक्त झोलाछाप चिकित्सक के क्लीनिक पहुंची और उसे गिरफ्तार कर अपने साथ थाने ले गई।

Page 3_16.12.2018 PAGE-04.qxd 19-05-2025 22:15 Page 1

बेटे को बचाने के चक्कर में पिता डूबा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। बिहार के वैशाली जिले के लालगंज थाना क्षेत्र के बलहा बसंता गांव में एक शादी समारोह उस वक्त मातम में बदल गया, जब एक व्यक्ति गंडक नदी में डूब गया। यह हादसा उस समय हुआ जब वह व्यक्ति अपने डूबते बेटे को बचाने के लिए नदी में कूद पड़ा। मृतक की पहचान सिरसा बिरन पंचायत के छितरौली गांव निवासी संजय सहनी के रूप में हुई है। संजय अपने ससुराल बलहा बसंता गांव में अपने साले की शादी में परिवार समेत आए थे।

जानकारी के मुताबिक, संजय सहनी का बेटा और उनके साढ़ू का बेटा मंगलवार की दोपहर गंडक नदी में स्नान के लिए गए थे। इस दौरान दोनों बच्चे नदी की तेज धारा में बहने लगे।

बच्चों को डूबता देख संजय सहनी को जैसे ही जानकारी मिली, वह तुरंत नदी की ओर भागे और अपने बेटे को बचाने के लिए नदी में कूद पड़े।

वहीं पास ही नदी किनारे किसी अन्य शव के दाह संस्कार के लिए जुटे कुछ लोगों ने यह दृश्य देखा और तुरंत बच्चों को बचाने के लिए प्रयास शुरू किया। काफी

साले की शादी में आया था मृतक

मशक्कत के बाद दोनों बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, लेकिन बच्चों को बचाते-बचाते संजय सहनी खुद गहरे पानी में डूब गए।

हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय मुखिया ने प्रशासन को सूचना दी। प्रशासनिक अधिकारी, स्थानीय पुलिस और रऊअक्र की टीम मौके पर पहुंची और गंडक नदी में डूबे संजय सहनी की तलाश शुरू कर दी है। देर शाम तक उनकी खोज जारी थी।

घटना की खबर मिलते ही शादी वाले घर में कोहराम मच गया। जहां कुछ देर पहले तक शादी की खुशियाँ गूंज रही थीं, अब वहां रोने-बिलखने की आवाजें सुनाई दे रही हैं।

संजय सहनी के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। स्थानीय थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। उन्होंने बताया कि नदी में डूबे व्यक्ति की तलाश एसडीआरएफ और स्थानीय गोताखोरों की मदद से की जा रही है। मामले की जांच जारी है।

टीम-11 बनाकर खेले, जीते चार करोड़ रुपये

बेटे को मां-बाप ने किया अंडरग्राउंड

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। नवादा के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के आमीपुर गांव के मिथुन कुमार की किस्मत ड्रीम-11 गेम ने बदल दी। रविवार 18 मई को उसने राजस्थान और पंजाब के मैच में टीम बनाई। टीम को 1183.5 अंक मिले। पूरे देश में तीसरे नंबर पर रहा। इसके बाद उसे चार करोड़ रुपये जीतने की सूचना मिली।

मिथुन पहले ईंट-भट्ठे पर मजदूरी करता था, फिर ट्रक चलाने लगा। पिछले सात साल से ड्रीम-11 खेल रहा था। मां जरिया देवी ने कई बार गेम खेलने से मना किया, लेकिन वह चुपचाप खेलता रहा। जीत की खबर सोमवार 19 मई को गांव में फैली। लोग मिथुन से मिलने पहुंचने लगे। भीड़ बढ़ने पर परिजनों ने उसे घर से हटा दिया। फिलहाल किसी दूसरी जगह भेजा गया है।

मिथुन तीन भाइयों में सबसे छोटा है। पिता का देहांत 15 साल पहले हो गया था। मां ने अकेले बच्चों की परवरिश की। घर की हालत खराब थी। मां ने कहा कि अब बेटे की जीत से सारी परेशानियां खत्म हो जाएंगी। गांव में खुशी का माहौल है। लोग लगातार घर पहुंच रहे हैं। परिजन फिलहाल किसी से बात नहीं कर रहे और बेटे को घर से हटा दिया है।

विद्यालय शिक्षा समिति के चुनाव में लोगों का हंगामा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सहरसा। जिले में विद्यालय शिक्षा समिति चुनाव के दौरान बड़ा विवाद सामने आया है। नवहट्टा प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय, लालपुर में सोमवार को शिक्षा समिति के अध्यक्ष और सचिव पद के चुनाव के दौरान दो पक्षों में पुलिस की मौजूदगी में जमकर मारपीट हुई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें लोग स्कूल परिसर के बाहर एक-दूसरे से भिड़ते नजर आ रहे हैं। इस झड़प में स्कूल के प्रधानाध्यापक (एचएम) के पुत्र और एक स्थानीय ग्रामीण जख्मी हो गए हैं। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि चुनाव में हेडमास्टर ललन वर्मन का बेटा भी मौजूद था, जो एक विशेष उम्मीदवार को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से वहां मौजूद था। जब कुछ लोगों ने उसकी उपस्थिति का विरोध किया, तो एक पक्ष ने हंगामा शुरू कर दिया। इसी विरोध के दौरान मामला इतना बढ़ गया कि झड़प मारपीट में बदल गई। ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि अगर एचएम का पुत्र चुनाव से संबंधित नहीं था तो फिर उसकी मौजूदगी क्यों थी?

ग्रामीणों और अभिभावकों ने प्रधानाध्यापक ललन वर्मन पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि स्कूल में किताबों के नाम पर छात्रों से 500 रुपये की वसूली की जाती है। विरोध करने पर बच्चों का नाम

- एचएम के बेटे की मौजूदगी बनी विवाद का कारण
- स्थानीय ग्रामीण सहित दो जख्मी
- लोगों ने लगाये एचएम पर गंभीर आरोप

स्कूल से काट दिया जाता है। महिला अभिभावकों ने भी प्रधानाध्यापक पर लापरवाही और अनियमितता के आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि स्कूल समय पर नहीं खुलता और मध्याह्न भोजन योजना में भी भारी गड़बड़ियां हैं। हंगामे के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने स्कूल परिसर के बाहर प्रधानाध्यापक के खिलाफ नारेबाजी की। स्थिति को देखते हुए पुलिस बल मौके पर पहले से तैनात था, लेकिन उसके सामने ही दोनों पक्ष भिड़ गए। घटना के बारे में डरहार थानाध्यक्ष जितेंद्र कुमार ने बताया कि चुनाव को लेकर पहले से पुलिस बल तैनात था। लेकिन इसी दौरान दो पक्षों में झड़प हो गई, जिसमें कुछ लोग घायल हुए हैं।

पैक्स अध्यक्ष के पुत्र के हत्याकांड का उद्भेदन

हथियार और बाइक के साथ तीन धराये

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के सदर थाना क्षेत्र में बीते दिनों हुई पैक्स अध्यक्ष के पुत्र रामनवमी चौधरी और उनके साथी गुड्डू सिंह पर हुई फायरिंग मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस वारदात में घायल रामनवमी चौधरी की इलाज के दौरान मौत हो गई थी, जबकि गुड्डू सिंह का इलाज जारी है।

पुलिस ने इस हत्याकांड में शामिल तीन कॉन्ट्रैक्ट किलरों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से हत्या में प्रयुक्त हथियार और एक रेड रंग की अपाचे बाइक भी बरामद की गई है, जिसका इस्तेमाल घटना को अंजाम देने में किया गया था। पकड़े गए शूटरों में दो सरैया थाना क्षेत्र के निवासी राजेश कुमार और प्रकाश कुमार हैं, जबकि तीसरा शूटर मनोज कुमार पारू थाना क्षेत्र का रहने वाला है।

सिटी एसपी विश्वजीत दयाल ने प्रेस वार्ता में बताया कि हत्याकांड की जांच के लिए सीडीपीओ टाउन-2 बिनीता सिन्हा के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई थी। इसी टीम की कार्रवाई में हत्यारों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि हत्या के पीछे जमीनी विवाद सामने आया है।

पुलिस के मुताबिक, मृतक रामनवमी चौधरी के नाम पर सदर थाना क्षेत्र के पताही स्थित एलपी शाही कॉलेज के पास एक जमीन है। इसी जमीन को लेकर पुराना विवाद चला आ रहा था। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि इसी विवाद को लेकर हत्या की साजिश रची गई थी।

घटना के मास्टरमाइंड की पहचान कर ली गई है, लेकिन वह फिलहाल फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। सिटी एसपी ने कहा कि गिरफ्तार अपराधियों से पूछताछ जारी है और पूरे मामले की गहन जांच की जा रही है ताकि साजिशकर्ताओं की पूरी कड़ी को बेनकाब किया जा सके।

डबल मर्डर को ले एक्शन मोड में दिखी पुलिस

मुठभेड़ में आरोपित जख्मी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गया। गयाजी के वजीरगंज में पिता अशोक सिंह और पुत्र कुणाल सिंह की हत्या के बाद पुलिस एक्शन में है। इस दोहरे हत्याकांड के मुख्य आरोपित नीतीश कुमार की गिरफ्तारी के लिए गठित पुलिस की स्पेशल टीम फतेहपुर थाना के तेल बिगहा गांव में पहुंची।

जहां पुलिस को देखकर नीतीश ने उनपर फायरिंग शुरू कर दी और वहां से भागने लगा। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए आरोपी पर भी फायरिंग की।

फायरिंग में आरोपित के पैर में गोली लगी, जिसके बाद वह गिर गया। जिसे तत्काल एंबुलेंस की मदद से इलाज के लिए गयाजी के अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अपराधी और पुलिस की मुठभेड़ के सूचना पर वरीय पुलिस अधीक्षक आनंद कुमार भी रविवार की देर रात तेल विगहा गांव पहुंचे, जहां एसएसपी ने पूरी घटना की जानकारी ली।

एसएसपी ने बताया कि बीते 36 घंटे पहले वजीरगंज में पिता और पुत्र की हत्या की गई थी। दोहरे हत्याकांड में एक आरोपित को पहले ही

पुलिस ने गिरफ्तार किया था।

दोहरे हत्याकांड के मुख्य आरोपित और मृतक अशोक का भतीजा नीतीश कुमार के बारे में यह जानकारी मिली थी कि वह फतेहपुर के तेल बिगहा गांव में छिपा है। जिसके बाद विशेष टीम उसे पकड़ने पहुंच गई।

मोबाइल लोकेशन से नीतीश के छिपे होने की जानकारी मिल पाई थी। एसएसपी ने बताया कि पुलिस को देखकर आरोपी ने फायरिंग करते हुए भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस सतर्क रही।

पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए फायरिंग की, जिसमें आरोपित के पैर में गोली लगी है। घटनास्थल से पुलिस ने एक देशी पिस्तौल और दो कारतूस के खोखे बरामद किए हैं।

इस तरह दोहरे हत्याकांड के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस की अभिरक्षा में नामजद आरोपित का अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज में इलाज कराया जा रहा है। अभी भी इस मामले में दो आरोपित फरार हैं। जिनकी गिरफ्तारी के लिए छापामारी की जा रही है।

होटलकर्मी और ग्राहक के बीच मारपीट, प्राथमिकी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दरभंगा। मब्बी थाना क्षेत्र के शीशो रोड में एक होटल में ग्राहक और कर्मियों के बीच जमकर मारपीट हुई। बताया जाता है कि ग्राहक को मटन बिरयानी की जगह बीफ बिरयानी परोस दिया गया। जिसे ग्राहक ने खाने के बाद शिकायत की।

इसी बात को लेकर दोनों तरफ से मारपीट और तोड़फोड़ की घटनाएं घटी। मामले को लेकर दोनों तरफ से प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

ग्राहक अलीनगर थानाक्षेत्र के रूपसपुर निवासी मो. राशिद ने होटल कर्मी सद्दाम, दानिश फरीद, शोएब खान, जिशान, तुफैल खान सहित दो दर्जन अज्ञात कर्मियों को आरोपित किया है।

कहा है कि होटल में मटन बिरयानी खाने के लिए अपने रिश्तेदारों के साथ होटल पहुंचे। जहां उन लोगों के टेबल पर बीफ बिरयानी परोस दिया। शिकायत करने पर सुनने को कोई तैयार नहीं हुआ। उल्टा उन्हें ही

प्रतिबंधित मांस परोसने का आरोप

गाली दिया गया। विरोध करने पर मारपीट की।

उधर, होटल की ओर से मो. तुफैल ने प्राथमिकी दर्ज कराई है। इसमें मो. राशिद सहित कई लोगों का नाम शामिल है। सभी पर जबरन खाना खाने, रुपया नहीं देने, रंगदारी करने और होटल में तोड़फोड़ कर क्षति करने का आरोप लगाया गया है।

मब्बी थानाध्यक्ष सुशील कुमार ने बताया कि होटल की जांच की गई। बीफ जैसे कोई पदार्थ नहीं पाया गया। घटना के कारण को जानने के लिए सीसी कैमरा के फुटेज को खंगाला जा रहा है।

ऐसे बताया जाता है कि दोनों पक्षों में पुराना विवाद है। इसी को लेकर सकरी स्थित होटल पर भी मारपीट की घटना होने की बात सामने आई है।

. . .जब नासा की वेबसाइट को किया हैक

रात में किया था नासा की वेबसाइट का विश्लेषण

भारत सरकार के टॉप 50 समाधान में नाम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

समस्तीपुर। समस्तीपुर जिले के रहने वाले 17 वर्षीय राम जी राज ने वह कर दिखाया जो बड़े-बड़े साइबर विशेषज्ञ भी नहीं कर पाए। राम जी ने अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा (नासा) की वेबसाइट को हैक कर एक तकनीकी खामी (साइबर वल्नरेबिलिटी) को पकड़ा और जिम्मेदारी के साथ नासा को इसकी जानकारी दी। नासा ने इस खामी को स्वीकार करते हुए उसे तत्काल ठीक किया और राम जी राज का नाम अपने हॉल ऑफ फेम में शामिल कर उन्हें सम्मानित किया।

राम जी राज एक एथिकल हैकर हैं और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) के क्षेत्र में नवाचार कर रहे युवा प्रतिभा के रूप में तेजी से उभरे हैं। उन्होंने कई अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय मंचों पर अपने कौशल का प्रदर्शन किया है। राम जी का कहना है कि उनके लिए हैकिंग केवल तकनीकी ज्ञान नहीं, बल्कि एक सामाजिक जिम्मेदारी है। उनका लक्ष्य है कि वो अपने ज्ञान का उपयोग कर डिजिटल दुनिया को अधिक सुरक्षित बना सके।

राम जी ने बताया कि यह घटना 14 मई की रात करीब 2 बजे की है। वे कंप्यूटर पर कुछ वेबसाइट्स का साइबर सुरक्षा विश्लेषण कर रहे थे, तभी उन्हें नासा की आधिकारिक वेबसाइट पर एक खामी नजर आई। उन्होंने तुरंत साइट को सुरक्षित तरीके से एक्सेस कर तकनीकी दोष की पहचान की और इसकी सूचना नासा को दी। 19 मई की दोपहर नासा की ओर से इस खामी की पुष्टि की गई और उसी दिन उन्हें ह्यहॉल ऑफ फेमह्न में शामिल करने की जानकारी भी दी गई।

राम जी का यह पहला कारनामा नहीं है। इससे पहले भी वे 50 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कंपनियों की वेबसाइटों में खामियां पकड़कर संबंधित संस्थाओं को सतर्क कर चुके हैं। इनमें भारत सरकार की कुछ

वेबसाइटें भी शामिल हैं। उनका उद्देश्य हैकिंग से नुकसान पहुंचाना नहीं, बल्कि संस्थाओं को संभावित साइबर खतरों से समय रहते अवगत कराना है, जिससे वे आर्थिक और तकनीकी नुकसान से बच सकें।

राम जी न केवल तकनीकी क्षेत्र में अपना नाम बना रहे हैं, बल्कि समाज में भी अपनी जिम्मेदार भूमिका निभा रहे हैं। वे दिल्ली में बीटेक की पढ़ाई कर रहे हैं, और खाली समय में वंचित और गरीब बच्चों को तकनीकी शिक्षा देते हैं, ताकि वे भी डिजिटल युग के साथ कदम मिला सकें। इसके साथ ही वे पुलिस विभाग को साइबर अपराध की रोकथाम के लिए प्रशिक्षण देते हैं और कई ऑनलाइन मामलों की जांच में तकनीकी सहायता भी कर चुके हैं।

राम जी राज को भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा समर्थित कार्यक्रम के तहत टॉप 50 में भी स्थान मिल चुका है। राम जी राज की यह उपलब्धि यह साबित करती है कि प्रतिभा बड़े शहरों की मोहताज नहीं होती। अगर जुनून और सकारात्मक सोच हो, तो समस्तीपुर जैसे छोटे शहर से भी वैश्विक मंच पर पहचान बनाई जा सकती है। उनके कार्य ने न केवल बिहार का नाम रोशन किया है, बल्कि देश की युवा पीढ़ी के लिए एक मिसाल भी कायम की है।

केंद्र में मोबाइल लेकर घुसा परीक्षार्थी

पटना। बीपीएससी परीक्षा के हंगामा के बाद सरकार सभी प्रतियोगी परीक्षाओं को साफ-सुथरे माहौल में कदाचारमुक्त कराने के लिए सभी तरह की सख्ती करनी शुरू कर दी। पुलिस ने दरोगा के पद पर बहाली को लेकर आयोजित किये जा रहे लिखित परीक्षा के दौरान दो शख्स को गिरफ्तार किया है।

मामला पटना के शास्त्रीनगर थाना के ठीक सामने अवस्थित सरकारी स्कूल के बी सहाय उच्च विद्यालय का है। रविवार को पटना जिले के कई सेंटरों में मध निषेध विभाग में दरोगा के पद पर बहाली को लेकर लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया। परीक्षा के दौरान परीक्षा सेंटर से एक अभ्यर्थी को क्लास रूम से मजिस्ट्रेट ने एक एंड्रॉयड फोन के साथ नकल करते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया। मजिस्ट्रेट ने तुरंत कार्रवाई करते हुए घटना की सूचना शास्त्री नगर थाना को दी। सूचना मिलते ही पुलिस भी तुरंत परीक्षा केंद्र पर पहुंच गई। फिर मजिस्ट्रेट ने आरोपी नीतीश कुमार को पुलिस के हवाले कर दिया।

जातीय जनगणना को लेकर सियासी हलचल हुई तेज

- जदयू ने विपक्ष पर साधा निशाना
- पार्टियों में श्रेय लेने की मची होड़

नीतीश कुमार की दूरदर्शिता एवं इच्छाशक्ति का परिणाम : सुनील

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया। जातीय जनगणना के मुद्दे पर प्रदेश में सियासी हलचल तेज हो गई है। सोमवार को पूरे बिहार में जदयू द्वारा प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। अररिया में यह प्रेसवार्ता शहर के पुराना डाक बंगला परिसर में हुई, जिसमें जदयू नेताओं ने विपक्ष पर तीखे हमले किए।

जदयू के जिला प्रवक्ता सुनील चंद्रवंशी ने कहा कि जातीय जनगणना को लेकर केंद्र सरकार ने ऐतिहासिक फैसला लिया है, लेकिन यह पूरा बिहार जानता है कि इसके पीछे किसकी पहल थी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने लगातार

संसद से लेकर सड़क तक जातीय गणना की मांग उठाई। यह उन्हीं की दूरदर्शिता और राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिणाम है कि आज यह कार्य संभव हो सका है।

उन्होंने आरोप लगाया कि, विपक्ष के कुछ नेता अब इसका श्रेय लेने की होड़ में अनाप-शनाप बयानबाजी कर रहे हैं। असल में वे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की लोकप्रियता और उनके जनहितैषी फैसलों से घबराए हुए हैं।

इस मौके पर जदयू के कई वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति रही, जिनमें जिला अध्यक्ष आशीष पटेल, जिला प्रवक्ता सुनील चंद्रवंशी, जदयू नेता साद अहमद बबलू, जिला उपाध्यक्ष अनूप प्रधान, मीडिया सेल जिला अध्यक्ष शाद आलम, कौसर आलम, मिथिलेश, परमानंद ऋषिदेव और दीपक शामिल थे। सभी नेताओं ने जातीय जनगणना को सामाजिक न्याय की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया।

शादी समारोह में अश्लील गाने को लेकर बवाल

दूल्हा पहुंचा जेल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दरभंगा। जाले थाना क्षेत्र के भटपोखरा स्थित वार्ड संख्या में पांच में शादी की तैयारी के बीच तेज आवाज में अश्लील गीत बजाने को लेकर जमकर मारपीट हुई। इसमें चार लोग जख्मी हो गए। सभी को जाले सीएचसी में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दूल्हा सहित चार लोगों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

घटना के संबंध में बताया जाता है कि बदरी दास के पुत्र धर्मेन्द्र दास की शादी 22 मई को होने वाली है। गाजे-बाजे के साथ शादी की तैयारी चल रही थी। तेज आवाज में बाजा बजने के कारण पड़ोसी रामलाल दास ने विरोध किया।

इस कारण रामलाल दास को रॉड से प्रहार कर जख्मी कर दिया गया। सूचना पर रामलाल की पत्नी रेखा देवी, पुत्र मुकेश दास और उमेश दास पहुंचे और उन्होंने रामदास को बचाने की कोशिश की।

इस बीच सभी को मारपीट कर जख्मी कर दिया गया। मामले को लेकर रामलाल की पत्नी रेखादेवी ने प्राथमिकी दर्ज कराई है।

थानाध्यक्ष संदीप कुमार पाल ने बताया कि दूल्हा धर्मेंद्र दास सहित राजा दास, रंजीत दास और भुइली दास को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

तीन बच्चों की मां नाबालिग संग फरार

बांका। थाना क्षेत्र के एक गांव में एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है। एक महिला पति और तीन बच्चों को छोड़ नाबालिग प्रेमी के साथ फरार हो गई।

इस घटना में सोमवार को प्रेमी के स्वजन महिला के खिलाफ शिकायत की है। नाबालिग के स्वजनों ने बताया कि पुत्र इस बार बिहार बोर्ड मैट्रिक परीक्षा पास किया है।

वह पड़ोस में एक रिश्ते में लगने वाली भाभी के यहां अक्सर आता-जाता रहता था। महिला का पति रोजी-रोजगार के लिए परदेश में रहता है।

जिस कारण महिला को घर अगर कोई भी काम रहता था तो वह मेरा पुत्र ही करता था। परिजनों ने बताया कि कैसे वह महिला के प्रेमजाल में फंसा, यह पता नहीं चला। रविवार को योजना बनाकर दोनों घर से फरार हो गए हैं। थानाध्यक्ष मंटू कुमार ने मामले की जांच करने की बात कही है।

कार्यालय के बाबूओं की बढ़ेगी मुश्किलें

मुजफ्फरपुर। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी ने मुशहरी अंचल कार्यालय के कार्यों में बिचौलिए का दबदबा होने के मामले में संज्ञान लिया है।

दरअसल, वह शहर में पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी की श्रद्धांजलि सभा में शामिल होने पहुंचे थे। इसी दौरान कार्यकर्ताओं ने उन्हें मुशहरी अंचल में व्याप्त भ्रष्टाचार और जावेद एवं राजू साह की हत्या की जानकारी दी।

अंचल में फैले हुए भ्रष्टाचार को लेकर मंत्री से शिकायत भी की गई। इसपर उन्होंने संज्ञान लेते हुए विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह को जांच कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इसके आलोक में अपर मुख्य सचिव ने डीएम को 15 दिनों के अंदर पूरे मामले की जांच कर रिपोर्ट देने को कहा है।

कार्यकर्ताओं ने शिकायत करते हुए मंत्री को बताया कि मिठनपुरा में मंगलवार की शाम को जमीन कारोबारी जावेद और उसके सहयोगी राजू साह की हत्या के बाद उनकी स्कूटी से काफी संख्या में दाखिल-खारिज समेत राजस्व से संबंधित विभिन्न कागजात की बरामदगी हुई थी।

अंतरराष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप में तीन पदक जीतकर रचा इतिहास

खिलाड़ियों सहित कोच को भी किया गया सम्मानित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। नेपाल के काठमांडू में आयोजित 11वीं माउंट एवरेस्ट अंतरराष्ट्रीय कराटे चैंपियनशिप 2025 में भारत ने 3 पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। इस प्रतियोगिता में भारतीय खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अपने नाम कई पदक दर्ज किए। भारतीय टीम के खिलाड़ियों और कोच को इस उपलब्धि पर सम्मानित किया गया।

16 से 20 मई 2025 तक आयोजित इस चैंपियनशिप में, अंकित सिन्हा ने सब जूनियर काता इवेंट के सेमीफाइनल में भूटान के खिलाड़ी को हराकर सिल्वर मेडल जीता। अंकित की इस जीत से टीम में उत्साह की लहर दौड़ गई है।

वहीं, आकाश राजा ने कैडेट काता इवेंट में नेपाल के खिलाड़ी को क्वार्टर फाइनल में हराकर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। इसके अलावा, नितीन कुमार ने यूथ -68 किग्रा कुमिते फाइट मुकाबले में बांग्लादेशी खिलाड़ी को हराकर ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। भारतीय टीम की मैनेजर सेंशाई

शिल्पी सोनम ने बताया कि इस बार भारत ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप में 3 पदक जीतकर नया इतिहास बनाया है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को बधाई दी। भारतीय टीम के मुख्य कोच शिहान ई० राहुल श्रीवास्तव का इस सफलता में बड़ा योगदान रहा है। उनके अनुभव और तकनीकी कौशल ने खिलाड़ियों को रिंग में बेहतर प्रदर्शन करने में मदद की। इसी कारण नेपाल कराटे फेडरेशन के अध्यक्ष गजेंद्र बहादुर खापांगी ने राहुल श्रीवास्तव को 'अवार्ड ऑफ ऑनर' और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। विजेता खिलाड़ियों को रास वर्ल्ड के कोच सेंशाई सूरज पंडित, उपासना आनंद, नितेश कुमार समेत सभी पदाधिकारियों ने बधाई और शुभकामनाएं दीं।

बहू को को पीटा, भर्ती

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। दहेज की मांग पूरी न होने पर ससुराल वालों ने एक विवाहिता की बेरहमी से पिटाई कर दी। इलाज के बाद जब परिजन उसे अस्पताल से घर ला रहे थे, तो रास्ते में उसकी मौत हो गई। यह दर्दनाक घटना औरंगाबाद के रफीगंज प्रखंड के भदवा बाजार के पास स्थित हरिहरगंज गांव की है। मृतका की पहचान हरिहरगंज निवासी सुजीत राम की 20 वर्षीय पत्नी दुर्गावती कुमारी के रूप में की गई है। मामले को लेकर मृतका के भाई रामनाथ राम, जो जम्होर थाना क्षेत्र के धनगाई गांव निवासी हैं, ने रफीगंज थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया और मामले की जांच में जुट गई है।

प्राथमिकी में दर्ज विवरण के अनुसार, दुर्गावती की शादी 25 अप्रैल 2024 को हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार भदवा बाजार के पास हरिहरगंज गांव निवासी जनेश्वर राम के पुत्र सुजीत राम से की गई थी। शादी में दहेज स्वरूप मोटरसाइकिल, फ्रिज, कूलर सहित अन्य सामान भी दिए गए थे। लेकिन कुछ ही समय बाद पति सुजीत राम ने 20 लाख रुपये नकद की मांग करनी शुरू कर दी।

चिराग पासवान ने की मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात, सियासी हलचल तेज

62 अनुमंडल स्तर पर कृषि भवनों के निर्माण का होगा शिलान्यास

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। लोजपा (रा) प्रमुख और केन्द्रीय मंत्री चिराग पासवान सोमवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिलने पहुंचे। चिराग के साथ उनके जीजा और जमुई सांसद अरुण भारती भी थे। मौके पर राज्य के संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी भी मौजूद थे। चिराग पासवान और नीतीश कुमार की सुबह-सबेरे हुई इस मुलाकात से सियासी हलचल तेज हो गई है। पिछले दिनों चिराग पासवान को मुख्यमंत्री बनाने की मांग से संबंधित एक पोस्टर के बाद जदयू ने मुख्यमंत्री पद को लेकर नीतीश कुमार की दावेदारी को दोहराया था। सूत्रों की मानें तो इस मुलाकात के दौरान बिहार विधानसभा चुनाव के लिए सीट शेयरिंग और चुनावी

रणनीति को अंतिम रूप देने पर चर्चा हुई है। विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और लोजपा (रा) प्रमुख चिराग पासवान की इस मुलाकात ने राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का बाजार गर्म कर दिया है। दरअसल जदयू, भाजपा, हम और लोजपा (रा) के बीच सीटों का तालमेल एक बड़ा मुद्दा है। चिराग पासवान ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि उनकी पार्टी को उसकी इच्छा से अधिक सीटें मिलेंगी, जैसा कि उन्होंने हालिया उपचुनावों और 2024 के लोकसभा चुनाव में प्रदर्शन के आधार पर दावा किया है। चिराग की पार्टी का कहना है कि उनकी पार्टी एनडीए में रहते हुए अपनी स्वतंत्र पहचान के साथ भागीदारी निभाएगी। चिराग पासवान की पार्टी प्रदेश के सभी जिलों में बहुजन भीम संवाद कार्यक्रम का भी आयोजन करेगी। इसके जरिए चिराग अपनी पार्टी को और मजबूत कर रहे हैं। वहीं चिराग पासवान की पार्टी का यह फैसला कहीं ना कहीं भाजपा की टेंशन बढ़ाने लगी है। चिराग एनडीए में तो रहेंगे, लेकिन अलग से बहुजन भीम सम्मेलन भी करेंगे। राजनीतिक जानकारों की मानें तो चिराग इसके माध्यम से एनडीए में शामिल दलों को अपनी ताकत दिखाना चाहते हैं, ताकि जब 243 सीटों पर बंटवारा हो तो उनकी पार्टी मजबूत दिखे। सूत्रों की मानें तो ये संवाद कार्यक्रम चिराग पासवान के लिए आगामी विधानसभा चुनावों से पहले शक्ति प्रदर्शन का मंच बनेंगे। इसके जरिए लोजपा (रा) न सिर्फ दलित और पिछड़े वर्गों में अपनी पैठ मजबूत करना चाहती है, बल्कि भाजपा और जदयू को भी यह संकेत देना चाहती है कि सीट बंटवारे में उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। चिराग पासवान ने यह स्पष्ट कर दिया है कि उनकी पार्टी एनडीए का हिस्सा रहेगी। लेकिन वह गठबंधन के भीतर अपनी स्वतंत्र पहचान बनाए रखेगी।

किसानों को किया गया जागरूक

दानापुर (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। सरारी पंचायत के पंचायत भवन कृषि कार्यालय परिसर में सोमवार को मौसम-आधारित कृषि परामर्श को लेकर किसानों के बीच जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सेंटर फॉर स्टडीज ऑन एनवायरनमेंट एंड क्लाइमेट (सीएसईसी), एशियन डेवलपमेंट रिसर्च इंस्टीट्यूट (आद्री) के पर्यावरण सूचना, क्षमता निर्माण व आजीविका कार्यक्रम (बीएसीपी) और भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम का उदघाटन पूर्व विधायक आशा सिन्हा ने किया। इस अवसर पर आद्री के डॉ मौसमी गुप्ता व डा सुनील गुप्ता ने किसानों को बताया की जानकारी ही बचाव है. आप जितनी ज्यादा जानकारी अपने पास रखेंगे. क्षति उतनी ही कम होगा. उन्होंने बताया की कृषि वैज्ञानिक परिवर्तित होते जलवायु के हिसाब से बीजों को विकसित कर रहे हैं, ताकि आप किसान भाइयों को ज्यादा से ज्यादा गुणवत्तापूर्ण फसलों का उत्पादन कर सके. बताया जाता है कि विश्व जैव विविधता दिवस 22 मई को मनाया जाता है।

पटना में जुटे 20 देशों के 70 अंतरराष्ट्रीय खाद्य उत्पाद क्रेता

बिहार में अंतरराष्ट्रीय क्रेता-विक्रेता सम्मेलन, खाद्य निर्यात को मिली नई उड़ान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा), भारतीय व्यापार संवर्धन परिषद (टीपीसीआई) और बिहार सरकार के संयुक्त प्रयास से पटना में 19-20 मई को दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रेता-विक्रेता सम्मेलन (आईबीएसएम) का आयोजन हुआ। इसका उद्देश्य बिहार की कृषि-खाद्य क्षमताओं को वैश्विक मंच पर लाना और निर्यात को बढ़ावा देना रहा। उद्घाटन सत्र में केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान, बिहार के उपमुख्यमंत्री एवं कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा, बिहार सरकार के उद्योग मंत्री नितीश मिश्रा, एपीडा अध्यक्ष अभिषेक देव, खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय के अपर सचिव मिन्हाज आलम और उद्योग विभाग के अपर मुख्य सचिव मिहिर कुमार सिंह समेत कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। सम्मेलन में 20 देशों के 70 अंतरराष्ट्रीय क्रेता, 6 वैश्विक खुदरा शृंखलाएं, 50 देशी और 20 संस्थागत क्रेता शामिल हुए। 400 से अधिक व्यापारिक बैठकें आयोजित हुईं, जिससे बिहार की लघु एवं मध्यम उद्यम इकाइयों तथा कृषक उत्पादक संगठनों को नए बाज़ारों में प्रवेश का अवसर मिला। लुलु समूह, डाटर एंड सन्स, रॉयल गोल्डन ट्रेडिंग और यूवीआर नैचुरल फूड्स जैसी कंपनियों ने बिहार से चावल, मसाले, मखाना और फल खरीदने में रुचि दिखाई। एक रणनीतिक रिपोर्ट 'भारत के मखाना निर्यात को बढ़ावा देने की रणनीतियाँ' भी जारी की गई। उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा ने बिहार को पूर्वी भारत का विकास इंजन बताते हुए मेगा फूड पार्क और एकल खिड़की स्वीकृति प्रणाली की जानकारी दी। उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने खाद्य प्रसंस्करण को किसानों की आमदनी बढ़ाने का प्रमुख साधन बताया। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि यह आयोजन केवल व्यापार नहीं, बल्कि ग्रामीण समृद्धि की दिशा में एक निर्णायक मोड़ है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम योजना के तहत बिहार को वर्ष 2024-25 में ?624.42 करोड़ की मंजूरी दी गई है, जो देश में सर्वाधिक है। कार्यक्रम का समापन टीपीसीआई अध्यक्ष के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

विधानसभा चुनाव से पहले राजद के नए प्रदेश अध्यक्ष की ताजपोशी की हो रही तैयारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले राजद में नए प्रदेश अध्यक्ष की ताजपोशी की तैयारी शुरू हो गई है। दरअसल, वर्तमान बिहार प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह लंबे समय से अस्वस्थता के कारण पार्टी कार्यालय नही आ रहे हैं। ऐसे में राजद ने बदलाव करने का फैसला ले लिया है। पार्टी में प्रदेश अध्यक्ष और राष्ट्रीय अध्यक्ष दोनों में बदलाव की बात हो रही है। इस संबंध में राजद के मुख्य प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने कहा कि राजद सिद्धांतों के साथ और संगठन की शक्ति से चलने वाली पार्टी है। उन्होंने कहा कि 21 जून को नये प्रदेश अध्यक्ष के नाम पर मुहर लग जाएगी। वहीं, इसके 15 दिन बाद यानी 5 जुलाई को राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम का भी ऐलान हो जाएगा। शक्ति सिंह यादव ने कहा कि जो पार्टी को पूरी मजबूती के साथ पार्टी के सिद्धांतों के साथ आगे लेकर जाएगा और तेजस्वी यादव के सपने को आगे बढ़ाएगा उसके नाम पर ही पार्टी मुहर लगाएगी। जगदानंद सिंह के बारे में शक्ति सिंह यादव ने कहा कि वह बीमार रह रहे हैं और उनकी उम्र भी अधिक हो चुकी है, इसलिए नये साथी को पार्टी प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेवारी देगी। चुनावी वर्ष है इसलिए सभी बातों का ख्याल रखा जाएगा और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेवारी मजबूत हाथों में सौंपी जाएगी। बता दें कि बीते 21 अप्रैल को खबर आई थी कि जगदानंद सिंह ने दिल्ली एम्स में भर्ती लालू प्रसाद यादव से मुलाकात की थी। यह मुलाकात करीब ढाई घंटे तक चली थी। तब बताया गया था कि जगदानंद सिंह ने लालू यादव के स्वास्थ्य की जानकारी लेने के लिए उनसे मिलने गए थे।

जंगल राज पार्ट-2 बिहार की जनता को नहीं है मंजूर

बिहार के युवाओं की नहीं अपनी बेरोजगारी को लेकर परेशान है राजद-कांग्रेस के युवराज : मंगल पाण्डेय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। स्वास्थ्य व विधि मंत्री मंगल पाण्डेय ने कहा है कि राजद और कांग्रेस के युवराज बिहार के युवाओं की नहीं अपनी बेरोजगारी को लेकर परेशान हैं। मगर इनकी बेरोजगारी 2025 में दूर होने वाली नहीं है। श्री पाण्डेय ने कहा कि इन दोनों दलों की मिलीभगत से ही बिहार 15 वर्षों तक लूट-खसोट व भ्रष्टाचार का शिकार होकर बदहाल बना रहा। आज भी बिहार की जनता अपनी दुर्दशा के उन भयावह दिनों को नहीं भूली है। उन्होंने कहा कि रोजगार, अपराध और पलायन को मुद्दा बनाने की इन दोनों युवराजों की कोशिश बिहार में सफल नहीं होने वाली है। बिहार की जनता को अच्छी तरह से मालूम है कि राजद-कांग्रेस के शासनकाल में बिहार में एक मात्र कोई उद्योग फला-फुला तो वह अपहरण उधोगश था। अपहरण के बाद फिरौती की वसूली सत्ता के संरक्षण में होती थी। श्री पाण्डेय ने कहा कि 1995 से 2000 और 2000 से 2005 के बीच कांग्रेस के सहयोग व समर्थन से चलने वाली राजद की सरकार इतनी अराजक, दिशाहीन और विकास विरोधी थी कि न केवल एक-एक कर बिहार के सारे उधोग-धंधे बंद हो गए बल्कि डेढ़ लाख से अधिक व्यावसायियों, उद्योगपतियों, डॉक्टरों, इंजीनियरों व अन्य पेशेवर कारोबारियों को बिहार से पलायन करने के लिए विवश होना पड़ा था। बिहार की जनता कुछ भी नहीं भूली है। जंगल राज पार्ट-2 बिहार की जनता को मंजूर नहीं है। जनता ने मन बना लिया है, 2025 में फिर एक बार एनडीए सरकार तय है।

पूर्व सांसद उदय सिंह बने जन सुराज के राष्ट्रीय अध्यक्ष

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुराज ने अपना नया राष्ट्रीय अध्यक्ष चुन लिया है। पूर्णिया के पूर्व सांसद उदय सिंह उर्फ पप्पू सिंह को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रशांत किशोर ने सोमवार को इसकी घोषणा करते हुए बताया कि उदय सिंह को सर्वसम्मति से जन सुराज का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है। उन्होंने कहा कि उनकी भूमिका जन सुराज में कुम्हार की होगी, मैं मिट्टी लाता जाऊंगा और इसे आप लोग गढ़ते जाएंगे। पीके ने कहा कि धीरे-धीरे मेरे साथ लोग जुड़ते जाएंगे और मैं छोटा होता जाऊंगा। मेरा काम सिर्फ बिहार के लोगों को जागरूक करना है। वहीं, जन सुराज का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने पर उदय सिंह ने कहा कि मैं काफी समय से राजनीति में हूं और मेरा परिवार भी पूर्व से ही राजनीति में रहा है। मैं जब प्रशांत किशोर के साथ जुड़ा तब से इन्हें देख रहा हूं। यह शख्स आराम की जिंदगी जी सकता है, लेकिन उनके मन में बिहार में बदलने की छटपटाहट है और इसे देखकर मैं हैरान रह गया हूं। लेकिन, हैरानी के साथ ही प्रशांत किशोर जी की हिम्मत देखकर मुझे विश्वास भी हुआ कि यह कुछ करके रहेंगे।

महिला श्रमिकों की हर संभव सहायता करेगी सरकार : मंत्री

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। श्रम संसाधन मंत्री संतोष कुमार सिंह से आज मजदूर महिला मंडल की एक प्रतिनिधिमंडल ने नियोजन भवन स्थित कार्यालय में सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान महिला मंडल की सदस्यों ने माँ दुर्गा की प्रतिमा भेंट कर मंत्री का स्वागत किया और अपनी समस्याएं उनके समक्ष रखीं। मंत्री ने महिला प्रतिनिधियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि श्रम संसाधन विभाग सदैव मजदूर वर्ग, खासकर महिला श्रमिकों के हितों के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा हाल ही में लागू की गई 'बिहार शताब्दी असंगठित कार्य क्षेत्र कामगार एवं शिल्पकार सामाजिक

सुरक्षा (संशोधन) योजना, 2024' के तहत विभिन्न कल्याणकारी लाभ प्रदान किए जा रहे हैं। मंत्री ने बताया कि इस योजना का लाभ लेने के लिए मजदूर महिलाएं श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, श्रम अधीक्षक या जिला पदाधिकारी के कार्यालय में आवेदन दे सकती हैं। विशेष रूप से योजना के तहत मिलने वाली छात्रवृत्ति के लिए श्रम अधीक्षक के कार्यालय में आवेदन की व्यवस्था है। इसके साथ ही मंत्री ने यह भी बताया कि निर्माण श्रमिकों के लिए विभाग द्वारा जन्म से मृत्यु तक कुल 16 प्रकार की जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनमें स्वास्थ्य, शिक्षा, विवाह, प्रसूति, अपंगता, दुर्घटना सहायता आदि शामिल हैं। उन्होंने महिला मंडल को इन सभी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। मुलाकात के दौरान मंत्री संतोष कुमार सिंह ने भावुक होकर कहा कि, निर्माण श्रमिक और शिल्पकार ही हमारे देश के असली निर्माता हैं। मुझे बेहद खुशी है कि मजदूर महिलाओं की यह टीम मुझसे मिलने आई और अपनी बातों को खुलकर सामने रखा। मैं व्यक्तिगत रूप से और विभागीय स्तर पर हमेशा आपके साथ खड़ा हूं।

पशुपालन के जरिए उद्यमिता और रोजगार को बढ़ावा दे रही बिहार सरकार

पशुपालन और चारा क्षेत्र में उद्यमिता विकास से रोजगार का होगा सृजन

एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार सरकार पशुपालन के जरिए उद्यमिता और रोजगार को बढ़ावा दे रही है। पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग ने राष्ट्रीय पशुधन मिशन के तहत एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम शुरु किया है। इसमें छोटे जुगाली करने वाले पशु, कुक्कुट और सूअर पालन के साथ-साथ चारा क्षेत्र में उद्यमिता के विकास से रोजगार का सृजन किया जा रहा है। साथ ही इस कार्यक्रम के तहत पात्र उद्यमियों को अधिकतम 50% तक की पूंजीगत सब्सिडी भी दी जा रही है। इसका लाभ निजी व्यक्ति, स्वयं सहायता समूह, किसान उत्पादक संगठन, किसान सहकारिता संस्थाएं, संयुक्त दायित्व समूह और धारा 8 की कंपनियां ले सकती हैं। किसानों और पशुपालकों के लिए गुणवत्तापूर्ण विस्तार सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए राज्य के पदाधिकारियों और पशुपालकों की क्षमता निर्माण पर भी जोर दिया जा रहा है। साथ ही, कौशल-आधारित प्रशिक्षण और नई तकनीकों के प्रसार के माध्यम से उत्पादन लागत को कम करने और पशुधन क्षेत्र की उत्पादकता में सुधार करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। राष्ट्रीय पशुधन मिशन के तहत विभिन्न योजनाओं के जरिए पशुपालकों और उद्यमियों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। जिसमें नस्ल सुधार के माध्यम से प्रति पशु उत्पादकता बढ़ाना, मांस, अंडा, बकरी का दूध, ऊन और चारे के उत्पादन में वृद्धि करना, चारा बीज की आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करना, चारा प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना को प्रोत्साहित करना, और पशुधन बीमा के जरिए जोखिम प्रबंधन को बढ़ावा देना जैसे काम शामिल हैं। इसके अलावा, मुर्गी, भेड़, बकरी पालन और चारा क्षेत्र में अनुप्रयुक्त अनुसंधान को प्राथमिकता दी जा रही है। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक व्यक्ति आधिकारिक वेबसाइट्स https://nlm.udyamimitra.in और www.dahd.nic.in पर संपर्क कर सकते हैं। यह मिशन बिहार के ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालन को एक लाभकारी उद्यम के रूप में स्थापित करने और रोजगार के नए अवसर सृजित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है।

पटना कलम शैली पेंटिंग्स की प्रतीक्षा में है विश्व कला बाजार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। इंटैक, पटना चैप्टर एवं योर हेरिटेज के संयुक्त प्रयास से सप्ताह भर चले पटना कलम शैली चित्रकला प्रशिक्षण एवं कार्यशाला का समापन समारोह सोमवार को पटना आर्ट कॉलेज में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में जालान म्यूजियम के प्रमुख आदित्य जालान ने कहा कि पटना सिटी के जालान संग्रहालय में संग्रहित पटना कलम शैली के सभी चित्रों को आगामी जुलाई माह में आम जन के दर्शनार्थ उपलब्ध करा दिया जाएगा। इसके लिए उनकी टीम काम कर रही है। पटना के डाकबंगला चौराहा के पास ही एक बड़ा स्थान चिन्हित कर उसपर काम चल रहा है। यह पटनावासियों के लिए आकर्षण का नया केंद्र होगा। उन्होंने आगे कहा कि पटना कलम हमारी साझी

विरासत है और इसे बचाकर रखना हमारी साझी सामाजिक चुनौती भी है। बापू टावर के उप निदेशक ललित कुमार सिंह ने कहा कि इस शैली के चित्रकारों को समसामयिक विषयों पर भी चित्रण करना चाहिए क्योंकि इससे विषय की विविधता बनी रहती है। बिहार पर्यटन के सहायक निदेशक केशरी कुमार ने कहा कि इतिहास, संस्कृति और कला से जुड़े पक्षों का संबंध बिहार के पर्यटन से भी रहा है। वरिष्ठ फोटोग्राफर बी.के. जैन ने कहा कि पिछले कई दशकों बाद पटना कलम को जीवन्त बनाने हेतु किए गए प्रयास सराहनीय है और भविष्य में भी इसकी निरन्तरता बनी रहनी चाहिए। पटना कलम की वरिष्ठ चित्रकार स्मिता पाराशर ने प्रेजेन्टेशन के माध्यम से इस शैली में स्वयं के बनाए चित्रों की बारीकियों से अवगत कराया। प्लानेट के अनुराग कुमार ने 1707 ई. में औरंगजेब की मृत्यु के बाद के कंपनी शैली की कला एवं कलाकारों की कला यात्रा के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि मुर्शिदाबाद से चलकर पटना पहुंचे कलाकार पटना सिटी में आकर बस गए। कैमरा का आविष्कार, यूरोपीय लोगों का भारत से वापस जाना एवं जमींदारों एवं धनी लोगों द्वारा कला को संरक्षण नहीं दिए जाना ही इस शैली के पतन का मुख्य कारण बना। कला समीक्षक कविता कानन चन्द्रा ने कहा कि पटना कलम के लिए बाजार की कमी नहीं है बल्कि विश्व का कला बाजार तो इस शैली की पेंटिंग्स की प्रतीक्षा कर रहा है। समारोह को प्रदीप जैन ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर कला एवं शिल्प महाविद्यालय की प्राचार्य राखी कुमारी, प्राध्यापक अजय कुमार पाण्डेय, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. अरुण कुमार, प्लानेट के डॉ. अजफर अहमद आदि थे।

चित्रांकन एवं फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन

पटना (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस 2025 के अवसर पर संजय गांधी जैविक उद्यान में सोमवार को राज्यस्तरीय चित्रांकन एवं फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस आयोजन में पटना जिले के 24 सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के कुल 1165 विद्यार्थियों ने भाग लिया। बिहार राज्य जैव विविधता पर्षद की ओर से आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों को जैव विविधता के महत्व से अवगत कराना एवं उसके संरक्षण के प्रति जागरूक बनाना था। प्रतियोगिता को तीन वर्गों में बांटा गया था। ग्रुप-ए कक्षा 1 से 4 के छात्रों ने ल्हचिड़ियां मेरे आस-पास ग्रुप-बी (कक्षा 5 से 8) के छात्र ल्हजल में जीवन तथा ग्रुप-सी कक्षा 9 से 12 के लिए जैव विविधता : शहरी क्षेत्र में जरूरी क्यों विषय पर चित्रांकन किया।

नैक संबद्धता प्रक्रिया पर कार्यशाला

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। मौलाना मजहरुल हक अरबी और फारसी विश्वविद्यालय, पटना ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देश के अनुरूप राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद से प्रत्यायन प्राप्त करने के लिए कदम उठाना शुरू कर दिया है। विदित हो कि सभी विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों को वर्ष 2027 तक गइइए ग्रेडिंग सुनिश्चित कराना अनिवार्य है। संस्थागत पहल करते हुए विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ ने नैक प्रक्रिया विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य विश्वविद्यालय के शैक्षणिक समुदाय को नैक प्रक्रिया, मूल्यांकन और प्रत्यायन प्रक्रिया में शामिल जटिलताओं से परिचित कराना था। कार्यशाला का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलमगीर के संरक्षण एवं कुलसचिव कर्नल कामेश कुमार के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यशाला की शुरुआत करते हुए अपने प्रारम्भिक टिप्पणी में, आइक्यूएसी समन्वयक डॉ. मोहम्मद जावेद अख्तर ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए आमंत्रित विशेषज्ञों-बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के डॉ. केसी पटनायक और इंजीनियार एस एम नेयाज का परिचय कराया। उन्होंने मौलाना मजहरुल हक अरबी एवं फारसी विश्वविद्यालय के लिए कार्यशाला के महत्व पर यह कहते हुए जोर दिया कि यह विश्वविद्यालय अपेक्षाकृत युवा संस्थान है जिसमें अधिकतर नए संकाय सदस्य हैं और जो सहायक प्राध्यापक के पद पर कार्यरत हैं। कार्यक्रम का औपचारिक समापन इस्लामिक अध्ययन विभाग के सहायक प्रोफ़ेसर डॉ तहसीन ज़मान द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

एलएचबी रेक में परिवर्तित हुआ जननायक एक्सप्रेस

होगी सुविधा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। दरभंगा और अमृतसर के बीच चलने वाली गाड़ी संख्या 15211/15212 दरभंगा-अमृतसर-दरभंगा जननायक एक्सप्रेस के चारों आईसीएफ रेक को एलएचबी रेक में परिवर्तित करने का कार्य पूरा हो गया है। विदित हो जननायक एक्सप्रेस का पहले से दो रेक का एचएचबी रेक में परिवर्तन कर चलाया जा रहा था। अब इस ट्रेन का तीसरा रेक का दिनांक 16.05.2025 से तथा चौथे रेक का 18.05.2025 से एलएचबी रेक में परिवर्तन कर परिचालन किया जा रहा है।

ज्ञातव्य हो कि एलएचबी कोच यात्रियों को अपेक्षाकृत अधिक आरामदायक यात्रा का अनुभव प्रदान कराता है। स्टेनलेस स्टील से निर्मित बेहतर आंतरिक सज्जा युक्त उच्च गति क्षमता वाले अत्याधुनिक एलएचबी कोच पारंपरिक कोच की तुलना में वजन में हल्का और मजबूत होता है। कोचों में आधुनिक सीबीसी कपलिंग लगे होने से संरक्षा में वृद्धि होती है । एंटी क्लाइम्बिंग विशेषताएं दुर्घटनाओं के दौरान उन्हें एक-दूसरे पर चढ़ने से रोकती हैं । कोच बेहतर ब्रेकिंग सिस्टम व सस्पेंशन के साथ-साथ बेहतर आंतरिक सज्जा व शौचालय युक्त होते हैं। फलस्वरूप एलएचबी कोच युक्त ट्रेनों से यात्रा अपेक्षाकृत अधिक संरक्षित, सुरक्षित व आरामदायक होती है।

लिटेरा पब्लिक स्कूल में हर्ष और श्रद्धा के साथ मनाया मातृ दिवस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। लिटेरा पब्लिक स्कूल ने मातृ दिवस बड़े ही उत्साह, प्रेम और कृतज्ञता के साथ मनाया। यह अवसर मुख्य अतिथि प्रणव कुमार, आईएएस, सचिव, गृह विभाग की गरिमामयी उपस्थिति से और भी विशेष बन गया। साथ ही, विद्यालय की निर्देशिकाएं ममता मेहरोत्रा, श्रुति मेहरोत्रा एवं अशुतोष मेहरोत्रा की उपस्थिति ने कार्यक्रम को और अधिक गौरवपूर्ण बनाया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों– गीत, नृत्य, नाटक और कविताओं–ने माताओं के प्रति हार्दिक श्रद्धा और सम्मान को भावपूर्ण ढंग से प्रकट किया। एक जादू का कार्यक्रम ने सभी को रोमांचित किया और आनंदित कर दिया। साथ ही, माताओं और छात्रों के लिए आयोजित संवादात्मक खेल और गतिविधियाँ पूरे आयोजन का विशेष आकर्षण रहीं, जिन्होंने उनके बीच के रिश्ते को और भी प्रगाढ़ बनाया। प्रणव कुमार ने विद्यालय द्वारा पारिवारिक मूल्यों को बढ़ावा देने के प्रयासों की सराहना की और विद्यार्थियों की प्रतिभा व उत्साह की प्रशंसा की। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन और माताओं के प्रति सम्मानपूर्ण अभिव्यक्ति के साथ हुआ, जो सभी के लिए एक अविस्मरणीय स्मृति बन गई।

संपादकीय

असम में क्यों हो रही हैं इतनी गिरफ्तारियां?

कथित पाक समर्थक पोस्ट की वजह से बढ़ती गिरफ्तारियों के बाद असम में अब लोग सोशल मीडिया के दूरी बनाने लगे हैं.इस मामले में अब तक राज्य के विभिन्न हिस्सों से 58 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है जो देश में सबसे ज्यादा है.पूर्वोत्तर का प्रवेशद्वार कहा जाने वाले असम राज्य में बीजेपी और खासकर हिमंता बिस्वा सरमा की सरकार के सत्ता में आने के बाद से ही विवादास्पद फैसलों और कार्रवाइयों के लिए सुर्खियां बटोरता रहा है.मुख्यमंत्री पर अल्पसंख्यक विरोधी एजेंडा चलाने के आरोप भी लगते रहे हैं.अब बीते महीने पहलगाम हमले के बाद भी राज्य में कथित पाक समर्थकों और गद्दारों की गिरफ्तारियों ने सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया है.हालांकि मामला संवेदनशील होने की वजह से अब तक किसी ने इसके खिलाफ टिप्पणी नहीं की है.मुख्यमंत्री ने पाक का कथित समर्थन करने वाले लोगों पर एनएसए लगाने की भी बात कही है.असम में पाकिस्तान के कथित समर्थन में सोशल मीडिया पोस्ट लिखने के आरोप में अब तक 58 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है.इनमें एक विपक्षी विधायक और छात्रों के अलावा एक महिला भी शामिल है.एक युवक को तो पुलिस ने तेलंगाना से गिरफ्तार किया है. गिरफ्तारी का सिलसिलाबीते 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद असम में 26 अप्रैल को देशद्रोह के आरोप में विपक्षी आल इंडिया डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के विधायक अमीनुल इस्लाम को गिरफ्तार किया गया था.उस मामले में जमानत मिलने के बाद उनको राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत हिरासत में रखा गया है. इससे पहले उनको पहलगाम हमले को केंद्र की बीजेपी सरकार की साजिश बताने पर गिरफ्तार किया गया था.गिरफ्तारी के बाद उनकी पार्टी ने इसे उनका निजी बयान बताते हुए इससे किनारा कर लिया था.वैसे, अमीनुल इस्लाम का विवादों से पुराना नाता रहा है.उनको इससे पहले वर्ष 2020 में भी देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था.उनकी गिरफ्तारी के बाद तो यह सिलसिला लगातार तेज होता रहा.ऐसी हर गिरफ्तारी के बाद मुख्यमंत्री खुद अपने एक्स हैंडल पर अपडेट देते रहे हैं.उन्होंने कहा है कि राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ सरकार की कार्रवाई जारी रहेगी.भारत-पाकिस्तान विवाद से धार्मिक मतभेद बढ़ने की आशंकाहिमंता ने पहलगाम हमले के अगले दिन कहा था कि उसे (पाकिस्तान को) इसकी कड़ी सजा मिलेगी.उन्होंने हिंदुओं की एकता पर जोर देते हुए पाक समर्थकों की शिनाख्त करने की भी अपील की है.काफी संवेदनशील है मामलासबसे दिलचस्प बात यह है कि यह गिरफ्तारियां किसी खास इलाके नहीं बल्कि राज्य के 21 जिलों से की गई हैं.इनमें सबसे ज्यादा सात लोग बांग्लाभाषी बराक घाटी के कछार जिले से की गई हैं.जिले के पुलिस अधीक्षक नुमाल महात्ता बताते हैं, सोशल मीडिया पोस्ट पर निगरानी के लिए मेरे दफ्तर में एक मॉनिटरिंग सेल खोला गया है. इसके अलावा असम पुलिस मुख्यालय से भी हमें आपत्तिजनक पोस्ट के बारे में सूचना मिल रही है.उसी के आधार पर गिरफ्तारियां की जा रही हैं। यह भी दिलचस्प है कि राज्य के किसी भी विपक्षी पार्टी ने इस मामले की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए सार्वजनिक रूप से सरकार की कार्रवाई पर सवाल नहीं उठाया है.कांग्रेस के एक नेता नाम नहीं छापने की शर्त पर डीडब्ल्यू से कहते हैं, असम ने इस मामले में गिरफ्तारियों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है.यह तादाद और बढ़ने की आशंका है.लेकिन मामला संवेदनशील होने की वजह से इस मुद्दे पर सार्वजनिक तौर पर कोई टिप्पणी करना उचित नहीं हैसैन्य कार्रवाई में भारत आगे लेकिन कूटनीति में पाकिस्तान को मिली जीतमुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने अपनी एक फेसबुक में लिखा है, असम पुलिस के अभियान के दौरान अब तक राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के आरोप में 58 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

जीईएम - सार्वजनिक खरीद को आकर्षक बनाने का सार्थक प्रयास

पीयूष गोयल

सार्वजनिक खरीद के लिए पारदर्शी, समावेशी एवं कुशल मंच प्रदान करने के एक अग्रणी उपाय के रूप में, गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) पूरी दुनिया में तेजी से उभरा है। यह प्लेटफॉर्म 1.6 लाख से अधिक सरकारी खरीदारों को 23 लाख विक्रेताओं एवं सेवा प्रदाताओं से जोड़ता है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' के दृष्टिकोण का एक प्रमुख वाहक बन गया है।

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा इस परिवर्तनकारी डिजिटल पहल को शुरू किए जाने के बाद से नौ वर्षों के दौरान, जीईएम ने भ्रष्टाचार को खत्म करके और स्टार्टअप, एमएसएमई, महिलाओं एवं छोटे शहरों के व्यवसायों को व्यावसायिक अवसर प्रदान करके सरकार द्वारा वस्तुओं एवं सेवाओं की खरीद के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव ला दिया है।

उपयोगकर्ताओं के अनुकूल माना जाने वाला यह प्लेटफॉर्म एक ऐसा सच्चा रत्न है, जिसने कुख्यात आपूर्ति एवं निपटान महानिदेशालय (डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सप्लाइज एंड डिस्पोजल्स) की जगह ले ली है। इस महानिदेशालय की अपारदर्शी और गैर-प्रतिस्पर्धी प्रणालियां कुछ विशेषाधिकार प्राप्त लोगों को अनुचित लाभ प्रदान करती थीं। इसलिए यह उचित ही है कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय का नया कार्यालय, वाणिज्य भवन, उस भूमि पर बनाया गया है जिस पर कभी यह पुराना निकाय स्थित था।

शानदार प्रगति ङ्क वर्ष 2016 में स्थापना के बाद से, जीईएम पोर्टल पर 13.4 लाख करोड़ रुपये से अधिक के ऑर्डर का लेन-देन किया गया है।

वर्ष 2024-25 के दौरान, इस प्लेटफ़ॉर्म पर सार्वजनिक खरीद बढ़कर रिकॉर्ड 5.43 लाख करोड़ रुपये की हो गई। जीईएम का लक्ष्य वर्तमान वित्त वर्ष में अपने वार्षिक कारोबार को बढ़ाकर 7 लाख करोड़ रुपये करना है। जीईएम निस्संदेह सार्वजनिक खरीद से जुड़े परिदृश्य में एक असाधारण तकनीकी उपाय के रूप में उभरा है।

कारोबार के आकार की दृष्टि से, जीईएम निकट भविष्य में दुनिया का सबसे बड़ा सार्वजनिक खरीद पोर्टल बन जाएगा और दक्षिण कोरिया के कोनेप्स जैसी सुप्रतिष्ठित संस्थाओं को पीछे छोड़ देगा।

जीईएम ने ईमानदारी से व्यावसाय करने प्रतिष्ठानों को व्यापक अवसर प्रदान किए हैं, नौकरियां सृजित की हैं और भारत के आर्थिक विकास को प्रोत्साहित किया है। इस संदर्भ में, जीईएम का महत्व वित्तीय दृष्टि से इसकी अभूतपूर्व प्रगति से कहीं बढ़कर है जो अपने आप में ई-कॉमर्स से जुड़ी किसी भी बड़ी कंपनी को हैरान कर देने के लिए काफी है।

न्यायसंगत विकास का वाहक - जीईएम प्रधानमंत्री मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास' मिशन के अनुरूप न्यायसंगत विकास के एक महत्वपूर्ण वाहक के रूप में कार्य करता है। यह स्टार्टअप, छोटे व्यवसायों और महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों को बिना किसी बिचौलियों के सरकारी खरीदारों के सामने अपने उत्पादों एवं सेवाओं को प्रदर्शित करने का एक आसान रास्ता प्रदान करता है। प्रवेश की सभी बाधाओं को दूर करके, यह प्लेटफॉर्म छोटे घरेलू व्यवसायों को ई-टेंडर में भाग लेने और अपने व्यवसाय का विस्तार करने का अधिकार देता है।

समावेशिता के सिद्धांत से प्रेरित, जीईएम ने छोटे व्यवसायों के विकास को समर्थन देने के उद्देश्य से विभिन्न रणनीतिक पहलों का समावेश किया है।

इनमें सरकारी खरीदारों को सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (एमएसई) और महिलाओं के नेतृत्व वाले व्यवसायों द्वारा पेश किए जाने वाले उत्पादों एवं सेवाओं की पहचान करने तथा उनका चयन करने में मदद करने वाली प्रणालियां शामिल हैं।

लक्ष्य से आगे - जीईएम पर ÷स्टार्टअप रनवे÷ और ÷वुमनिया÷ जैसे समर्पित स्टोरफ्रंट ने इन व्यवसायों की दृश्यता के साथ-साथ सार्वजनिक खरीद में उनकी हिस्सेदारी को भी प्रभावी ढंग से बढ़ाया हैद्य

इससे सरकार को सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (एमएसई) से 25 प्रतिशत खरीद और महिलाओं के नेतृत्व वाले व्यवसायों से 3 प्रतिशत खरीद के अपने लक्ष्यों को पूरा करने और उससे आगे निकलने में मदद मिली है। जीईएम पर किए गए कुल कारोबार का लगभग 38 प्रतिशत हिस्सा सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (एमएसई) को दिया गया है और महिला उद्यमों द्वारा खरीद की हिस्सेदारी लगभग 4 प्रतिशत है।

अप्रैल 2025 तक 30,000 से अधिक स्टार्टअप ने जीईएम के ज़रिए 38,500 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया है। इसके अलावा, 1.81 लाख उद्यम-सत्यापित महिला उद्यमियों ने जीईएम पोर्टल पर लगभग 50,000 करोड़ रुपये के ऑर्डर हासिल किए हैं।

बड़ी बचत - इन बदलावों से कुछ खास आकार के ऑर्डरों के लिए 33 प्रतिशत से लेकर 96 प्रतिशत तक की बचत हुई है। यह उल्लेखनीय कमी देश के आम नागरिकों के हित में व्यापार करने में आसानी (ईज ऑफ डूइंग बिज़नेस) और जीवन-यापन में आसानी (ईज ऑफ लिविंग) को बढ़ाने के मोदी सरकार के मिशन के अनुरूप एक स्वागत योग्य बदलाव है।

विश्व बैंक द्वारा किए गए एक स्वतंत्र मूल्यांकन से यह पता चला है कि जीईएम पर खरीदार औसत कीमत पर लगभग 9.75 प्रतिशत की बचत करते हैं। इससे करदाताओं के पैसे का उपयोग करके की जाने वाली सार्वजनिक खरीद में अनुमानित रूप से 1,15,000 करोड़ रुपये की भारी बचत हुई है।

जीईएम पर खरीद ने सरकारी कंपनी एनटीपीसी को 20,000 करोड़ रुपये के अनुबंध में रिवर्स नीलामी का उपयोग करके 2,000 करोड़ रुपये बचाने में मदद की। जीईएम ने रक्षा उपकरणों, टीकों, ड्रोन और बीमा जैसी सेवाओं की पारदर्शी एवं किफायती खरीद में भी मदद की है।

छोटे उद्यमों को बड़ी राहत प्रदान करते हुए, जीईएम ने हाल ही में अपने लेनदेन शुल्क में उल्लेखनीय कमी की है।

10 लाख रुपये से अधिक के ऑर्डर पर 0.30 प्रतिशत का कम लेनदेन शुल्क लगेगा, जबकि 10 करोड़ रुपये से अधिक के ऑर्डर पर 3 लाख रुपये का सीमित शुल्क लगेगा - जोकि पहले के 72.50 लाख रुपये के शुल्क से काफी कम है।

प्रौद्योगिकी, एआई - एक ठोस तकनीकी बुनियादी ढांचे से लैस, यह प्लेटफॉर्म विभिन्न तकनीकी उपायों का उपयोग करके व्यापार करने के नए एवं आसान तरीके पेश करते हुए लगातार विकसित होता जा रहा है। जीईएम ने ÷जीईएम एआई÷ नामक एक एआई-संचालित चैटबॉट का समावेश किया है - यह संवादात्मक विश्लेषण और व्यावसायिक बुद्धिमत्ता में प्रशिक्षित एक उपकरण है। यह स्मार्ट चैटबॉट आठ स्थानीय भाषाओं में उपलब्ध है और जीईएम पोर्टल पर व्यापार करने में आसानी को और बढ़ाने के लिए वॉयस कमांड कार्यक्षमता सहित नवीनतम तकनीकों से लैस है।

जीईएम सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (एमएसई) विक्रेताओं के लिए वित्तपोषण संबंधी उत्पाद भी प्रदान करता है। यह पात्र खरीद आर्डरों के लिए 10 मिनट से भी कम समय में गिरवी-मुक्त वित्तपोषण प्रदान करता है। इस प्लेटफॉर्म ने जीईएम सहाय 2.0 पेश किया है, जो 10 लाख रुपये तक के ऋण को हासिल करने के लिए एकल खिड़की के रूप में कार्य करता है। इस प्लेटफॉर्म को और अधिक समावेशी एवं प्रतिस्पर्धी बनाने हेतु पहले की अपेक्षा अधिक पहलों एवं तकनीकी उपायों पर काम चल रहा है।

जीईएम पोर्टल भारत के आर्थिक विकास और प्रधानमंत्री मोदी के प्रगति संबंधी उद्देश्यों को आगे बढ़ाने वाले एक महत्वपूर्ण वाहक के रूप में सक्रिय है। यह समाज के हाशिए पर पड़े वर्गों को सशक्त बनाने एवं उनका उत्थान करने तथा उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए हमेशा अतिरिक्त प्रयास करेगा और साथ ही यह भी सुनिश्चित करेगा कि करदाताओं के पैसे का कुशलतापूर्वक उपयोग प्रतिस्पर्धी मूल्य पर उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों की खरीद के लिए किया जाए।

(लेखक केन्द्रीय मंत्री हैं)

अध्यात्म

जब मन अशांत हो तो धैर्य नहीं छोड़ना चाहिए, मन शांत होने की प्रतिक्षा जरूर करें

गौतम बुद्ध और आनंद एक दिन किसी जंगल से गुजर रहे थे। गर्मी और थकान से परेशान होकर बुद्ध को प्यास लगी। बुद्ध ने आनंद से कहा कि पास ही एक झरना है, वहां से पानी ले आएं। आनंद झरने के पास पहुंचे, लेकिन वहां की स्थिति कुछ और ही थी, एक बैलगाड़ी झरने से होकर निकली थी, जिससे पानी मटमैला और गंदा हो गया था। निराश होकर आनंद लौट आए और बुद्ध को बताया कि पानी पीने योग्य नहीं है।

बुद्ध मुस्कुराए और बोले, तुम वहां वापस जाओ और कुछ देर किनारे पर बैठ जाओ। आनंद ने गुरु की बात मानी और झरने के पास जाकर शांत होकर बैठ गए। थोड़ी ही देर में गंदगी नीचे बैठने लगी और पानी साफ दिखने लगा। आनंद ने साफ पानी भरा और बुद्ध के पास लौट आए।

बुद्ध ने बड़े ही शांत स्वर में कहा, जीवन में भी कई बार ऐसा होता है जब परिस्थितियां इतनी गड़बड़ हो जाती हैं कि हमें कुछ समझ नहीं आता। उस समय अगर हम भी परेशान हो जाएं और प्रतिक्रिया देने लगें तो चीजें और बिगड़ती हैं। लेकिन अगर हम शांत रहें, धैर्य रखें, तो समय के साथ परिस्थितियां साफ होने लगती हैं और हम सही निर्णय ले पाते हैं, सकारात्मक भाव के साथ आगे बढ़ते हैंयह कथा सिर्फ झरने की कहानी नहीं, बल्कि हमारे मन की स्थिति का प्रतीक है। जब जीवन में कोई परेशानी आती है, तो हमारा मन भी उस गंदे पानी की तरह अस्थिर हो जाता है। चिंता, डर और क्रोध का गुबार हमारे सोचने की शक्ति को धुंधला कर देता है। ऐसे में सबसे बड़ी आवश्यकता होती है - धैर्य की। मेडिटेशन और आत्मनिरीक्षण की विधियां हमें यह सिखाती हैं कि विपरीत समय में प्रतिक्रिया देने की बजाय, अगर हम सिर्फ रुक जाएं, देखें, और धैर्य रखें, तो समाधान खुद-ब-खुद स्पष्ट हो जाता है।

सीख

धैर्य एक मानसिक शक्ति है, जो समय के साथ स्थिति को बेहतर बना सकती है। जिस तरह शांत जल में अपनी परछाई साफ दिखती है, वैसे ही शांत मन में समाधान स्वतः प्रकट होता है। बुरे समय में घबराने की बजाय ठहरना और खुद को संभालना ही बुद्धिमानी है। बुद्ध की यह छोटी सी कथा हमें सिखाती है कि जीवन की सबसे कठिन परिस्थितियां भी धैर्य और शांति से हल की जा सकती हैं। क्योंकि जब मन बैठ जाता है, तब समाधान उभर आता है।

जीवन का आधार है संबंध, इसी से हमारे कर्म का होता है निर्धारण

स्वार्थपरता और संबंध एक दूसरे के धुर विरोधी हैं। दोनों का साथ चलना असंभव है। अगर हम मानव जीवन की गहन पड़ताल करें तो पाएंगे कि वह अलग-अलग समय में अलगाव की विभिन्न प्रक्रियाओं से गुजरता है। वह ज्यादातर उन्हीं संबंधों को तरजीह देता है, जिनसे उसका हित जुड़ा होता है और हितों की समाप्ति के साथ ही उनसे छुटकारा पा लेता है या पाने की कोशिश करता है। यह स्थिति संबंध के मर्म पर आघात है। वास्तव में संबंधों को समझना जीवन को समझने के समान है। यह मनुष्यता का द्योतक है। जिसने भी इसकी गूढ़ता और महत्त्व को समझा है, वही सफल इंसान बन पाया है। विडंबना यह है कि आज के समाज में सफलता की जो परिभाषा तय की गई है, उसका अंधानुकरण किया जा रहा है, उसे प्राप्त करने के क्रम में संबंधों को दरकिनार कर दिया जाता है। सवाल है कि अगर हम सफलता की ऊंचाई पर पहुंच जाते हैं, लेकिन उस सफलता पर उल्लसित होने वाला हमारा कोई करीबी या संबंधी हमारे आसपास नहीं होता, तो उसकी क्या कीमत होगी।

संगीता सहाय

इन दिनों सोशल मीडिया पर संबंधों पर खूब बातें होती हैं। उसे बनाने, चलाने और बढ़ाने पर चर्चा, बहस मुबाहिसा आदि चलते ही रहते हैं। सुबह से लेकर देर रात तक बड़ी-बड़ी सारगर्भित उक्तियां लिखी, कही और कहीं से उठा के कहीं लगा ली जाती है। बहुत सारे लोग सुबह, दोपहर, शाम तीनों वक्त अपने मित्रों और इष्टजनों को शुभवचन, मंगलकानाएं आदि भेजते रहते हैं। किसी को याद करना, उनके हर दिन को स्मरणीय बनाने की कोशिश करना एक अच्छी बात है। पर अफसोस की बात यह होती है कि ऐसी बातें ज्यादातर इन्हीं खानों तक सीमित रह जाती हैं।

महत्त्वपूर्ण यह भी कि इन्हें कहने और सुनने वाले अधिकांश लोगों का लगभग सारा समय उनके हाथों की परिधि में समाए 'डिजिटल स्लेटों' की गुत्थियों को सुलझाने-उलझाने में ही बीत जाती है। संबंधों की दुहाई देते ये लोग दूर के रिश्तेदारों की कौन कहे, अपने परिजनों, यहां तक कि माता-पिता के साथ भी सही तरीके से रिश्तों का निर्वहन नहीं कर पाते। संबंधों के निर्माण और निबाह की अधिकांश बातें इंस्टाग्राम, वाट्सएप और फेसबुक आदि से शुरू होकर वहीं खत्म भी हो जाती हैं।

संबंध ही हमारे जीवन और सामाजिक जीवन का आधार है। उसका विकास और विस्तार समाज के निर्माण की बुनियाद है। महान राजनीतिक विचारक अरस्तू कहते हैं, 'मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाज से बाहर रहने वाला या तो पशु है या देवता।' मनुष्य अलग-थलग नहीं रह सकता। समाज में ही उसका विकास होता है। गौरतलब है कि समाज के निर्माण का आधार लोगों के बीच का परस्पर संबंध है। आपसी संबंध और समाज एक दूसरे के पर्यायवाची हैं। एक के बिना दूसरा अस्तित्वहीन है। हमारे जीवन का आधार संबंध है और इसी से हमारे कर्म भी निर्धारित होते हैं। यानी संबंधों का ताना-बाना ही मनुष्य को कुछ करने या कुछ बनने के लिए उत्प्रेरित करता है। हम अपनी जरूरतों की पूर्ति और घर-परिवार, गांव, देश और समाज के लिए अपनी उपादेयता सिद्ध करने के लिए कर्म से जुड़ते हैं।

कहा जा सकता है कि जीवन संबंध है और संबंध ही कर्म। संबंध का क्षेत्र अत्यंत विस्तृत है। मनुष्य का संबंध सिर्फ मनुष्य से ही नहीं होता, बल्कि स्वयं से, विचारों, वातावरण, प्रकृति, जीव-जंतु आदि से जुड़ना भी संबंध ही है। इन सबके साथ अपने रिश्तों को समझ कर ही व्यक्ति जीवन को भली-भांति समझ सकता है। उसके व्यक्तित्व का विस्तार तथा जीवन की पूर्णता का रहस्य इसी में समाहित है। यह एक अजीब बात है कि हममें से दुनिया के ज्यादातर हिस्से से नाता जोड़ते और सामंजस्य स्थापित करते-करते स्वयं की क्षमताओं, मन की गति, सोच आदि से ही अनभिज्ञ होते जाते हैं। उनकी सारी उम्र इसी अनभिज्ञता में बीत जाती है। वास्तव में जीवन के सहज और संतोषप्रद प्रवाह के लिए आत्म

साक्षात्कार सबसे पहली जरूरत है। स्वयं को जानना, मन की गति को समझना, उससे जुड़ना और उसी दिशा में कर्मरत होना मनुष्य और समाज के बेहतर संबंधों के लिए जरूरी है। जो व्यक्ति स्वयं को नहीं पहचानता, अपनी जरूरतों, खुशियों के लिए पहल नहीं करता या उसे महत्त्व नहीं देता, वह समाज से भी सकारात्मक जुड़ाव स्थापित नहीं कर पाता।

बिना संबंध के मनुष्य या किसी भी जीव मात्र का होना असंभव है। हमारे होने का मतलब ही संबंधित होना है। सूर्य, चांद, धरा, पर्वत, नदी, वृक्ष, जल, थल, नभ, जीव सहित प्रकृति का हर जर्रा एक दूजे के साथ स्थापित संबंधों पर ही टिके हैं। सच यह है कि सृष्टि का चक्र इसी के बदौलत चलायमान है। हमारे द्वारा संबंधों की इन गुत्थियों को समझ नहीं पाना संघर्ष और विवाद का कारण बनता है। बहुत सारे लोग संबंधों को जीते नहीं है, बल्कि आवश्यकतानुसार उसका उपयोग करते हैं। जन्म से मिले संबंधों के अलावा (अक्सर उसमें भी) अधिकांश में उसकी लाभप्रदता और महत्त्व की तलाश करते हैं। व्यक्ति की स्वार्थपरकता उसे ऐसा करने को विवश करती है। अपने वृद्ध माता-पिता और परिजनों को वृद्धाश्रम में रखना, संपत्ति के लिए परिवारजनों, मित्रों से विश्वासघात, छोटी-छोटी बातों को लेकर रिश्ते तोड़ना, अपने फायदे के लिए किसी भी हद तक जाना आदि स्वार्थपरकता की पराकाष्ठा है।

गौरतलब है कि स्वार्थपरता और संबंध एक दूसरे के धुर विरोधी हैं। दोनों का साथ चलना असंभव है। अगर हम मानव जीवन की गहन पड़ताल करें तो पाएंगे कि वह अलग-अलग समय में अलगाव की विभिन्न प्रक्रियाओं से गुजरता है। वह ज्यादातर उन्हीं संबंधों को तरजीह देता है, जिनसे उसका हित जुड़ा होता है और हितों की समाप्ति के साथ ही उनसे छुटकारा पा लेता है या पाने की कोशिश करता है। यह स्थिति संबंध के मर्म पर आघात है। वास्तव में संबंधों को समझना जीवन को समझने के समान है। यह मनुष्यता का द्योतक है। जिसने भी इसकी गूढ़ता और महत्त्व को समझा है, वही सफल इंसान बन पाया है। विडंबना यह है कि आज के समाज में सफलता की जो परिभाषा तय की गई है, उसका अंधानुकरण किया जा रहा है, उसे प्राप्त करने के क्रम में संबंधों को दरकिनार कर दिया जाता है। सवाल है कि अगर हम सफलता की ऊंचाई पर पहुंच जाते हैं, लेकिन उस सफलता पर उल्लसित होने वाला हमारा कोई करीबी या संबंधी हमारे आसपास नहीं होता, तो उसकी क्या कीमत होगी।

आज का कार्टून

राशिफल

मेष

आज आपको अनुमान से अधिक काम करना पड़ सकता है। नकारात्मक लोगों के कारण आप अपने लक्ष्य से भ्रमित हो सकते हैं।

वृषभ

समाज में आपकी प्रसिद्धि बढ़ेगी। जॉब में उच्च अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। नयी तकनीक का प्रयोग करेंगे। पैतृक व्यवसाय में विस्तार के योग बन रहे हैं।

मिथुन

जीवनसाथी और परिजनों की सलाह आपके लिये काफी अनुकूल रहने वाली है। देवस्थल की यात्रा हो सकती है। गृहस्थ जीवन का भरपूर आनन्द लेंगे।

कर्क

कार्यक्षेत्र के अधिकारी आपकी प्रशंसा करेंगे। धार्मिक क्रियाकलापों में आपका मन लगेगा। राजनीति से जुड़े लोगों को उच्च पद मिल सकता है।

सिंह

घर में अशान्ति का वातावरण रहेगा। अनुभवी व्यक्तियों से सलाह लेकर काम करना उचित होगा। परिजनों के साथ अपने सम्बन्ध अच्छे रखें।

कन्या

व्यवसाय में अपने कौशल का परिचय देंगे। सरकारी कर्मचारियों के लिये दिन अत्यन्त अनुकूल है। सन्तान के व्यवहार से आनन्दित रहेंगे।

तुला

आज आप कुछ विशेष कार्यों को पूरा करने के प्रयास में लगे रहेंगे। आपकी दिनचर्या काफी व्यस्त रहेगी। भूमि-सम्पत्ति को लेकर कोई निर्णय न लें।

वृश्चिक

पारिवारिक रिश्ते और भी मजबूत होंगे। छात्रों को मेहनत का बेहतरीन परिणाम मिलेगा। अनुभवी व्यक्तियों की सलाह का लाभ उठायेंगे।

धनु

आयात-निर्यात के व्यवसाय में उत्तम लाभ मिलेंगे। तनावपूर्ण स्थिति से अपने आपको दूर रखें। अत्यधिक कार्यभार के कारण थोड़ी परेशानी होगी। पढ़ाई में अवरोध का सामना करना पड़ेगा।

मकर

परिवार में आपके विचारों के अनुसार वातावरण रहेगा। बड़े भाइयों के साथ आपके सम्बन्ध प्रगाढ़ होंगे। आपके भीतर आत्मविश्वास और ऊर्जा का संचार होगा।

कुंभ

अपने व्यवहार में संयम अवश्य रखें। युवाओं के मन में नये व्यवसाय को लेकर उत्साह रहेगा। वरिष्ठ सदस्यों की सलाह पर अमल अवश्य करें।

मीन

आपके सिद्धान्तों की प्रशंसा होगी। विवादित मुद्दों को हल करने के लिये उत्तम समय है। माता-पिता आपका उत्साहवर्धन करेंगे। मेहनत के बल पर काम में सफलता मिलेगी।

आरसीपी सिंह ने नीतीश कुमार का छोड़ा साथ प्रशांत किशोर की पार्टी में हुए शामिल

पटना, एजेंसी। बिहार की राजनीति में एक नया समीकरण बनता दिख रहा है. लंबे समय से हाशिए पर चल रहे पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह एक बार फिर सक्रिय राजनीति में वापसी की तैयारी में हैं. कभी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सबसे करीबी सहयोगियों में गिने जाने वाले आरसीपी अब प्रशांत किशोर की अगुवाई वाली जन सुराज पार्टी के साथ नए राजनीतिक अध्याय की शुरुआत करने जा रहे हैं.

आसा बनी उम्मीद, लेकिन उम्मीदें टूटीं : 2024 में दीपावली के दिन आरसीपी सिंह ने अपनी नई पार्टी 'आसा' (आप सब की आवाज़) की घोषणा की थी. शुरुआत में लगा कि वे राज्य की राजनीति में एक नया मोर्चा खोल सकते हैं, लेकिन कुछ ही महीनों में यह पहल जमीन पर असर नहीं छोड़ सकी. सियासी गलियारों में चर्चा थी कि उनकी यह कोशिश उन्हें फिर से प्रासंगिक बनाने की थी, लेकिन वह कोशिश धूमिल होती नजर आई.

ऊंचाई से गिरावट तक: एक राजनीतिक ग्राफ : राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो आरसीपी सिंह का सियासी ग्राफ 2010 से 2021 तक लगातार ऊपर चढ़ता गया. आईएएस की नौकरी छोड़ने के बाद उन्होंने जदयू में कदम रखा और जल्दी ही नीतीश कुमार के करीबी बन गए. पार्टी में उन्होंने अध्यक्ष पद तक की जिम्मेदारी संभाली और फिर केंद्र में मंत्री भी बने. लेकिन 2021 में कैबिनेट विस्तार के दौरान नीतीश कुमार की मर्जी के बिना मंत्री बनने का आरोप उनके खिलाफ लगा. यहीं से उनके और नीतीश के रिश्तों में दरार आ गई. 2022 में उन्हें राज्यसभा से टिकट न देकर पार्टी ने संकेत दे दिया कि उनकी उपयोगिता खत्म हो चुकी है.

बीजेपी का दरवाजा खटखटाया: नीतीश से दूरी के बाद आरसीपी सिंह ने 2023 में भाजपा का दामन थामा, उम्मीद थी कि 2024 लोकसभा चुनाव में उन्हें टिकट मिल सकता है. लेकिन बीजेपी और नीतीश की सियासी नजदीकियों ने आरसीपी को फिर से दरकिनार कर दिया. उनकी राजनीतिक जमीन और विकल्प दोनों सिमटते चले गए.

अब जन सुराज के साथ नई शुरुआत : अब आरसीपी सिंह ने प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुराज से हाथ मिलाया है. यह गठजोड़ बिहार की राजनीति में एक नई संभावनाओं की

जमीन तैयार कर सकता है. खासकर, कुर्मी वोट बैंक को ध्यान में रखते हुए इस गठजोड़ को नीतीश कुमार के लिए चुनौती माना जा रहा है.

क्या नीतीश को हो सकता है नुकसान? : राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कुर्मी समुदाय में आरसीपी सिंह की पकड़ अब भी प्रभावशाली है. ऐसे में यदि जन सुराज इस समीकरण को भुनाने में सफल रहा, तो बिहार में आगामी विधानसभा चुनावों में नीतीश कुमार को सीधी चुनौती मिल सकती है.

बिहार जंगलराज की ओर न लौटे : प्रशांत किशोर ने आरसीपी सिंह की तारीफ करते हुए कहा कि आरसीपी सिंह के पास प्रशासनिक और संगठनात्मक अनुभव है, जो बिहार में बहुत कम लोगों के पास है। आज हम दोनों साथ आ रहे हैं, तो इसका बहुत बड़ा असर होगा। बिहार, फिर से जंगलराज की ओर नहीं लौटना चाहिए। हमारी लड़ाई भाजपा से भी है ताकि वो चोर दरवाजे से सरकार न बना सके।

नीतीश कुमार नहीं, ठेकेदार चला रहे सरकार : प्रशांत किशोर ने जेडीयू के पुराने नेताओं की सराहना करते हुए कहा कि अगर सबसे समझदार कार्यकर्ता किसी दल में है, तो वह जनता दल यूनाइटेड में है। जन सुराज में समाजवाद को जिंदा रखा जाएगा। उन्होंने नीतीश कुमार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि ÷नीतीश कुमार न सरकार चला रहे हैं, न पार्टी। आज सरकार ठेकेदार चला रहे हैं, जिनका कोई राजनीतिक अनुभव नहीं है।

तीसरे विकल्प की शुरुआत : दोनों नेताओं ने दावा किया कि बिहार में अब तीसरी राजनीतिक ताकत तैयार हो रही है जो एनडीए और महागठबंधन से अलग होगी। प्रशांत किशोर ने कहा कि लोग कहते हैं कि बिहार में दो गठबंधन हैं- एनडीए और महागठबंधन, लेकिन इन्हें बनाने में हम लोगों ने मेहनत की थी। अब हम अपना घर बनाने जा रहे हैं।

भारत की सारी पार्टियां ए टीम है

पीके ने कहा कि जेडीयू को मैंने सीएए और एनआरसी के मुद्दे पर छोड़ा था। आरसीपी सिंह के वजह से नहीं। आरसीपी सिंह से मेरा कोई मतभेद नहीं था। आज नीतीश कुमार को चार लोगो ने घेर कर रखा है। नीतीश कुमार के लेगेसी को खत्म कर रहे हैं। अगर नीतीश आज से तीन साल पहले कुर्सी छोड़ देते तो बिहार के लिए महान हो जाते। जन सुराज के बारे में कहा जाता था की भाजपा की बी टीम है, लेकिन मैं कहना चाहता हूं कि भारत की सारी पार्टियां ए टीम है।

आरसीपी टैक्स पर पलटवार

आरसीपी सिंह ने कहा कि एक वक्त में मुझ पर आरोप लगा, लेकिन आज कौन टैक्स ले रहा है। भाजपा के बड़े नेताओ से मेरा जान-पहचान था, लेकिन मुझे कोई काम नहीं दिया गया। इस वजह से हम भाजपा से अलग हो गए थे, क्योंकि मुझे काम करना था। उन्होंने कहा कि बिहार में सेमीकंडक्टर का यूनिट नहीं लगा जबकि इसके लिए बिहार सबसे उपयुक्त है। उन्होंने आगे कहा कि लोग कहते हैं कि बिहार में सिर्फ बालू है। बिहार में कोई खनिज नहीं है, लेकिन ये सब ग़लत है। जब मैं केंद्र में मंत्री था तब यह पता चला की बिहार में इतना खनिज है कि जानकर मैं उछल पड़ा था। इसकी जानकारी मैंने नीतीश कुमार को दिया था, लेकिन इसका कोई फायदा नहीं हुआ। इस पर कोई विचार नहीं किया गया। मैं भी लगातार बिहार घूम रहा हूं। आरसीपी सिंह की भूमिका जन सुराज को नेतृत्व करने वालो में से होगी। पीके ने कहा कि आरसीपी सिंह जन सुराज का नेतृत्व कर सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

बिहार में बनेंगे 22 हजार नए युवा आपदा मित्र

■ बाढ़-सुखाड़ और भूकंप के समय करेंगे मदद

पटना, एजेंसी। बिहार में आपदा प्रबंधन कार्य को और प्रभावी बनाया जाएगा। इसके लिए राज्य में 22 हजार नए युवा आपदा मित्र बनाए जाएंगे। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। आपदा के समय स्थानीय प्रशासन इनकी मदद लेगा। ये बाढ़, सुखाड़, भूकंप, अगलगी, वज्रपात या अन्य आपदा के समय प्रशासन के साथ कंधा से कंधा मिलाकर काम करेंगे। इससे राहत कार्य ज्यादा लोगों तक पहुंच पाएगा। वर्तमान में बिहार में 9500 से अधिक आपदा मित्र हैं। 22200 नए युवा आपदा मित्र तैयार होने के बाद राज्य में इनकी संख्या 32 हजार हो जाएगी। इसके लिए एनसीसी, एनएसएस, नेहरू युवा केंद्र और भारत स्काउट एवं गाइड के स्वयंसेवक एवं कैडेट को प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के बाद इन्हें तीन साल का बीमा कवर भी दिया जाएगा। इनकी तैनाती होने पर स्थानीय जिला प्रशासन की ओर से इन्हें भत्ता भी दिया जाएगा। वर्तमान में 450 से 750 रुपये के बीच भत्ते का प्रावधान है। युवा आपदा मित्र राज्य के हरेक जिले में संवेदनशील स्थलों के आसपास के क्षेत्रों से होंगे। बिहार के 29 जिले बाढ़ के दृष्टिकोण से संवेनदशील हैं, इसमें से 15 अतिसंवेदनशील हैं। दक्षिण बिहार के ज्यादा जिले सुखाड़ प्रभावित हैं। राज्य का 15.20 फीसदी क्षेत्र भूकंप की दृष्टि से सर्वाधिक संवेदनशील जोन 5 में आता है।

बंदर के आतंक से आतंकित है अठनिया दियारा के लोग बदल चुके हैं रास्ता

भागलपुर, एजेंसी। प्रखंड के दियारा क्षेत्र में स्थित परशुरामपुर पंचायत के अठनिया दियारा गांव में बंदरों का आतंक छाया हुआ है। लोग रास्ता बदलकर चलने को मजबूर हो गए हैं। लोगों का कहना है कि बंदर किसी के छत से या पेड़ से सीधे शरीर पर कूद जाते हैं। घरों दरवाजों पर भी अचानक हमला कर किसी को जख्मी कर देते हैं। रविवार को भी एक 25 वर्षीय युवक भूषण कुमार को हाथ में काटकर जख्मी कर दिया। पिकपप चालक मो. महफूज किसी तरह बच पाया। ग्रामीण संजय यादव, सुनील शर्मा, अमित कुमार, दीपक कुमार, राजेश आदि ने बताया कि पिछले कई महीनों से यहां बंदरों का आतंक है। यहां आठ से दस बंदरों की टोली है। उनमें से एक बंदर सड़क पर चलने वाले ट्रैक्टर, जीप, पिकअप, ऑटो आदि गाड़ियों में अगले सीट पर बैठे ड्राइवर और यात्रियों को काटकर घायल कर देते हैं। अब तक दर्जनों लोगों को जख्मी कर दिया है। जिनमें रामनगर में अवधेश कुमार यादव, रंजीत कुमार, अठनियां में शोभाकांत यादव, मंगल यादव, भूषण कुमार, चितरंजन यादव, व्यास कुमार आदि घायल हुए हैं। लोगों को दियारा स्थित अपने खेत जाने, बच्चों को पढ़ने जाने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। रामनगर, लक्ष्मण टोला, मोहनपुर, गोविंदपुर, माधोपुर, अठनिया, खुशालपुर, बकिया आदि गांवों के लोगों में डर का माहौल बना हुआ है। लोगों की मांग है कि वन विभाग की टीम बंदरों का रेस्क्यू करे। रेंज ऑफिसर रूपम कुमार सिंह ने बताया कि अठनिया दियारा भी रेस्क्यू टीम जाएगी।टीम को कमलचक भी जाना है। इसके विशेषज्ञ डॉक्टर जो ऐसे बंदरों को ऐसे बंदरों को गन से बेहोश करते हैं। वे दो दिन की छुट्टी पर हैं। जैसे ही छुट्टी से वापस आते हैं दोनों जगह रेस्क्यू टीम भेजी जाएगी। उन्होंने कहा कि अठनिया दियारा वाला मामला भी अभी अभी ही संज्ञान में आया है।

दो पक्षों में झड़प के दौरान फायरिंग, एक घायल

हाजीपुर (वैशाली), एजेंसी। वैशाली में रविवार रात दो पक्षों के बीच विवाद के दौरान एक युवक गोली लगने से घायल हो गया। यह घटना बिदुपुर थाना क्षेत्र के जुड़ावनपुर गांव में हुई। घायल युवक की पहचान गांव के ही सुजीत कुमार (34) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, सुजीत कुमार अपने घर के पास बहुल राय और रविन्द्र राय के बीच चल रहे विवाद को देखने पहुंचे थे। इसी दौरान किसी पक्ष की चलाई गई गोली उनके बाएं पैर की जांघ में जा लगी।

स्थानीय अस्पताल से हाजीपुर सदर रेफर : गोली लगने के बाद परिजन उन्हें तुरंत बिदुपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें हाजीपुर सदर अस्पताल रेफर किया गया। उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है।

पुलिस ने दर्ज किया बयान, शुरू की जांच : बिदुपुर थाना अध्यक्ष ने बताया कि विवाद के दौरान छीना-झपटी में गोली चलने की बात सामने आई है। घायल सुजीत का बयान दर्ज कर लिया गया है और घटना की जांच जारी है। थाना अध्यक्ष पंकज कुमार ने कहा, दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। मामले की निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

दरभंगा में विधानसभा चुनाव को लेकर मिथिलावादी पार्टी की बैठक

राष्ट्रीय अध्यक्ष बोले- जनता को अपने अधिकारों के लिए खड़ा होना होगा, हमलोग संघर्ष करेंगे

दरभंगा, एजेंसी। दरभंगा में रविवार को विधानसभा चुनाव को लेकर मिथिलावादी पार्टी की बैठक हुई। इस दौरान बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने और एनडीए सरकार की विफलताओं को जनता तक पहुंचाने के लिए जनसंपर्क अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। कार्यकर्ताओं ने एनडीए को हराने और पार्टी को मजबूत बनाने का संकल्प लिया। साथ ही स्थानीय मुद्दों पर जन आंदोलन तेज किया जाएगा। मीटिंग में राष्ट्रीय अध्यक्ष अविनाश भारद्वाज, प्रदेश अध्यक्ष गोपाल चौधरी, विद्या भूषण राय समेत पार्टी के कई नेता मौजूद रहे। राष्ट्रीय अध्यक्ष अविनाश भारद्वाज ने कहा, मिथिला वर्षों से उपेक्षित रहा है। अब जनता को अपने अधिकारों के लिए खड़ा होना होगा। जब तक नौजवान को गांव में रोजगार और सम्मान नहीं मिलेगा। तब तक कोई सरकार सफल नहीं मानी जाएगी। पार्टी हर गली, पंचायत और विधानसभा में संघर्ष करेगी।

प्रदेश अध्यक्ष गोपाल चौधरी ने कहा, यह समय सजग नेतृत्व का है। मिथिलावादी पार्टी हर वर्ग की आवाज बनेगी। हम जनता से किए हर वादे को निभाएंगे। पलायन केवल आर्थिक नहीं, सांस्कृतिक और सामाजिक त्रासदी है। अब जनता को तय करना होगा कि सम्मानजनक जीवन चाहिए या पलायन की पीड़ा। मीटिंग में राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सागर नवदिया, राष्ट्रीय महासचिव वीरेंद्र कुमार, प्रदेश सचिव रजनीश प्रियदर्शी, आदित्य मंडल, धीरज कुमार झा, गुलफाम रहमानी, शुभाष पासवान, मनीष पांडे, अमन सक्सेना, संजय झा, कन्हैया झा, सुमित माउबहेटिया, अभिषेक यादव, प्रियंका मिश्रा, प्रसून, अर्जुन दास, अभिषेक झा, छोटेलाल पांडेय, प्रियरंजन झा, राघवेंद्र रमण, शिवेंद्र वत्स, कृष्ण मोहन झा, बिमल झा, मुलायम यादव, सुधीर शर्मा, रणधीर यादव, संतोष साहू समेत विधानसभा स्तरीय कमिटी के सदस्य मौजूद रहे।

गया जी में एनकाउंटर, पिता-पुत्र हत्याकांड के मुख्य आरोपी को पुलिस ने मारी गोली

गया जी, एजेंसी। बिहार के गया जी जिले से बड़ी खबर आ रही है। यहां पुलिस और अपराधी के बीच मुठभेड़ हुई है। इस मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने बाप-बेटे की हत्या का मुख्य आरोपी को गोली मारी है। गोली लगने से अपराधी जख्मी हो गया है। बताया जा रहा है कि फतेहपुर में पुलिस एनकाउंटर में पिता-पुत्र हत्याकांड का मुख्य आरोपी घायल हो गया है। मुख्य आरोपी का नाम नीतीश कुमार बताया जा रहा है। नितीश कुमार को पैर में गोली लगी है। घायल हालत में उसे इलाज के लिए मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आपको बता दें कि नीतीश वजीरगंज के दखिनगांव में पिता-पुत्र हत्याकांड का मुख्य आरोपी है। नीतीश भी दखिनगांव का ही रहने वाला है। नीतीश पर पिता-पुत्र की गोली मार हत्या का आरोप है। फतेहपुर थाना क्षेत्र के तेलबीघा गांव के पास रविवार देर रात पुलिस एनकाउंटर में नीतीश को गोली लगी है। दरअसल गया जी जिले के वजीरगंज थाना अंतर्गत दखिनगांव में शनिवार की दोपहर पिता-पुत्र की हत्या मामले में एफआइआर दर्ज कर ली गई थी। एक आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भी भेज दिया है। रविवार को वजीरगंज थाने में डीएसपी सुनिल कुमार पांडेय व थानाध्यक्ष वेंकटेश्वर ओझा ने प्रेसवार्ता कर इसकी जानकारी दी थी। उन्होंने बताया था कि भूमि विवाद में हत्या की गई है। मृतक अशोक सिंह की पुत्री बंटी कुमारी के बयान पर उसके चचेरे भाई नीतीश कुमार और अंकित कुमार, चाचा अखिलेश कुमार उर्फ गुड्डू सिंह, चाची नीतू देवी सहित अन्य अज्ञात के विरूद्ध हत्या का मामला दर्ज किया गया था। इस मामले में वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एसआइटी का गठन कर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित अखिलेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया, वह भी भागने के फिराक में था, जिसे जमुआवां से गिरफ्तार किया गया था। उक्त मामले में मुख्य आरोपित नीतीश कुमार सहीत अन्य अभी भी पुलिस के पकड़ से बाहर थे, जिसकी गिरफ्तारी के लिए संबंधित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही थी। बंटी कुमारी ने बताया था कि भाई कुणाल (मृतक) से नीतीश ने चार लाख रुपये उधार लिए थे, जो वापस मांगने पर वह उसे जान से मारने और मेरे भाई के हिस्से में मिले मकान से बाहर निकालने की धमकी भी देता था।

बंगाल के मवेशी कारोबारी से 3.50 लाख की लूट: पूर्णिया में विरोध करने पर अपराधियों ने मारी गोली

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में सरसी थाना क्षेत्र में पश्चिम बंगाल के मवेशी कारोबारी से 3.50 लाख की लूट हुई है। विरोध करने पर कारोबारी को गोली मार दी। साथ ही 5 लोगों को पिस्टल के वट से मारकर घायल कर दिया। 6 हथियारबंद अपराधियों ने वारदात को अंजाम दिया है। कारोबारी की हालत गंभीर बनी हुई है। कमर में गोली लगी है। घायलों को जीएमसीएच में भर्ती कराया गया है। घटना डिबरी पुल के पास की है। घायल कारोबारी की पहचान मालदा जिला के संबलपुर टाल निवासी सरफुल हक(50) के तौर पर हुई है। अन्य घायल भी इसी गांव के रहने वाले हैं। जिनका नाम मो. खाबिर(46), हसमुद्दीन(50), मो. सदाब(40), अमीरूल(40) के अलावा पिकअप ड्राइवर मो. अनर(43) है।

विरोध करने पर मारा : घायल कारोबारी मो. खाबिर ने बताया कि 5 साथियों के साथ मवेशी खरीदने मालदा से बनमनखी हटिया जा रहा था। इस दौरान डिबरी पुल के समीप लाल रंग की कार ने ओवर टेक करके रोका। गाड़ी से नीचे उतरते ही फिल्मी स्टाइल में घेर लिया। 6 अपराधियों में से 3 के पास हथियार था। हथियार दिखाकर कैश निकालने को कहा। विरोध करने 2 राउंड फायरिंग की। एक गोली सरफुल हक के पेट में लग गई। गोली लगते ही वो जमीन पर गिर पड़ा। मेरे जेब से 70 हजार रुपए निकाल लिया। अन्य साथियों के पास जो भी कैश था, पिस्टल के बट से मारपीट कर सब लूट लिया। कुल 3.50 लाख की लूट हुई है।

हाट में मवेशी खरीदने नेपाल, झारखंड से कारोबारी आते हैं : वहीं, स्थानीय लोगों ने बताया कि सोमवार को बनमनखी में मवेशी हटिया लगता है। यहां बंगाल, नेपाल और झारखंड से व्यापारी मवेशी खरीदने आते हैं। बदमाश हुलिया और गाड़ी देखकर पहले व्यापारियों की रेकी करते हैं। इसके बाद लूटपाट की वारदात को अंजाम देते हैं। अधिकांश बदमाश मधेपुरा के होते हैं, जिनका कनेक्शन लोकल बदमाशों के साथ होता है।

मुजफ्फरपुर जिले में हुई लाखों की इलायची चोरी

कंटेनर ट्रक से ले उड़े चोर

मुजफ्फरपुर , एजेंसी। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में रौतनिया पेट्रोल पंप से 250 मीटर की दूरी पर 10 चक्के वाले कंटेनर ट्रक से 35 बॉक्स छोटी इलाइची चोरी के मामले में करजा और पानापुर पुलिस सीमा विवाद में उलझी है। थानेदारों का कहना है कि घटना उसके थाना क्षेत्र में नहीं है। दो दिन से पश्चिम बंगाल के हावड़ा बेलगछिया रोड निवासी कंटेनर चालक अजीत मिश्रा शिकायत दर्ज कराने के लिए चक्कर काट रहा है।

वह कभी करजा तो कभी पानापुर करियात थाने जा रहा है, जबकि पुलिस ट्रक चालक पर ही शक जता रही है। थाने में चालक की शिकायत नहीं लेने पर उसने ग्रामीण एसपी विद्या सागर से शिकायत की,

इसके बाद भी एफआईआर नहीं ली गई। अजीत मिश्रा का कहना है कि वह अहमदाबाद स्थित एक ट्रांसपोर्ट एजेंसी से 1000 बॉक्स छोटी इलाइची व अन्य सामान कंटेनर में लोड कर नेपाल बॉर्डर के पास जोगबनी स्थित ट्रांसपोर्ट एजेंसी ले जा रहा था। चालक ने बताया कि वह लगातार 12 घंटे तक गाड़ी चलाता था।

लगातार गाड़ी चलने से टायर गर्म हो जाता है। रौतनिया में पेट्रोल पंप से करीब 250 मीटर पहले गाड़ी खड़ी की और टायर चेक किया। टायर गर्म देख गाड़ी वहीं पर खड़ी कर टायर ठंडा होने का इंतजार करने लगा। इस दौरान गाड़ी के अंदर नींद आ गई। शाम करीब पांच बजे नींद खुली तो कंटेनर के पीछे वाले गेट का ताला कटा था और 35 बॉक्स इलाइची गायब थी, जिसका अनुमानित मूल्य पांच लाख रुपये से अधिक है। पानापुर करियात थानेदार ने चालक से पूछा कि आमतौर पर कोई भी चालक पेट्रोल पंप पर गाड़ी रोकेगा। तुम पेट्रोल पंप के बजाय सुनसान पोखर के पास ऐसी जगह गाड़ी खड़ी की, जहां पर पेट्रोल पंप के सीसीटीवी का रेंज खत्म हो जाता है। ट्रक चालक अजीत मिश्रा पुलिस के इस सवाल का जवाब देने में उलझ रहा है। इस वजह से थानेदार का शक गहरा रहा है। थानेदार का मानना है कि कहीं अन्य हुई घटना की शिकायत जानबूझकर उसके थाना इलाके में बताई जा रही है। इसमें चालक व उसके साथ थाना में शिकायत लेकर आए ट्रांसपोर्ट कर्मियों की भूमिका पर ही पुलिस सवाल उठा रही है। इधर, ग्रामीण एसपी विद्या सागर ने बताया कि यह मामला उनके संज्ञान में आया है। सरैया एसडीपीओ कुमार चंदन को जांच कर आगे की कारवाई का निर्देश दिया गया है।

भूटान का सबसे बड़ा सोलर पावर प्रोजेक्ट बनाएगी अनिल की रिलायंस पावर

नईदिल्ली, एजेंसी। अनिल अंबानी के मालिकाना हक वाली कंपनी रिलायंस पावर के शेयर सोमवार को करीब 4 पर्सेंट उछलकर 46.72 रुपये पर पहुंच गए हैं। रिलायंस पावर ने भूटान की ग्रीन डिजिटल प्राइवेट लिमिटेड के साथ लॉन्ग टर्म पावर परचेज एग्रीमेंट के लिए

कमर्शियल टर्म शीट पर दस्तखत किए हैं। ग्रीन डिजिटल प्राइवेट लिमिटेड पर भूटान सरकार की इनवेस्टमेंट इकाई ड्रुक होल्डिंग एंड इनवेस्टमेंट्स लिमिटेड का मालिकाना हक है। रिलायंस पावर, भूटान का सबसे बड़ा सोलर पावर प्रोजेक्ट बनाएगी। रिलायंस पावर के शेयर पिछले पांच साल में 2400 पर्सेंट से अधिक उछल गए हैं।

500 मेगावॉट क्षमता का होगा भूटान में लगने वाला सोलर प्रोजेक्ट- अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर और भूटान सरकार की इनवेस्टमेंट इकाई ड्रुक होल्डिंग एंड इनवेस्टमेंट्स लिमिटेड मिलकर 50 :50 पर्सेंट हिस्सेदारी वाले वेंचर के जरिए भूटान का सबसे बड़ा सोलर पावर प्रोजेक्ट डिवेलप करेंगी। इस सोलर पावर प्रोजेक्ट की इंस्टॉल्ड कैपेसिटी 500 मेगावॉट होगी। इस प्रोजेक्ट में बिल्ड-ओन-ऑपरेट मॉडल के तहत 2000 करोड़ रुपये का कैपिटल आउटले होगा। यह भूटान के सोलर एनर्जी सेक्टर में अब तक का सबसे बड़ा प्राइवेट सेक्टर फॉरेन डायरेक्ट इनवेस्टमेंट होगा।

2400प्रतिशत से ज्यादा उछल गए हैं रिलायंस पावर के शेयर- रिलायंस पावर के शेयर पिछले पांच साल में 2400 पर्सेंट से अधिक चढ़ गए हैं। पावर कंपनी के शेयर 22 मई 2020 को 1.80 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 19 मई 2025 को 46.72 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले चार साल में कंपनी के शेयरों में 550 पर्सेंट से अधिक का उछाल देखने को मिला है। पिछले दो साल में रिलायंस पावर के शेयरों में 310 पर्सेंट से अधिक की तेजी आई है। अगर पिछले एक साल की बात करें तो रिलायंस पावर के शेयरों में 78 पर्सेंट से अधिक का उछाल आया है। पिछले छह महीने में कंपनी के शेयर 30 पर्सेंट चढ़ गए हैं। रिलायंस पावर के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 54.25 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 23.26 रुपये है।

क्यू4 रिजल्ट देखकर गदगद हुए निवेशक

14 प्रतिशत चढ़ा कंपनी का शेयर, मची है लूट

नईदिल्ली, एजेंसी। कंपनियों के तिमाही नतीजों का असर उनके शेयरों पर भी साफ दिख रहा है। डेल्हीवरी लिमिटेड ने तिमाही नतीजों का ऐलान किया है। घाटे से जूझ रही लॉजिस्टिक कंपनी को मार्च क्वार्टर में 72.56 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट हुआ है। इसके पहले के वित्त वर्ष में कंपनी को इसी पीरियड में 68.47 करोड़ रपुये का घाटा हुआ था। बता दें, डेल्हीवरी लिमिटेड के शेयरों में 14 प्रतिशत से अधिक की उछाल देखने को मिली है। बीएसई में आज डेल्हीवरी लिमिटेड के शेयर 336.95 रुपये के लेवल पर खुला था। कंपनी के शेयरों का भाव बीएसई में दिन में 14 प्रतिशत से अधिक की उछाल के बाद 367.90 रुपये के इंट्रा-डे हाई (10.48 बजे सुबह के आंकड़े) पर पहुंच गया।

दिसंबर तिमाही की तुलना में 3 गुना बढ़ा नेट प्रॉफिट- बीते वित्त वर्ष के दिसंबर क्वार्टर में डेल्हीवरी का नेट प्रॉफिट 24.99 करोड़ रुपये रहा था। यानी सिर्फ दिसंबर तिमाही की तुलना में देखें तो नेट प्रॉफिट 3 गुना बढ़ा है। बता दें, मार्च क्वार्टर में कंपनी का ऑपरेशंस से रेवन्यू 2191.57 करोड़ रुपये रहा था। जोकि सालाना आधार पर 5.6 प्रतिशत का इजाफा हुआ है।

बाजार: ऑपरेशन सिंदूर के बाद डिफेंस बना निवेश का नया भरोसा

शेयरों में 17 प्रतिशत की छलांग; निवेशकों की बंपर कमाई

नईदिल्ली, एजेंसी। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय शेयर बाजार में डिफेंस सेक्टर से जुड़े शेयरों में जोरदार तेजी देखने को मिली है। भारत ने पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों को नष्ट करने के लिए जो सैन्य कार्रवाई की, उसमें स्वदेशी हथियार और तकनीक सफल साबित हुए हैं। पिछले एक सप्ताह यानी 12-16 मई के बीच डिफेंस इंडेक्स 17.21 फीसदी उछल गया।इस दौरान सेंसेक्स में सिर्फ 0.64 फीसदी और निफ्टी में 1.73 फीसदी वृद्धि दर्ज हुई। फिलहाल निवेशक डिफेंस स्टॉक्स में जमकर पैसा लगा रहे हैं। उन्हें लग रहा है कि भारत की डिफेंस इंडस्ट्री में विकास की काफी संभावनाएं है। रक्षा क्षेत्र की प्रमुख सरकारी कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लि. (एचएएल) की बाजार पूंजी हाल ही में तीन लाखकरोड़ रुपये के पार पहुंच गई है, जिससे यह कंपनी अब लॉर्जकैप स्टॉक्स की कतार में खड़ी हो गई है।

डिफेंस ईटीएफ भी एक अहम विकल्प

अगर कोई निवेशक रक्षा क्षेत्र में हिस्सा लेना चाहता है लेकिन सीधे किसी कंपनी में निवेश करना नहीं चाहता, तो वह डिफेन्स ईटीएफ के जरिये भी निवेश कर सकता है। इन ईटीएफ में कई प्रमुख डिफेंस कंपनियों के शेयर शामिल होते हैं और ये जोखिम को थोड़ा कम करते हैं।साथ ही, सेक्टर की ग्रोथ का फायदा भी देते हैं।

कुछचुनौतियां भी: केवल सरकारी ऑर्डर पर ही निर्भरता- डिफेन्स क्षेत्र में कुछ चुनौतियां भी हैं। अब भी कई कंपनियां केवल सरकारी ऑर्डरों पर निर्भर हैं। अगर सरकार की तरफ से ऑर्डर में देरी होती है या बजट में कटौती होती है, तो इससे इन कंपनियों की कमाई पर असर पड़ सकता है। रक्षा उत्पादों का निर्यात करना आसान नहीं है, क्योंकि इसमें कई प्रक्रियाएं और अनुमति की जरूरत होती है। इसलिए डिफेंस स्टॉक्स में निवेश सोच-समझकर करें।

सही लक्ष्य पर कंपनियों के तिमाही नतीजे

ऑपरेशन के बाद, रक्षा क्षेत्र की कंपनी भारत डायनामिक्स लि., हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लि., पारस डिफेंस और जेन टेक्नोलॉजीज जैसी कंपनियों के शेयरों में उल्लेखनीय तेजी आई। खासतौर पर हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स और भारत डायनामिक्स ने निवेशकों का जबरदस्त ध्यान आकर्षित किया। हाल में घोषित वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही के नतीजों ने भी डिफेंस सेक्टर को मजबूती दी है। कोचीन शिपयार्ड ने 287 करोड़ का शुद्ध लाभ दर्ज किया, जो पिछले साल की तुलना में 27 फीसदी अधिक है। गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स का मुनाफा दोगुना होकर 224 करोड़ पहुंच गया। एचएएल का मुनाफा थोड़ा कम हुआ, लेकिन पूरे वर्ष के लिए उसने 10 फीसदी की वृद्धि दर्ज की और 2.5 लाख करोड़ से अधिक का ऑर्डर बुक बनाए रखा है।

सरकारी के साथ निजी कंपनियों में मौके

सरकार की नीति भी अब इस दिशा में बढ़ चुकी है कि भारत को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है। पिछले कुछ वर्षों में सरकार ने 400 से ज्यादा रक्षा उपकरणों को ऐसी लिस्ट में डाला है, जिन्हें अब विदेश से आयात नहीं किया जाएगा। इसके अलावा, सरकार ने आईडीईएक्स जैसे प्लेटफॉर्म शुरू किए हैं, जिससे स्टार्टअप्स को नए-नए रक्षा उपकरण बनाने का मौका मिल रहा है। इससे निजी और सरकारी दोनों क्षेत्रों में रक्षा तकनीक पर काम हो रहा है। ये सभी पहल भारत को रक्षा उत्पादन और निर्यात में अगली पंक्ति में लाकर खड़ा कर सकती हैं।

विदेश में भारतीय रक्षा उत्पादों की मांग

हाल के वर्षों में मिस्र, आर्मेनिया, ब्राजील और ओमान जैसे देशों ने रक्षा उत्पाद खरीदने में रुचि दिखाई है। फिलिपीन ने तो पहले ही भारत से ब्रह्मोस मिसाइल की खरीद का करार कर लिया है। इससे यह संकेत मिलता है कि आने वाले समय में भारत न केवल आत्मनिर्भर होगा, बल्कि रक्षा उपकरणों का बड़ा निर्यातक भी बन सकता है।

बाजार मूल्य 1.5 लाख करोड़ से ज्यादा बढ़ा

ऑपरेशन सिंदूर के बाद दो ही दिनों में भारतीय रक्षा कंपनियों के बाजार मूल्य में 1.5 लाख करोड़ रुपये से भी ज्यादा बढ़ गया। इस तेजी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत अब केवल हथियारों का उपभोक्ता नहीं, बल्कि एक बड़ा निर्माता और निर्यातक बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। यह ऑपरेशन भारत के आत्मनिर्भर रक्षा क्षेत्र की सच्ची तस्वीर पेश करता है। ऐसे में डिफेंस सेक्टर के चुनिंदा शेयरों में निवेश का सही मौका है। लक्ष्मीश्री की रिसर्च एनालिस्ट टीम ने लंबी अवधि के लिए भारत डायनामिक्स लि., हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स, बीईएल, गार्डन रीच शिप, और मझगांव डॉक जैसे डिफेंस स्टॉक्स खरीदने की सलाह दी है।

यूपीआई से खरीदारी अब सस्ती होने वाली है, क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल पड़ेगा महंगा

नईदिल्ली, एजेंसी। अगर सरकार की नई योजना लागू होती है, तो यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस से खरीदारी करने पर आपको छूट मिलेगी, जबकि क्रेडिट कार्ड इस्तेमाल करने वालों को ज्यादा पैसे चुकाने होंगे। चर्चाओं से परिचित तीन लोगों ने बताया कि सरकार एक ऐसी योजना पर काम कर रही है, जो अपने लोकप्रिय यूपीआई के लागत लाभों को उपभोक्ताओं तक पहुंचाएगी। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अधिकारी जल्द ही योजना को आगे बढ़ाने के लिए उद्योग के हितधारकों से मिलेंगे, तीन लोगों में से एक ने नाम न छापने की शर्त पर बताया।

किसे कितना होता है नुकसान- क्रेडिट कार्ड से पेमेंट करने पर दुकानदार को 2-3प्रतिशत का फीस देना पड़ता है, जो बैंक या पेमेंट कंपनियों को जाता है। ज्यादातर दुकानदार यह फीस ग्राहक से नहीं लेते, बल्कि खुद ही जेब से भरते हैं। मतलब, अगर आप 100 का सामान क्रेडिट कार्ड से खरीदते हैं, तो दुकानदार को सिर्फ 98 मिलते हैं (2 फीस में कट जाते हैं)। यूपीआई में यह फीस बिल्कुल नहीं लगती। यानी दुकानदार को पूरे 100 मिल जाते हैं।

सरकार की योजना क्या है- सरकार चाहती है कि यूपीआई के फायदे (बिना फीस वाला पेमेंट) सीधे ग्राहकों को मिलें। इसके तहत यूपीआई यूजर को 100 की जगह 98 चुकाने होंगे (2 की छूट), जबकि क्रेडिट कार्ड यूजर को पूरे 100 देने होंगे।

अब क्या होगा- तीसरे अधिकारी ने बताया उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने जल्द ही ई-कॉमर्स कंपनियों बैंकों, एनपीसीआइ (यूपीआई चलाने वाली संस्था), और अन्य संगठनों के साथ बैठक कर इस योजना पर चर्चा करनी है। हो सकता है, जून में यह मीटिंग हो। फिलहाल यह योजना शुरुआती दौर में है।

उम्र के हिसाब से बनाएं म्यूचुअल फंड में निवेश की सही रणनीति

आसान; स्मार्ट और लाभकारी विकल्प

नईदिल्ली, एजेंसी। म्यूचुअल फंड से बेहतर रिटर्न पाने के लिए जरूरी है कि उम्र के हिसाब से सही निवेश रणनीति बनाई जाए। उम्र बढ़ने के साथम्यूचुअल फंड में निवेश के तरीके आपके बदलते जीवन चरणों और लक्ष्यों के साथ तालमेल बिठाने के लिए अनुकूल होने चाहिए।

उम्र 30 साल के आसपास हो तो

आपकी उम्र 30 साल के आसपास है, तो यह स्पष्ट लक्ष्यों के साथ निवेश शुरू करने का समय है। समय के साथ जल्द निवेश शुरू करने से आपको अपनी संपत्ति बढ़ाने के लिए चक्रवृद्धि का लाभ मिलता है। दीर्घकालिक लक्ष्यों के लिए इक्विटी फंड पर ध्यान दें। जोखिम क्षमता के आधार पर एसआईपी के जरिये करीब 70 फीसदी राशि लार्जकैप, फ्लेक्सी कैप या मिडकैप फंड में निवेश कर सकते हैं। अल्पकालिक लक्ष्यों के लिहाज से संतुलित पोर्टफोलियो के लिएडेट फंड में 20-30 फीसदी तक निवेश करें। एक से तीन साल के भीतर के लक्ष्यों के लिए शॉर्ट-ड्यूरेशन डेट फंड का इस्तेमाल करें। 3-5 साल के लक्ष्यों के लिए हाइब्रिड फंड का उपयोग करें।

40 के दशक में हों तो- 40 साल की उम्र के करीब वित्तीय प्राथमिकताएं बदलने लगती हैं। पारिवारिक जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं। जोखिम लेने की क्षमता कम हो जाती है। ऐसे में अपने जोखिम को कम करते हुए इक्विटी निवेश को 60 फीसदी तक सीमित करें। शेष राशि को हाइब्रिड फंड में लगाएं, जो इक्विटी और डेट दोनों में निवेश करता है। सेक्टोरल या स्मॉल मिडकैप फंड जैसे उच्च जोखिम वाले निवेश विकल्पों से बाहर निकलने पर

विचार करें। अधिक डायवर्सिफाइड इक्विटी फंड जोड़ें, जिसमें ईएलएसएस जैसे विकल्प शामिल हों, जिसमें रिटर्न बनाने के साथ टैक्स बचत का भी लाभ मिलता है।

50 के करीब होने पर

50 के दशक में लोग सेवानिवृत्ति के बारे में विचार करने लगते हैं। ऐसे में म्यूचुअल फंड में निवेश की रणनीति फंड की सुरक्षा और कम जोखिम वाली वृद्धि सुनिश्चित करने वाली होनी चाहिए।

अपने फंड का 40-50 फीसदी हिस्सा ही इक्विटी में लगाएं। जब तक बाजार के उतार-चढ़ाव से सहज न हों, तब तक सेक्टोरल, मिडकैप या स्मॉलकैप फंड में निवेश से बचें। सरकारी प्रतिभूतियों में भी निवेश कर सकते हैं।

आप जब 60 के करीब हों

अगर आपकी उम्र 60 साल के करीब हो, तो पूंजी बढ़ाने की जगह उसकी सुरक्षा और नियमित आय कमाने पर होना चाहिए। लार्जकैप या बैलेंस्ड एडवांटेज फंड के जरिये इक्विटी में निवेश को 10-20 फीसदी तक सीमित रखें। महंगाई का भी ध्यान रखें। अपने फंड का 70-80 फीसदी हिस्सा डेट फंड में लगाएं। लिक्विड, शॉर्ट-ड्यूरेशन या गिल्ट फंड जैसे कम जोखिम वाले विकल्प चुनें, जो एफडी से बेहतर रिटर्न देते हैं। डेट या हाइब्रिड फंड से सिस्टमैटिक विड्रॉल प्लान (एसडब्ल्यूपी) पर विचार करें।

अडानी ने की डिफेंस की बड़ी डील, नौसेना के लिए होगा काम

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत-पाकिस्तान में तनाव के बीच गौतम अडानी समूह ने बड़ी डील की है। समूह की लीडिंग कंपनी-अडानी एंटरप्राइजेज ने अमेरिका की समुद्र के अंदर के युद्ध उपकरण बनाने वाली स्पार्टन के साथ समझौता किया है। यह समझौता इलेक्ट्रॉनिक सेंसर और नेविगेशन सिस्टम विकसित करने के लिए हुआ है। इनका इस्तेमाल पनडुब्बी रोधी युद्ध के लिए किया जा सकता है।

क्या कहा कंपनी ने- अडानी एंटरप्राइजेज की कंपनी- अडानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने एक बयान में कहा कि उसने भारतीय नौसेना के लिए पनडुब्बी रोधी युद्ध (एएसडब्ल्यू) समाधान जुटाने के लिए स्पार्टन (डीलियोन स्प्रिंग्स एलएलसी) के साथ एक बाध्यकारी सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी का उद्देश्य आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत भारत में सोनोबॉय और अन्य एएसडब्ल्यू प्रणालियों के संयोजन को स्थानीय बनाना है। यह भारतीय नौसेना को स्वदेशी सोनोबॉय सॉल्यूशन प्रोवाइड करने वाली भारत की पहली निजी कंपनी होगी।

स्पार्टन के बारे में- फ्लोरिडा के डे लियोन स्प्रिंग्स में मुख्यालय वाली स्पार्टन अमेरिकी नौसेना और संबद्ध सैन्य बलों के लिए समुद्री युद्ध का समर्थन करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम विकसित, उत्पादन और आपूर्ति करती है। दिसंबर, 2020 में इस कंपनी को इजरायली रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी एल्बिट सिस्टम्स लिमिटेड ने अधिग्रहित कर लिया था।

इजरायल की कंपनी के साथ समझौता

मौजूदा समझौते से पहले, अडानी समूह ने 2018 में इजरायली हथियार कंपनी एल्बिट सिस्टम्स के साथ घातक हर्मीस 900 ड्रोन बनाने के लिए एक ज्वाइंट वेंचर की स्थापना की थी। साल 2020 में अडानी-एलबिट ने मिनी ड्रोन मिसाइल हथियार उत्पादन की घोषणा की। समूह ने हमलावर हथियार, स्नाइपर राइफल और मशीन गन बनाने के लिए इजराइल वेपन इंडस्ट्रीज के साथ भी साझेदारी की है।

8वें वेतन आयोग से कर्मचारियों की सैलरी कितनी बढ़ेगी

नईदिल्ली, एजेंसी। आठवें वेतन आयोग के गठन को लेकर सरकार जल्द ऐलान कर सकती है। इसको लेकर प्रक्रिया चल रही है। बताया जा रहा है कि आयोग के गठन के लिए संदर्भ शर्तें और कार्यादेश (टर्म ऑफ रेफरेंस) तैयार करने की प्रक्रिया चल रही है। बताया जा रहा है कि इस बार वेतमान में बढ़ोतरी काफी हद तक फिटमेंट फैक्टर पर निर्भर करेगी, जो 1.90 से 1.95 के बीच रह सकता है। ऐसे में माना जा रहा है कि कर्मियों के वेतन में अच्छी बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। गौरतलब है कि इस साल जनवरी में सरकार ने आयोग के गठन का ऐलान किया था। इसके अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति की प्रक्रिया चल रही है। इसके बाद से फिटमेंट फैक्टर (वेतनमान निर्धारण का आधार) को लेकर तमाम तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। कुछ कर्मचारी संगठन और अधिकारी मान कर चल रहे हैं कि इस बार यह 2.86 का होगा। इसके पीछे तर्क दिया जा रहा है कि सरकार बढ़ती हुई महंगाई को ध्यान में रखकर फिटमेंट फैक्टर में भी संशोधन करेगी।

कैसे काम करता है फिटमेंट फैक्टर- दरअसल, फिटमेंट फैक्टर के आधार पर ही मूल वेतन में बढ़ोतरी होती है। उदाहरण के लिए अगर किसी कर्मचारी का मूल वेतन (बेसिक सैलरी) 20 हजार रुपये हैं तो उसे फिटमेंट फैक्टर 2.86 से गुना किया जाएगा। इसके आधार पर मूल वेतन बढ़कर 57,200 रुपये हो सकता है, लेकिन सूत्र बताते हैं कि फिटमेंट फैक्टर 2.0 से नीचे ही रहेगा। सरकार 1.90 से लेकर 1.95 का फिटमेंट फैक्टर लगा सकती है। सूत्र यह भी बताते हैं कि सरकार इस बार फिटमेंट को कम रखकर महंगाई भत्ते को समायोजित करने के लिए अलग से कोई फॉर्मूला ला सकती है।

पिछले वेतन आयोग में कितनी बढ़ोतरी- वर्ष 2006 में आए छठे वेतन आयोग में फिटमेंट फैक्टर 1.86 रखा गया था। वर्ष 2016 में आए सातवें वेतन आयोग में फिटमेंट फैक्टर 2.57 प्रतिशत रहा था, लेकिन वेतनमान में वास्तविक बढ़ोतरी केवल 14.2 फीसदी हुई था। क्योंकि, 7वें वेतन आयोग के फिटमेंट का अधिकांश हिस्सा केवल महंगाई भत्ते को समायोजित करने में चला गया था।

लागू होने में लग सकता है समय

केंद्र सरकार ने जनवरी में आठवें वेतन आयोग के गठन का ऐलान किया है, लेकिन अभी तक गठन नहीं हो पाया है। ऐसे में संभव है कि वर्ष 2027 तक जाकर आठवें वेतन आयोग की सिफारिशें लागू हों। क्योंकि पुराना रिकॉर्ड बताता है कि आयोग का गठन होने के बाद अंतिम रिपोर्ट आने में 18 से 26 महीने तक का समय लग जाता है। छठे वेतन आयोग की रिपोर्ट करीब 18 महीने में आई थी। वहीं, सातवें वेतन आयोग के गठन को 24 सितंबर 2013 को मंजूरी दी गई, जबकि रिपोर्ट 19 नवंबर 2015 को आई थी। ऐसे में आठवें वेतन आयोग के गठन में देरी से साफ संकेत हैं कि रिपोर्ट आने में समय लग सकता है।

लेटर ऑफ रेफरेंस क्या है- यह एक तरह का अनुशंसा पत्र है, जिसके जरिए किसी भी विषय से जुड़ा संदर्भ और शर्तें तय किया जाती है। वेतन आयोग के गठन को लेकर भी अनुशंसा पत्र जारी होगा।

12_16.12..2018 PAGE-04.qxd 19-05-2025 22:05 Page 1

युवक की चाकू मारकर हत्या

- घर में घुसकर दिया घटना को अंजाम
- गुस्साये लोगों ने किया सड़क जाम
- स्थानीय लोगों में दहशत व्याप्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड की राजधानी रांची एक बार फिर दिल दहला देने वाली घटना से दहल उठी। कांके थाना क्षेत्र के डैम साइड इलाके में सोमवार को एक मुंडन समारोह के दौरान कुछ अज्ञात अपराधी एक घर में घुस आए और रमेश उरांव नामक युवक पर ताबड़तोड़ चाकू से हमला कर दिया। रमेश की उम्र लगभग 35 वर्ष बताई जा रही है। गंभीर रूप से घायल रमेश को परिजनों ने आनन-फानन में रिम्स अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक रमेश उरांव जमीन के कारोबार से जुड़ा हुआ था। फिलहाल हत्या के कारणों का स्पष्ट खुलासा नहीं हो सका है, लेकिन पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

दिनदहाड़े हुई इस हत्या की खबर जैसे ही इलाके में फैली, लोगों में आक्रोश फैल गया।

बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए और कांके रोड को जाम कर दिया। स्थानीय लोगों ने अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की। जाम की सूचना मिलने पर गोंदा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझा-बुझाकर शांत कराया। पुलिस अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही अपराधियों को गिरफ्तार कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों के आश्वासन के बाद लोगों ने सड़क से जाम हटाया।

गोंदा थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस टीम घटनास्थल से साक्ष्य जुटा रही है। सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और मृतक के पारिवारिक तथा कारोबारी संबंधों की भी जांच की जा रही है। पुलिस इस हत्याकांड के पीछे रंजिश, जमीन विवाद या किसी अन्य कारण की संभावना को लेकर जांच कर रही है।

दिनदहाड़े घर में घुसकर हुई इस हत्या से स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है। लोगों का कहना है कि जब दिन के उजाले में कोई अपने घर में भी सुरक्षित नहीं है, तो यह कानून व्यवस्था पर बड़ा सवाल है। लोगों ने प्रशासन से इलाके में गश्त बढ़ाने और सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

पुलिस को समझाने और आश्वासन के बाद इलाके में स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है। एहतियातन पुलिस बल तैनात किया गया है ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना से बचा जा सके।

धीरज प्रसाद के चयन पर प्रसन्नता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

लोहरदगा। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व राज्यसभा सदस्य धीरज प्रसाद साहू ने झारखंड राज्य क्रिकेट एसोसिएशन (जेएससीए) के चुनाव में अध्यक्ष पद पर अजय नाथ शाहदेव की प्रचंड जीत पर प्रसन्नता व्यक्त की है।

धीरज प्रसाद साहू ने कहा कि अजय नाथ शाहदेव के जेएससीए अध्यक्ष पद पर निर्वाचित होने के बाद झारखंड में क्रिकेट का निरंतर विकास होगा।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि रांची में अब और भी अधिक टेस्ट क्रिकेट और एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच का आयोजन किया जा सकेगा। साथ ही लोहरदगा में भी क्रिकेट की बेहतर आधारभूत संरचना तैयार होगी।

धीरज प्रसाद साहू ने कहा कि अजय नाथ शाहदेव की टीम कुशल, अनुभवी एवं पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों से सुसज्जित है। ऐसे में इस बात का पूरा भरोसा है कि झारखंड में क्रिकेट अब नए मुकाम पर स्थापित हो सकेगा।

झारखंड प्रदेश में क्रिकेट का विकास होगा, साथ ही अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर रांची और झारखंड को और भी महत्वपूर्ण पहचान मिलेगी।

मंत्री ने किया रक्तदान शिविर का उद्घाटन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर। राहत कॉलेज ऑफ एजुकेशन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने दीप प्रज्वलित कर किया।

रक्तदान शिविर में सर्वप्रथम कॉलेज के सचिव डॉ. इमरान अंसारी ने रक्तदान किया। इसके बाद कॉलेज में अध्ययनरत छात्र छात्राओं ने रक्तदान किया।

इस मौके पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि जल्द ही अनुमंडलीय अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति की जाएगी, ताकि यहां के गरीब गुरुवा, आम जनों को स्वास्थ्य सुविधा बेहतर ढंग से मिल सके। उन्होंने कहा कि पुराने रेफरल अस्पताल की बिल्डिंग को डिमोलिश कर नया अत्याधुनिक अस्पताल बनाया जाएगा। ताकि एक ही छत के नीचे सारी स्वास्थ्य सुविधा लोगों को मिल सके।

नियमित रक्तदान करने वाले व्यक्ति खुद को कई तरह की गंभीर बीमारियों से बचा पाते हैं। रक्तदान करने के बाद भी रक्तदाता बिल्कुल पहले की तरह ही कामकाज कर सकता है। इससे शरीर में किसी भी तरह की कमी या कमजोरी नहीं होती है। जागरूकता नहीं होने के कारण बहुत से लोगों के मन में रक्तदान को लेकर दुविधा रहती है, इसीलिए लोग रक्तदान से कतराते हैं।

जबकि सच्चाई यह है कि रक्तदान कर जरूरतमंद की जान बचाई जा सकती है और खुद को ऊर्जावान, स्वस्थ एवं तंदुरुस्त बनाया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि स्वस्थ मनुष्य को हर वर्ष दो बार रक्तदान जरूर करना चाहिए। यह जीवनदायी और मानवता का परिचायक है। रक्त के अभाव में कई जिंदगियां काल के गाल में समा जाती हैं। लिहाजा जरूरतमंदों को रक्त मुहैया कराने हेतु रक्तदान जरूर करना चाहिए। रक्तदान से हार्ट अटैक की संभावनाएं कम हो जाती है। क्योंकि रक्त का थक्का नहीं जमता है। रक्तदान से शरीर में ऊर्जा का संचार होता है। रक्तदान के बाद नए ब्लड सेल बनते हैं, इससे लिवर से जुड़ी समस्याओं में भी राहत मिलती है।

इरफान अंसारी ने कहा कि दो रक्तदान के बीच न्यूनतम समय का अंतर कम से कम तीन महीना होना चाहिए। रक्तदान करने वालों की आयु 18 से 65 साल के बीच में होना चाहिए और वजन 45 किलो से अधिक होना जरूरी है। हीमोग्लोबिन की मात्रा 12.5 मिलीग्राम से अधिक होनी चाहिए। रक्तदान करने से बोन मैरो काफी तेजी से नए रेड सेल बनाता है जिससे हड्डी भी मजबूत होती है।

इस मौके पर अनुमंडल अस्पताल उपाधीक्षक डॉ. मो. शाहिद, डॉ. अभिषेक, कांग्रेस प्रदेश सचिव फैयाज कैशर, मुखिया सुधीर यादव, मो. इरशाद, मो. शाहिद उर्फ फेकू, विश्वनाथ बक्शी, पूर्णिमा कुमारी, मनजीत कुमार, प्रदीप हेंब्रम मौजूद थे।

महिलाओं ने थामा झामुमो का दामन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) में अन्य दलों से कार्यकर्ताओं के शामिल होने का क्रम तेज हो चला है। इस सिलसिले में सोमवार को भाजपा की कार्यसमिति सदस्य अंकिता वर्मा के नेतृत्व में महिलाओं ने झामुमो की सदस्यता ग्रहण की। पार्टी कार्यालय में झामुमो महासचिव सह प्रवक्ता विनोद पांडेय ने सबको दल की सदस्यता ग्रहण कराई। उन्होंने बताया कि झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक संरक्षक शिबू सोरेन के मार्गदर्शन और पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व के प्रति आस्था व्यक्त करते हुए भाजपा की कार्यसमिति सदस्य अंकिता वर्मा के नेतृत्व मे रांची की सैकड़ों महिलाओं ने झामुमो की सदस्यता ली।

विनोद पांडेय ने सभी का पार्टी मे स्वागत किया और दल की नीति-सिद्धांतों से अवगत कराकर संगठन को मजबूत करते हुए राज्य के विकास मे अपना महत्वपूर्ण योगदान देने का संकल्प दिलाया।सदस्यता लेने वालों में मुख्य रूप से रानी देवी, सरिता देवी, मधु देवी, सुधा देवी, अनीता देवी, बबीता देवी, लक्ष्मी देवी, आरती देवी, संगीता देवी, सुनीता देवी, गुड़िया देवी सहित अन्य शामिल थे।इस अवसर पर मुख्य रूप से रांची जिला संयोजक प्रमुख मुस्ताक आलम, केंद्रीय सदस्य सह संयोजक मंडली सदस्य अश्विनी शर्मा, संयोजक मंडली सदस्य डॉ. हेमलाल मेहता, नयनतारा उरांव, संध्या गुड़िया, प्रदीप मिर्धा आदि उपस्थित थे। दूसरी ओर, पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के बयान पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के महासचिव विनोद पांडेय ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि भाजपा को राज्य की जनता के मुद्दों से कोई सरोकार नहीं है। बांग्लादेशी घुसपैठ के नाम पर झारखंड के आदिवासियों और मूलवासियों को बांटने का प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के स्पेशल टास्क फोर्स के गठन का असली मकसद आदिवासी समाज को डराने और कमजोर करने का षड्यंत्र है। भाजपा आदिवासियों के नाम पर राजनीति कर रही है, लेकिन सत्ता में रहते हुए कभी सरना धर्म कोड को मान्यता नहीं दी।

महिला सुरक्षा के मुद्दे पर भाजपा को झारखंड सरकार को घेरने का कोई अधिकार नहीं है। अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा पूरी तरह केंद्र सरकार का विषय है। अगर घुसपैठ हुआ है तो इसके लिए केंद्र सरकार को जिम्मेदारी लेनी चाहिए और अपनी गलती को सुधारने के लिए कदम बढ़ाना चाहिए।

भाजपा हमेशा धार्मिक ध्रुवीकरण कर सत्ता हासिल करने की कोशिश करती रही है। भाजपा को चाहिए कि वह आदिवासियों के मुद्दों पर राजनीति करने के बजाय उनके अधिकारों की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाए।

अमृत स्टेशन बना शंकरपुर हाल्ट

देवघर। दिल्ली-हावड़ा रेलखंड पर जसीडीह-मधुपुर के बीच शंकरपुर हॉल्ट रेलवे स्टेशन है। जिसका आधुनिकीकरण कर अमृत भारत स्टेशन के रूप में विकसित किया गया है। प्रधानमंत्री 22 को इसका ऑनलाइन उद्घाटन करेंगे। इसके साथ ही देश के 103 अमृत भारत रेलवे स्टेशन का प्रधानमंत्री उद्घाटन करेंगे।

हावड़ा-दिल्ली रेलखंड पर देवघर जिला की सीमा पर शंकरपुर हॉल्ट स्टेशन है। स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन की योजना के तहत विकसित किया गया है।

बताया जाता है कि इस पर तकरीबन 15 करोड़ रुपया खर्च किया जाना है। शंकरपुर स्टेशन को विकसित करने में एम्स बड़ा कारण है। डॉक्टर और उनके परिजन, मरीज और उनके परिजन को आने जाने में सुविधा होगी।

हावड़ा-दिल्ली रेलखंड पर देवघर जिला की सीमा में शंकरपुर स्टेशन है। यहां दो-चार लोकल ट्रेन रुकती है। जल्द ही एक्सप्रेस ट्रेन रुकने लगेगी। वह भी पटना, दिल्ली, हावड़ा, कानपुर समेत बड़े शहर को जोड़ने वाली ट्रेन होगी।

अब एक जुलाई से निजी दुकानों में मिलेगी शराब

री-पैकेजिंग और फर्जीवाड़ा को ले खुफिया एजेंसियां होंगी सक्रिय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। राज्य में एक जुलाई से निजी दुकानदारों के माध्यम से शराब की खुदरा बिक्री शुरू हो जाएगी। नई उत्पाद नीति को कैबिनेट की मंजूरी मिलते ही इससे संबंधित गतिविधियां तेज है। इसी बीच पूर्व की गलतियों से सीख लेते हुए राज्य सरकार प्रभावी तरीके से नई उत्पाद नीति को लागू करने की तैयारी में है।

विभागीय अधिकारी योगेंद्र प्रसाद ने भी हाल ही में अधिकारियों के साथ बैठक कर इससे संबंधित दिशा-निर्देश दिया था। बैठक का निष्कर्ष यही था कि सरकार की सख्त निगरानी में ही निजी दुकानदार राज्य में शराब की खुदरा बिक्री कर सकेंगे।

नई उत्पाद नीति में ट्रैक एंड ट्रेस सिस्टम को और प्रभावी बनाने व उत्पाद रसायन प्रयोगशाला को सशक्त बनाने पर जोर है। इससे यह होगा कि उत्पाद विभाग के स्कैनर हर वक्त ट्रैकिंग करते रहेंगे कि बाजार में नकली या अवैध शराब की खपत तो नहीं हो रही है।

वहीं, उत्पाद रसायन प्रयोगशाला में आए दिन शराब के नमूनों की जांच होगी, ताकि उसकी गुणवत्ता को परखा जा सके। उत्पाद मंत्री ने रांची के उत्पाद भवन स्थित उत्पाद रसायन प्रयोगशाला का निरीक्षण भी किया था और वहां के विशेषज्ञों से इस दिशा में बात भी की थी।

राज्य में सबसे ज्यादा पंजाब, हरियाणा, मध्य प्रदेश से अवैध शराब की सप्लाई होती रही है। इसके विरुद्ध उत्पाद विभाग व जिला पुलिस की टीम ने पूर्व में बड़ी कार्रवाई की है। यहां से आने वाली शराब को राज्य की अवैध फैक्ट्रियों में री-पैकेजिंग कर फर्जीवाड़ा कर झारखंड में खपाया जाता रहा है।

एक दिन पहले ही पलामू पुलिस ने करीब 5400 लीटर अवैध शराब बरामद की थी। शराब की कीमत करोड़ में बताई जा रही है। ये शराब रेडिमेड कपड़ा लदे ट्रक में छुपाकर पंजाब से लाई जा रही थी। पलामू में इससे पहले भी शराब की खेप व उससे जुड़े माफिया पकड़े जा चुके हैं।

पलामू पंजाब-हरियाणा से अवैध शराब का बिहार रूट भी रहा है, जिसका कई बार खुलासा हो चुका है। इस जिले से अवैध शराब की सप्लाई रोकने के लिए उत्पाद विभाग व पुलिस की खुफिया एजेंसियां और सक्रिय होगी, ताकि गुणवत्ता बरकरार रहे और राजस्व का भी नुकसान न हो। अनियमितता बरतने वाले दुकानदारों पर भी सीधी कार्रवाई हो सकेगी।

डीडीसी ने की आवास योजनाओं के कार्यों की समीक्षा

दिया कार्यों में तेजी लाने का निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद आज बैठक कर आवास योजनाओं की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की। समाहरणालय के ब्लॉक सी स्थित सभागार में आयोजित बैठक में उप विकास आयुक्त ने सभी तरह की आवास योजनाओं के निर्माण कार्य में तेजी लाकर पूर्ण कराने का निदेश दिया दिया। उन्होंने

राज्य स्तर से नीचे वाले पंचायत सचिव को एक सप्ताह में प्रगति लाने का निदेश दिया। उन्होंने कहा कि कार्य प्रगति नहीं होने पर वेतन स्थगित करने की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने प्रखण्ड कर्मी से टू डायरी जिला को समर्पित करने का निदेश दिया, ताकि जिला से अप्रूवल के पश्चात वेतन भुगतान किया जा सके। उप विकास आयुक्त ने सभी बीपीओ, ब्लॉक कोऑर्डिनेटर को बायोमैट्रिक उपस्थिति की विवरणी जिला को भेजने एवं अप्रूवल के पश्चात ही वेतन भुगतान करने का निदेश दिया।

बैठक में डीआरडीए निदेशक रतन सिंह, जिला प्रशिक्षण समन्वयक अभय कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रखंड समन्वयक, पंचायत सचिव आदि उपस्थित थे।

नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी का मामला दर्ज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। बरियातू थाना में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने का आरोप लगाते हुए मुन्ना यादव ने केस किया है।

मुन्ना यादव ने पुलिस को बताया कि वह बरियातू हाउसिंग मार्ग में रहता है। वह ड्राइवर है। मुन्ना के दोनों बेटो कैब चलाते हैं। मुन्ना का कहना है कि बेटा संदीप कुमार की जान पहचान उषा बाखला से हुई थी।

उषा बाखला कैब बुक करती थी, तभी उसकी पहचान संदीप से हुई थी। उषा खुद को रिम्स की डॉक्टर बताई थी। बातचीत के क्रम में उषा ने संदीप से कहा कि दोनों भाई की नौकरी वह लगा देगी।

उषा ने संदीप के पिता से बातचीत कर कहा कि रिम्स में चालक के पद पर दोनों बेटे की बहाली हो जाएगी। इसके बदले तीस लाख रुपये लगेगा। इतनी बड़ी रकम देने के लिए संदीप के पिता ने उषा से समय मांगा।

मुन्ना ने जमीन बेचकर उषा को छह लाख रुपये दिया। इसके बाद मुन्ना के बड़े बेटे प्रदीप कुमार के एसबीआई खाता से दो लाख रुपये दिया गया। उषा ने कहा कि अब वह नकद में पैसा लेगी। खाता में लेने से वह टैक्स के चक्कर में फंस जाएगी।

इसके बाद उषा को 12 लाख रुपये दिया गया। पैसा देने के बाद उषा से नौकरी के बारे में पूछा गया तो उसने कहा कि सरकारी काम में समय लगता है। नियुक्ति की प्रक्रिया चल रही है। आगे का पैसा तैयार रखने के लिए कहा।

कुछ दिनों के बाद उषा के द्वारा गाड़ी बुक कराना बंद हो गया। मुन्ना ने रिम्स में जाकर जानकारी ली तो पता चला कि उषा नाम से रिम्स में कोई डॉक्टर नहीं है।

मुन्ना को पता चला कि उषा धुर्वा इलाके में रहती है। मुन्ना उषा के पास गया तो उषा ने कहा कि नौकरी लग जाएगी। इसके बदले उषा ने तीन चेक दिए।

कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने आइसीएआर कैंपस का किया निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। रांची के गढ़खटंगा स्थित आइसीएआर कैंपस का कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने निरीक्षण किया। इस मौके पर उन्होंने बायोमास गैसीफायर सह बायोचर उत्पादन इकाई का उद्घाटन भी किया।

संस्थान के द्वारा ज्ञान और विज्ञान के साझा प्रयास से उन्नत कृषि के क्षेत्र में किए जा रहे बेहतर काम की उन्होंने सराहना की। आइसीएआर के द्वारा कृषि के क्षेत्र में कई तरह के नये प्रयोग किए जा रहे है।

जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए फसल के चयन और उसके पैदावार को बढ़ाने की दिशा में संस्थान के द्वारा किए जा रहे कार्य की जानकारी मंत्री को दी गई।

कैंपस में अनुसूचित जनजाति परियोजना एवं राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत प्रक्षेत्र दिवस सह कृषि इनपुट वितरण का आयोजन किया गया। जिसमें करीब 300 किसानों के बीच कृषि सामग्री का वितरण किया गया।

इस मौके पर कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि आज का दौर ज्ञान और विज्ञान से जुड़ कर कृषि के क्षेत्र में कदम बढ़ाने का है।

आइसीएआर संस्थान किसानों को प्रशिक्षण देने के साथ- साथ उन्हें विकसित करने की दिशा में बेहतर काम कर रहा है। संस्थान के विकास के लिए राज्य सरकार ने 124 एकड़ भूमि मुहैया कराई है। इससे पहले बीएयू संस्थान को भी 700 एकड़ भूमि उपलब्ध कराई जा चुकी है। आदिवासी- मूलवासी के पास जमीन ही सबसे बड़ी पूंजी है। समय पर संस्थानों के विस्तार और विकास के लिए उन्होंने जमीन दिया। राज्य के लोग और राज्य का विकास ही संस्थान का उद्देश्य होना चाहिए।

राज्य सरकार भी किसानों के जीवन को बेहतर करने का काम कर रही है। लाह के उत्पादन में कई किसान बेहतर काम कर रहे है। सहकारिता विभाग के पांच एपेक्स सोसाइटी किसानों के उत्पाद को सही बाजार उपलब्ध कराने में जुटी है।

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि चाहे वो संस्थान के प्रयास हो या विभाग की योजनाएं, किसानों को इसके लिए खुद को जागरूक करना होगा। किसान खुद को सशक्त बना कर गांव और पंचायत को सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभा सकते है।

दक्षिण पूर्व रेलवे – निविदा

निविदा सूचना सं. एसएनटी_ई_निविदा _एडीए _25_26_02, भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए, वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, **दक्षिण पूर्व रेलवे, आद्रा, पिन-723121, पश्चिम बंगाल द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए निम्नलिखित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: कार्य का नाम : निम्नलिखित के सिलसिले में सिग्नलिंग और टेलीकम इनडोर और आउटडोर कार्य (i) रामकनाली (आरकेआई) स्टेशन पर मौजूदा पैनल प्रणाली में संशोधन के साथ अप यार्ड में लाइन नंबर - 4, 5 और 6 का विस्तार (परियोजना आईडी: 12.01.16.24.3.50.004) और (ii) रामकनाली जं. यार्ड में बेरो सिरे की ओर पॉइंट नं. 26ए और 26 बी का क्रॉस ओवर स्थानांतरण और पीएसआर को हटाना । (परियोजना आईडी: 12.01.31.24.3.50.005)। निविदा मूल्य: रु. 1,25,24,879.10, निविदा की अंतिम तिथि और समय दिनांक 30.05.2025 को 11.00 बजे है। विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।** (PR-174)

अब रेल यात्रियों को नहीं मिलेगी अपग्रेडेशन की सुविधा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमशेदपुर। ट्रेनों के स्लीपर श्रेणी में सफर करने वाले यात्रियों को अपग्रेडेशन के तहत फर्स्ट एसी में यात्रा करने की सुविधा नहीं मिलेगी। रेल मंत्रालय ने आदेश जारी करते हुए अपग्रेडेशन नीति में संशोधन करते हुए सुविधाओं में कटौती की है।

रेलवे बोर्ड के निदेशक (पैसेंजर मार्केटिंग-2) द्वारा जारी आदेश के तहत किसी भी ट्रेन में उपलब्ध सीटों के अधिकतम उपयोग के उद्देश्य से रेल प्रशासन वेटिंग सूची के यात्रियों को अपग्रेडेशन सुविधा का लाभ देती थी। 2006 से शुरू इस योजना के तहत उपलब्ध रिक्त स्थान के बदले में पूरा किराया देने वाले यात्रियों को उच्च श्रेणी में अपग्रेडेशन की सुविधा देती थी, लेकिन अब इस नीति में परिवर्तन किया गया है।

नए नियम के तहत अब स्लीपर के वेटिंग टिकट वाले यात्रियों का अपग्रेड पहले विकल्प के रूप में थर्ड एसी इकोनॉमी या थर्ड एसी में होगा। यहां सीट उपलब्ध नहीं होने पर उन्हें संबंधित यात्री के टिकट को दूसरे विकल्प के रूप में सेकेंड एसी में अपग्रेड किया जाएगा।

वहीं, सेकेंड एसी के यात्री का ही अपग्रेडेशन फर्स्ट श्रेणी में हो पाएगा। इसी तरह, सेकेंड सीटिंग के यात्री की टिकट को अब केवल एसी चेयरकार में अपग्रेडेशन मिलेगा, जबकि चेयरकार के यात्री को एक्जीक्यूटिव चेयरकार व विस्टाडोम कोच में और विस्टाडोप कोच के यात्रियों को एक्जीक्यूटिव अनुभूति श्रेणी में ही अपग्रेड किया जाएगा।

नई व्यवस्था क्रिस में अपलोड होने के बाद यह व्यवस्था पूरे देश में प्रभावी होगी। नई व्यवस्था राजधानी, दुरंतो सहित सभी तरह के ट्रेनों में प्रभावी होगी।

किसी यात्रा के लिए ट्रेन में टिकट बुक कराते समय संबधित यात्री को आवेदन फार्म में अपग्रेडेशन का विकल्प चुनना होगा, तभी उन्हें अपग्रेडेशन की सुविधा मिलेगी। आइआरसीटीसी से ऑनलाइन टिकट बुक कराते समय यात्रियों को ऑटोमेटिक अपग्रेडेशन की सुविधा मिलती है।

रेल मंत्रालय द्वारा जारी आदेश के तहत वैसे वरिष्ठ नागरिक, जिन्होंने निचले बर्थ कोर्ट के तहत बुकिंग कराई है, ऐसे यात्री यदि अपग्रेडेशन का विकल्प चुनते हैं तो उन्हें रेलवे की ओर से एक मैसेज भेजा जाए कि आपका टिकट अपग्रेडेशन के तहत निचली सीट मिल सकती है या नहीं।

इसके लिए क्रिस सॉफ्टवेयर में आवश्यक अपडेट करने का आदेश दिया गया है। वहीं, रेल मंत्रालय ने आदेश दिया है कि सभी रिक्त सीटों को बिना किसी रोक के अपग्रेडेशन का लाभ दिया जाए।

साथ ही आदेश में स्पष्ट कहा गया है कि यदि भविष्य में कोई नई श्रेणी शुरू की जाती है तो यात्रियों को अपग्रेडेशन का लाभ केवल दो स्तरों तक ही मिलेगी।

नये लुक में नजर आयेगी पाटलिपुत्र एक्सप्रेस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। धनबाद होकर हटिया से पटना के बीच चलने वाली पाटलिपुत्र एक्सप्रेस मंगलवार यानी 20 मई से एलएचबी रैक से चलेगी। 20 मई से हटिया तथा 21 से पटना से इस ट्रेन के पुराने आइसीएफ रैक हटाकर एलएचबी रैक जोड़ा जाएगा। इस बदलाव से अभी केवल 15 कोच के साथ चल रही ट्रेन अब 21 कोच के साथ चलेगी।

आठ स्लीपर और केवल एक थर्ड एसी कोच के चलने वाली ट्रेन में स्लीपर श्रेणी का एक कोच कम कर दिया जाएगा। इसके बदले थर्ड एसी के पांच, सेकेंड एसी के दो और थर्ड एसी इकोनॉमी श्रेणी का एक कोच जोड़ा जाएगा।

जनरल के चार कोच ही रहेंगे। इसमें कोई बदलाव नहीं होगा। कोच संयोजन में बदलाव से इस ट्रेन में मौजूदा 1000 के बदले 507 यात्री अधिक सफर कर सकेंगे। अभी स्लीपर के आठ कोच में प्रत्येक में 72 सीटों के अनुसार, कुल 576 सीटें। एलएचबी में प्रत्येक में 80 सीटें होने से कुल 560 सीटें। एक स्लीपर कोच कम होने से 16 सीटें कम हो जाएंगी।

थर्ड एसी के एक कोच में अभी केवल 64 सीटें। पांच एलएचबी कोच जुड़ने से कुल 360 सीटें होंगी। थर्ड एसी की 296 सीटें अधिक होंगी।

सेकेंड एसी के दो कोच जुड़ने से इस श्रेणी में कुल 104 सीटें होंगी।

थर्ड एसी इकोनॉमी कोच जुड़ने से 83 सीटें होंगी।

जनरल श्रेणी के चार कोच में अभी 360 सीटें हैं। एलएचबी कोच में प्रत्येक में 100 यानी कुल 400 सीटें होंगी।

दक्षिण पूर्व रेलवे – निविदा

ई-निविदा सूचना सं. ई-डीआरएम-ईएनजीजी-आद्रा-33-35-25, दिनांक 16.05.2025, मंडल रेल प्रबंधक (इंजी.)/आद्रा द्वारा निम्नवर्णित विवरण के अनुसार लेवल क्रॉसिंग, एफओबी, विविध कार्यों के लिए **03 (तीन)** अदद ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं: **क्रम सं., निविदा सूचना सं. एवं कार्यों का विवरण** निम्नानुसार हैं: **(1) सं. ई-डीआरएम-ईएनजीजी-आद्रा-33-25, दिनांक 16.05.2025,** आद्रा मंडल में पुरुलिया-कोटशिला-राजाबेरा, अनारा-रुकनी, महुदा-चंद्रपुरा और टिटि लाइन खंड के बीच 16 लेवल क्रॉसिंग पर गेट बैरियर के स्थानांतरण द्वारा लेवल क्रॉसिंग का मानकीकरण, दृश्यता में सुधार, सड़क की सतह और गेट लॉज का मानकीकरण। **निविदा लागत:** रु. 1,50,12,372.85, **(2) सं. ई-डीआरएम-ईएनजीजी-आद्रा-34-25, दिनांक 16.05.2025,** आद्रा मंडल में आद्रा-गोमो खंड के बीच 19 लेवल क्रॉसिंग पर गेट बैरियर के स्थानांतरण द्वारा लेवल क्रॉसिंग का मानकीकरण, दृश्यता में सुधार, सड़क की सतह और गेट लॉज का मानकीकरण। **निविदा लागत:** रु. 1,87,75,795.67, **(3) सं. ई-डीआरएम-ईएनजीजी-आद्रा-35-25, दिनांक 16.05.2025,** आद्रा मंडल में रघुनाथपुर थर्मल पावर स्टेशन साइडिंग के लिए डिपॉजिट टर्म पर मेसर्स राइट्स के बेरो स्टेशन पर चौथी लाइन के संबंध में विस्तारित एफओबी का प्रावधान। **निविदा लागत:** रु. 2,11,58,209.58, **ई-निविदाओं की अंतिम तिथि और समय** 12.06.2025 को 15.00 बजे है। उक्त ई-निविदाओं का विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है। **(PR-173)**

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा आसनसोल मंडल के तहत जनरल माइनर यूनिट (जीएमयू) के अंतर्गत मॉड्यूलर कैटरिंग स्टॉलों और वाटर वेंडिंग मशीन (डब्ल्यूवीएम) के प्रावधान हेतु आईआरईपीएस पोर्टल के जरिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से खुली ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। इसका विवरण निम्नानुसार है:-

नीलामी कैटलॉग सं. सीएटीजी-जीएमयू-25-5

क्रम सं., लॉट सं./कैटेगरी, कार्य का विवरण, ई-नीलामी की तिथि और समय: ए/1, सीएटीजी-एएसएन-केजेएमई-जीएमयू-15-24-1, काजोड़ाग्राम रेलवे स्टेशन (कैटेगरी-ई) पर 05 (पाँच) वर्ष की अवधि के लिए जनरल माइनर यूनिट के अधीन अंडाल सिरे के प्लेटफॉर्म शेड के पास प्लेटफॉर्म नं. 1 पर मॉड्यूलर कैटरिंग स्टॉल 10'X6'(60 वर्ग फीट) के माध्यम से कैटरिंग सेवाओं का प्रावधान। महिलाओं के लिए निर्दिष्ट, दिनांक 30.05.2025 को 10.30 बजे। **ए/2, सीएटीजी-एएसएन-सीएएम-जीएमयू-67-24-1,** छोटा अंबोना (कैटेगरी-ई) रेलवे स्टेशन पर 05 (पाँच) वर्ष की अवधि के लिए डाउन प्लेटफॉर्म पर मॉड्यूलर कैटरिंग स्टॉल (साइज 6'X10'=60 वर्ग फीट) के माध्यम से कैटरिंग सेवाओं का प्रावधान। दिनांक 30.05.2025 को 10.40 बजे। **ए/3, सीएटीजी-एएसएन-यूकेए-जीएमयू-14-24-1,** उखड़ा रेलवे स्टेशन (कैटेगरी-ई) पर 05 (पाँच) वर्ष की अवधि के लिए जनरल माइनर यूनिट के अधीन साइंथिया सिरे के प्लेटफॉर्म शेड के पास प्लेटफॉर्म नं. 1 पर मॉड्यूलर कैटरिंग स्टॉल 10'X6'(60 वर्ग फीट) के माध्यम से कैटरिंग सेवाओं का प्रावधान। दिनांक 30.05.2025 को 10.50 बजे।

नीलामी कैटलॉग सं. एएसएन-डब्ल्यूवीएम-25-3

क्रम सं., लॉट सं./कैटेगरी, कार्य का विवरण, ई-नीलामी की तिथि और समय: ए/1, एमएसएस-एएसएन-एमएनएई-डब्ल्यूवीएम-39-25-1, मानकर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नं. 1-2 पर, सीट सं. 16-20 और सीट सं. 31-35 के बीच स्टैंड अलोन आधार पर वाटर वेंडिंग मशीन (डब्ल्यूवीएम) की स्थापना और संचालन के लिए 05 वर्ष की अवधि हेतु लाइसेंस प्रदान करना, दिनांक 30.05.2025 को 12.30 बजे। **ए/2, एमएसएस-एएसएन-यूडीएल-डब्ल्यूवीएम-26-25-1,** अण्डाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नं. 3-4 पर, ओएचई मास्ट सं. 186/36 के पास स्टैंड अलोन आधार पर वाटर वेंडिंग मशीन (डब्ल्यूवीएम) की स्थापना और संचालन के लिए 05 वर्ष की अवधि हेतु लाइसेंस प्रदान करना, दिनांक 30.05.2025 को 12.40 बजे।

ASN-50/2025-26

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

श्रेयस अय्यर ने रचा इतिहास, आईपीएल में ऐसा करने वाले पहले कप्तान बने

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली पंजाब किंग्स टीम आईपीएल 2025 प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर चुकी है. अय्यर ने पिछले साल अपनी कप्तानी में केकेआर को चैंपियन बनाया था, इस बार वह पंजाब किंग्स की कमान संभाले हुए हैं. इस बार टीम को उम्मीद है कि वे अपना पहला खिताब जीत सकते हैं.

श्रेयस अय्यर ऐसा करने वाले पहले कप्तान बने – पंजाब किंग्स ने रविवार को अपने लीग स्टेज का 12वां मैच राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेला. पहले बल्लेबाजी करते हुए पंजाब ने 219 रन बनाए, जवाब में राजस्थान 209 रन ही बना पाई. पंजाब ने 10 रनों से मुकाबले को जीत लिया. रविवार को ही हुए दूसरे मैच में गुजरात टाइटंस ने दिल्ली को 10 विकेट से हराया, इसके बाद गुजरात के साथ पंजाब और बेंगलूरु का प्लेऑफ टिकट भी कंफर्म हो गया. श्रेयस अय्यर आईपीएल इतिहास के पहले कप्तान बन गए हैं, जिन्होंने अपनी कप्तानी में 3 अलग-अलग टीमों को प्लेऑफ में पहुंचाया है. पिछले साल उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स को चैंपियन बनाया. इससे पहले अय्यर ने दिल्ली कैपिटल्स को फाइनल तक पहुंचाया था. रविवार को हुए मैच से पहले श्रेयस अय्यर की उंगली में चोट लग गई थी, इस कारण वह फील्डिंग नहीं कर पाए थे. हालांकि उन्होंने बल्लेबाजी करते हुए 30 रन बनाए थे. उम्मीद है कि वह प्लेऑफ के मैचों तक पूरी तरह फिट हो जाएंगे, वैसे अभी टीम को लीग स्टेज के 2 मैच और खेलने हैं. पंजाब किंग्स इस बार शानदार नजर आ रही है, उसने कई करीबी मैच जीते हैं. इसको लेकर पंजाब किंग्स की मालकिन प्रीती जिंटा भी काफी खुश हैं, वह बोल चुकी हैं कि पहले हम जीते हुए मैच हार जाया करते थे लेकिन इस बार हम हारे हुए मैच जीत रहे हैं.

पंजाब किंग्स की निगाहें अब टॉप 2 पर – अब श्रेयस अय्यर एंड टीम की नजर टॉप 2 पर आने की होगी, क्योंकि उन 2 टीमों को फाइनल खेलने के 2 मौके मिलते हैं जबकि इसके उलट अन्य 2 टीमों को फाइनल में जाने के लिए 2 लगातार मैच जीतने होते हैं. पंजाब के अभी 12 मैचों के बाद 17 अंक हैं, उसका नेट रन रेट 0.389 का है. अगले 2 मैच उसके दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के विरुद्ध है.

आईपीएल में सबसे लंबे खिलाड़ी की एंट्री

● प्लेऑफ में पहुंचते ही आरसीबी ने चला मास्टरस्ट्रोक, बाबर आजम को 5 बार किया है आउट

नई दिल्ली, एजेंसी। लो भइया आईपीएल 2025 के प्लेऑफ में पहुंचे नहीं कि आरसीबी ने चल दिया मास्टर स्ट्रोक. टीम में ले आया उस खिलाड़ी को, जिसकी गिनती दुनिया के सबसे लंबे खिलाड़ियों में होती है. और, जिसका नाम है ब्लेसिंग मुजरबानी. 28 साल के मुजरबानी, जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज हैं और आरसीबी की ओर से आईपीएल 2025 का प्लेऑफ खेलने आए हैं. आरसीबी ने उन्हें लुंगी एन्गिडी के रिप्लेसमेंट के तौर पर लिया है. ब्लेसिंग मुजरबानी की हाईट 6 फीट 8 इंच बताई जाती है. अब इस हिसाब से ये भी उतने ही लंबे हुए जितने कि मार्को यानसन. उनकी भी लंबाई 6 फीट 8 इंच है. इस तरह से ये दोनों मौजूदा क्रिकेट के दो सबसे लंबे खिलाड़ी हैं. आरसीबी में जिनकी एंट्री है वो ब्लेसिंग मुजरबानी हैं. यानी वो तेज गेंदबाज जिनके आगे क्रिकेट की पिच पर पाकिस्तान के सबसे बड़े बल्लेबाज बाबर आजम के भी पांव कांपते हैं.

लुंगी एन्गिडी को रिप्लेस करेंगे मुजरबानी – खैर, मुजरबानी और बाबर आजम का किस्सा हम बताएंगे. पहले जरा ये जान लीजिए कि उन्होंने लुंगी एन्गिडी को रिप्लेस क्यों किया?ऐसा इसलिए क्योंकि डब्ल्यूटीसी फाइनल को देखते हुए साउथ अफ्रीका ने अपने सभी खिलाड़ियों को 26 मई तक आईपीएल से वापस बुलाया है. लुंगी एन्गिडी भी साउथ अफ्रीका के प्रमुख गेंदबाज हैं, जो कि डब्ल्यूटीसी फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उस टीम का अहम चेहरा होंगे. हालांकि लुंगी एन्गिडी आरसीबी के लिए उसका अगला मैच खेलेंगे, जो कि 23 मैच को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ बेंगलुरु में है. मतलब ये कि मुजरबानी अगले मैच में आरसीबी के लिए खेलते नहीं दिखेंगे ।

केएल राहुल लोगों की अपेक्षा कहीं बेहतर खिलाड़ी हैं: मूडी

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज टॉम मूडी ने कहा कि विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल को उनकी वास्तविक क्षमता का पूरा श्रेय नहीं दिया गया है। उन्होंने रविवार को गुजरात टाइटन्स के खिलाफ नाबाद 112 रनों की पारी खेलकर दिल्ली कैपिटल्स को बल्लेबाजी क्रम के पतन से बचाया था। दिल्ली की शुरुआत खराब रही और पहले पांच ओवरों में 1 विकेट पर 28 रन ही बना सकी। लेकिन राहुल की शानदार बल्लेबाजी ने उन्हें लगभग 200 रन के आंकड़े तक पहुंचा दिया। हालांकि साई सुदर्शन (नाबाद 108) और शुभमन गिल (नाबाद 93) ने आसानी से लक्ष्य हासिल कर गुजरात टाइटन्स के लिए प्लेऑफ में जगह पक्की कर ली। राहुल ने 60 गेंदों में अपना शतक पूरा किया और 172.30 के स्ट्राइक रेट से 112 रन बनाकर नाबाद रहे। आईपीएल 2025 में वह 148.04 की स्ट्राइक रेट से 12 पारियों में 493 रन बना चुके हैं। आईपीएल 2018 के बाद से यह उनका सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइक रेट है, जब उन्होंने 14 मैचों में 158.41 की दर से 659 रन बनाए थे। मूडी ने पर कहा, मुझे हमेशा केएल राहुल के बारे में आलोचना काफी असाधारण लगती है। मुझे लगता है कि वह बहुत से लोगों की तुलना में बहुत बेहतर खिलाड़ी हैं। और जिस तरह से मैं इस पारी को देखता हूं, मुझे लगता है कि यह एक शानदार पारी है। उन्होंने कहा, और हां, देखिए यह इस बात पर निर्भर करेगा कि कौन मैच जीतता है, आप जानते हैं, वह प्लेयर ऑफ द मैच है या नहीं। लेकिन जिस तरह से मैं इसे और बैटिंग कार्ड को देखता हूं, जो उन्हें निराश करता है और 220 तक नहीं पहुंच पाते है, वह है अन्य बल्लेबाज जो केवल 150 पर ही आउट हो गए। (बल्लेबाज़ी के अनुकूल) सतह पर, आप प्रभाव चाहते हैं।
उन्होंने कहा, जब आपके पास कोई ऐसा खिलाड़ी होता है जो एंकरिंग करता है, जो कुल स्कोर बनाता है, तो जब आप आते हैं तो आपकी भूमिका खेल को प्रभावित करना होती है, दस गेंदों पर 30 रन, उस तरह की पारी, जो आपको अचानक 220 तक ले जाती है। एक ही व्यक्ति पर उंगली उठाने के बजाय, मुझे लगता है कि यह इसके विपरीत है। दस ओवर के निशान तक दिल्ली कैपिटल्स 1 विकेट पर 81 रन बना चुकी थी, जिसमें राहुल ने 38 गेंदों पर 56 रन बनाए। हालांकि 15वें और 18वें ओवर के बीच राहुल ने केवल छह गेंदों का सामना किया, जबकि अक्षर पटेल और ट्रिस्टन स्टब्स ने अधिकांश गेंदें खेली।

भारत को हराने के लिए इस

अंग्रेज ने दारू से कर ली तौबा, कहा- जब तक मैं अपनी...

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के खिलाफ सीरीज जीतने के लिए इंग्लैंड टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने कड़ी मशक्कत शुरू कर दी है। इसके लिए वह स्वःनियंत्रण पर भी काम कर रहे हैं। इस

क्रम में उन्होंने दारू से तौबा कर लिया है। दअसल, बेन स्टोक्स ने भारत के खिलाफ सीरीज और एशेज के लिए फिट रहने के लिए फिटनेस के रास्ते पर चलना शुरू किया है। इसकी शुरुआत उन्होंने शराब से दूरी बनाकर की है।

चोट के कारण बेन स्टोक्स को छोड़ने पड़े हैं कई मुकाबले बेन स्टोक्स ने 'शराब छोड़ दी' ताकि वह इंग्लैंड से खेलने के लिए पूरी तरह से फिट हो सकें। बेन स्टोक्स को लगता है कि पिछली चोटों में उस रात की बड़ी भूमिका हो सकती है, जब उन्होंने साथियों के साथ शराब पी थी। इंग्लैंड के ऑलराउंडर ने दिसंबर 2024 में हैमस्ट्रिंग की सर्जरी कराई थी। अगस्त में 'द हंड्रेड' के दौरान भी उन्हें चोट लगी थी। इस कारण उन्हें श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट से बाहर होना पड़ा। बाद में पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज के लिए भी वह पूरी तरह से फिट नहीं थे। हैमिल्टन में न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट के दौरान उनकी चोट फिर से उभर आई।

बेन स्टोक्स ने 2 जनवरी से नहीं पी शराब

इंग्लैंड का घरेलू सत्र जिम्बाब्वे के खिलाफ एकमात्र टेस्ट से शुरू होगा। इसके बाद भारत के खिलाफ पांच टेस्ट की एक कठिन सीरीज होनी है। इंग्लैंड के घरेलू सत्र का समापन 6 महीने बाद एशेज सीरीज के साथ होता है। 'द टेलीग्राफ' ने बेन स्टोक्स के हवाले से लिखा है कि उन्होंने 2 जनवरी से शराब नहीं पी है। यह वह दिन है जब वह अपने ऑपरेशन के बाद खुद को रिहैबिलिटेशन में ले गए थे।' बेन स्टोक्स ने अनटैप्ड पॉडकास्ट को बताया, 'मेरी पहली बड़ी चोट के बाद, मुझे उसका सदमा याद है, शुरुआती एड्रेनालाईन के बाद, मैं सोच रहा था, यह कैसे हुआ? हमने 4 या 5 रात पहले थोड़ी शराब पी थी, क्या इससे कोई भूमिका हो सकती है? इससे (शराब पीने से) कोई मदद नहीं मिलती।'

कभी पूरी तरह से नशे से दूर हो पाऊंगा: बेन स्टोक्स

बेन स्टोक्स ने बताया, 'फिर मैंने सोचा- ठीक है, मुझे जो करना है, उसे बदलना होगा। मुझे नहीं लगता कि मैं कभी पूरी तरह से नशे से दूर हो पाऊंगा, लेकिन मैंने 2 जनवरी के बाद से शराब नहीं पी है। मैंने अपने आप से कहा, 'तब तक नहीं जब तक मैं अपनी चोट का उपचार पूरा नहीं कर लेता और मैदान पर नहीं लौटता।' बेन स्टोक्स ने कहा, 'जिस दिन मैं जागता हूं और प्रशिक्षण करने के लिए परेशान नहीं होता हूं, वह ऐसा समय होता है जब आप वास्तव में इसे और नहीं चाहते हैं, लेकिन मुझे रुकने में कोई दिलचस्पी नहीं है। मुझे लगता है कि मैदान से दूर, जिम में और बाकी जगहों पर मुझे कड़ी मेहनत करनी होगी, ताकि मैं वहां अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर पाऊं।'

भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच

BCCI ने PCB को दिया बड़ा झटका, एशिया कप खेलने से किया इनकार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव के बाद, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने एशियाई क्रिकेट परिषद के सभी आयोजनों से फिलहाल दूरी बनाने का फैसला किया है। सूचित किया है कि वह अगले महीने श्रीलंका में होने वाले वुमेंस इमर्जिंग टीमें एशिया कप और सितंबर में होने वाले पुरुष एशिया कप से हट रहा है। इससे पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को आर्थिक नुकसान हो सकता है। वर्तमान में, ष्ट्र का नेतृत्व पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी कर रहे हैं, जो पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष भी हैं। सूत्रों के अनुसार, यह निर्णय पाकिस्तान क्रिकेट को अलग-थलग करने की रणनीति का हिस्सा है। भारतीय टीम उस टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले सकती, जिसका आयोजन एसीसी कर रही हो और जिसका प्रमुख एक पाकिस्तानी मंत्री हो। यह देश की भावना है। हमने एसीसी को मौखिक रूप से वुमेंस इमर्जिंग टीमें एशिया कप से हटने की जानकारी दे दी है, और भविष्य में उनके आयोजनों में हमारी भागीदारी भी फिलहाल रुकी हुई है। हम भारतीय सरकार के साथ लगातार संपर्क में हैं।

क्या नहीं होगा एशिया कप का आयोजन – इस रुख से सितंबर में भारत में होने वाले पुरुष एशिया कप पर सवालिया निशान लग गया है। इस टूर्नामेंट में भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश,

अफगानिस्तान और श्रीलंका की टीमें हिस्सा लेने वाली थीं, लेकिन अब इसे स्थगित किए जाने की संभावना है। सूत्रों का कहना है कि बीसीसीआई को पता है कि भारत के बिना एशिया कप का आयोजन व्यवहारिक नहीं है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट आयोजनों के अधिकांश प्रायोजक भारत से हैं। इसके अलावा, भारत-पाकिस्तान मुकाबले के बिना एशिया कप प्रसारकों के लिए आकर्षक नहीं होगा, जो इस टूर्नामेंट की वित्तीय सफलता का प्रमुख हिस्सा है।

2024 में एशिया कप के प्रसारण अधिकार सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया ने अगले आठ वर्षों के लिए 170 मिलियन अमेरिकी डॉलर में हासिल किए थे। यदि इस बार टूर्नामेंट नहीं होता, तो इस सौदे पर पुनर्विचार करना पड़ सकता है।ष्ट्र के पांच पूर्ण सदस्य- भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका और अफगानिस्तान को प्रसारण राजस्व का 15 प्रतिशत हिस्सा मिलता है, जबकि बाकी राशि सहयोगी और संबद्ध सदस्यों में वितरित की जाती है।

हर मोर्चे पर फिसड्डी साबित हुआ है पाकिस्तान – पिछले साल 2023 में भी एशिया कप भारत-पाकिस्तान स्थिति से प्रभावित हुआ था। पाकिस्तान द्वारा आयोजित इस टूर्नामेंट में भारत ने सीमा पार करने से इनकार कर दिया था। बीसीसीआई ने सुनिश्चित किया कि भारत अपने मैच श्रीलंका में खेले। पीसीबी के लिए यह आयोजन निराशाजनक रहा, क्योंकि पाकिस्तान फाइनल में नहीं पहुंच सका और भारत ने कोलंबो में श्रीलंका के खिलाफ खिताबी मुकाबला जीता।

इंग्लैंड दौरे से पहले सख्त डाइट और ट्रेनिंग पर सरफराज खान, वजन में की भारी कटौती

नई दिल्ली, एजेंसी। अगले महीने होने वाले इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय बल्लेबाज सरफराज खान ने खूब पसीना बहा रहे हैं और जमकर मेहनत कर रहे हैं। सरफराज फिट होने की राह पर हैं और सख्त डाइट प्लान के जरिए उन्होंने 10 किलो वजन भी घटाया है। एक रिपोर्ट में इस बात की जानकारी साझा की गई है। पिछले साल 2024 में भारत के लिए पदार्पण करने वाले सरफराज ने एक भी विदेशी टेस्ट मैच नहीं खेला है। बल्लेबाज को इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो मैचों के लिए इंडिया ए टीम में चुना गया है। इस बार उन्हें भी टीम में मौका मिले इसके लिए वह अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं क्योंकि यही एक चीज में जिसे लेकर उन्हें अकसर आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है। भारत ए को इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो मैच (30 मई-2 जून को कैंटरबरी में और 6-9 जून को नॉर्थम्प्टन में) और सीनियर इंडिया टेस्ट टीम के खिलाफ एक इंट्रा-स्क्वाड मैच (13-16 जून को बेकेनहैम में) खेलना है। 18 सदस्यीय टीम की घोषणा करते हुए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने कहा कि शुभमन गिल और बी साई सुदर्शन 3 जून को आईपीएल 2025 के समाप्त होने के बाद इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दूसरे मैच से पहले भारत ए टीम में शामिल होंगे।

योगी आदित्यनाथ के साथ काम करेंगे टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी वैसे तो इन दिनों आईपीएल खेलने में बिजी हैं. लेकिन, इस बीच उन्हें लेकर एक बड़ी खबर आ रही है. ये खबर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ उनके काम करने को लेकर जुड़ी है. दाएं हाथ के अनुभवी भारतीय गेंदबाज ने खुद इसकी जानकारी सोशल मीडिया के जरिए दी है. शमी ने अपने इंस्टाग्राम पर बताया कि वो उत्तर प्रदेश के आगे ले जाने की मुहिम का हिस्सा बनने को लेकर बेहद उत्साहित हैं. अब सवाल है कि ष्ट्रू योगी आदित्यनाथ का काम क्या है, जिसमें मोहम्मद शमी उनका साथ देने और हाथ बंटाने को लेकर उत्साहित हैं. शमी के इंस्टा पोस्ट से जो पता चलता है, उसके मुताबिक उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री का जोर एक बेहतर समाज के निर्माण पर है. उन्होंने हर स्तर पर विकास और प्रगति की इच्छा जाहिर की है. ष्ट्रू योगी आदित्यनाथ की उसी मुहिम का हिस्सा अब मोहम्मद शमी भी बनना चाहते हैं. शमी ने कहा हम एक होकर काम करेंगे तो सपनों को साकार कर सकते हैं. मोहम्मद शमी से ष्ट्रू योगी ने ये बातें तब शेयर की, जब वो उनसे मिलने पहुंचे थे.

आईपीएल 2025 अब तक शमी के लिए अच्छा नहीं रहा – फिलहाल, तो मोहम्मद शमी आईपीएल 2025 में खेल रहे हैं, जहां वो सनराइजर्स हैदराबाद का हिस्सा हैं. मोहम्मद शमी और उनकी नई टीम सनराइजर्स, दोनों के लिए ये सीजन उतना अच्छा रहा नहीं. शमी ने इस सीजन अब तक खेले 9 मैचों में सिर्फ 6 विकेट हासिल किए हैं. वहीं उनकी टीम सनराइजर्स हैदराबाद की बात करें तो वो भी प्लेऑफ की रेस से बाहर हो चुकी है. 11 मैच खेलने के बाद एसआरएच के नाम सिर्फ 3 जीत दर्ज है और वो पॉइंट्स टेबल में फिलहाल 8वें नंबर पर है.

आईपीएल 2025 में जमकर चला गिल का बल्ला, विराट कोहली का तोड़ दिया ये बड़ा रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 के 60वें मुकाबले में गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ धमाकेदार प्रदर्शन कर क्रिकेट जगत में तहलका मचा दिया। गिल ने 53 गेंदों में नाबाद 93 रनों की शानदार पारी खेलकर न केवल अपनी टीम को 10 विकेट से शानदार जीत दिलाई, बल्कि ञ्ज20 क्रिकेट में एक बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। इस पारी के साथ गिल ने दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली को पीछे छोड़ते हुए ञ्ज20 क्रिकेट में सबसे तेज 5000 रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाजों की सूची में दूसरा स्थान हासिल किया।

गिल ने कोहली को छोड़ा पीछे

शुभमन गिल ने टी-20 क्रिकेट में 5000 रन सिर्फ 154 पारियों में पूरे किए, जबकि विराट कोहली को इस मुकाम तक पहुंचने में 167 पारियां लगी थीं। गिल अब भारत के लिए ञ्ज20 में सबसे तेज 5000 रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में केएल राहुल (143 पारियां) के बाद दूसरे नंबर पर हैं। भारतीय बल्लेबाजों में सुरेश रैना (173 पारियां) इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं।

टी-20 में सबसे तेज 5000 रन बनाने वाले बल्लेबाज

क्रिस गेल- 132 पारियां
केएल राहुल- 143 पारियां
शॉन माश- 144 पारियां
डेवोन कॉनवे- 144 पारियां
बाबर आजम- 145 पारियां
शुभमन गिल- 154 पारियां

वैश्विक स्तर पर गिल टी-20 क्रिकेट में सबसे तेज 5000 रन बनाने वाले छठे बल्लेबाज बने हैं। वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज क्रिस गेल 132 पारियों के साथ इस सूची में शीर्ष पर हैं।

दिल्ली के खिलाफ गिल का जलवा

मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए केएल राहुल के शानदार शतक की बदौलत 20 ओवर में 3 विकेट पर 199 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया। जवाब में गुजरात टाइटंस की ओर से शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। सुदर्शन ने 108 रनों की नाबाद पारी खेली, जबकि गिल ने 93 रन बनाए। दोनों ने मिलकर बिना कोई विकेट गंवाए लक्ष्य को हासिल कर लिया और गुजरात को 10 विकेट से ऐतिहासिक जीत दिलाई। इस जीत के साथ गुजरात टाइटंस ने आईपीए 2025 के प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर ली।

क्यों हैं गिल कोहली के उत्तराधिकारी?

शुभमन गिल को लंबे समय से विराट कोहली का उत्तराधिकारी माना जा रहा है। उनकी तकनीक, दबाव में शांत रहने की क्षमता और लगातार रन बनाने की काबिलियत उन्हें खास बनाती है। इस रिकॉर्ड-तोड़ प्रदर्शन ने एक बार फिर साबित कर दिया कि गिल न केवल मौजूदा दौर के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक हैं, बल्कि भविष्य में भारतीय क्रिकेट के बड़े सितारे बनने की पूरी क्षमता रखते हैं।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की 3 जगह नए फ्लाईओवर बनाने की मांग, जाम खत्म करने को दिए 27 सुझाव

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य और उत्तरी दिल्ली में जाम खत्म करने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने दिल्ली सरकार के लोक निर्माण विभाग से तीन फ्लाईओवर बनाने की मांग की है। इनमें से एक फ्लाईओवर पहाड़गंज से कमल टी-पॉइंट तक, दूसरा ब्रह्मकुमारी चौक से आनंद पर्वत तक और तीसरा सलीमगढ़ वाई प्वॉइंट से वजीराबाद तक बनाने की मांग है। इन फ्लाईओवर के बनने से हर दिन लाखों लोगों का समय एवं ईंधन बचेगा। हाल ही में आयोजित एक बैठक में ट्रैफिक पुलिस ने दिल्ली सरकार को विभिन्न क्षेत्रों में जाम खत्म करने के लिए 27 सुझाव दिए हैं। इनमें फ्लाईओवर बनाना, अतिक्रमण हटाना, सब-वे बनाना, जलभराव वाली जगह पर पंप लगाना, सड़कों को चौड़ा करना आदि शामिल है। इनमें पहला फ्लाईओवर पहाड़गंज से लेकर आनंद पर्वत स्थित कमल टी-पॉइंट तक है। इसके बनने से पहाड़गंज, देशबंधु गुप्ता रोड और करोल बाग बाजार में जाने वाले ग्राहकों को भी जाम की समस्या नहीं होगी। दूसरा फ्लाईओवर रोहतक रोड पर ब्रह्मकुमारी चौक से आनंद पर्वत तक बनाने के लिए कहा गया है। एक एलिवेटिड रोड सलीमगढ़ वाई पॉइंट से वजीराबाद तक बनाने की मांग है।

रेलवे फाटक पर ओवर ब्रिज बनाने की मांग : इस बैठक में ट्रैफिक पुलिस ने दो स्थानों पर रेलवे ओवर ब्रिज बनाने की मांग की है। इसमें पहली जगह बवाना रेलवे फाटक, जबकि दूसरी जगह घेवरा रेलवे फाटक है। बैठक में बताया गया कि इन दोनों ही स्थानों पर रेलवे फाटक बंद होने के चलते लंबा जाम लग जाता है।

राहगीरों के लिए बनाए जाएं एफओबी : ट्रैफिक पुलिस की ओर से कई एफओबी बनाने की मांग भी की गई है। कई बार राहगीरों के बीच सड़क से निकलने पर हादसे होते हैं। साथ ही ट्रैफिक भी बाधित होता है। इसलिए यूईआर-2, हरिशचंद्र अस्पताल लालबत्ती के पास, गणेश नगर चौक आदि पर एफओबी बनें। ट्रैफिक पुलिस की तरफ से बताया गया है कि रिंग रोड पर वाहनों का दबाव अधिक रहता है। खासतौर से शाम के समय वाहनों की संख्या काफी बढ़ जाती है। यहां एलिवेटिड रोड बनने से रिंग रोड पर दबाव कम होगा और लोगों को काफी राहत मिलेगी।

दिल्ली में पकड़े गए बांग्लादेशियों पर डिपोर्ट से पहले लग रहा 'तकनीकी ठप्पा'

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस राजधानी में अवैध रूप से रहने वाले बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान कर उनके बायोमिट्रिक पहचान पत्र बना रही है। इसके बाद ही एफआरआरओ के माध्यम से उन्हें बांग्लादेश डिपोर्ट किया जा रहा है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के अधिकारी ने बताया कि दिल्ली पुलिस बीते तीन-चार माह से दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों को ढूंढ़ने का अभियान चला रही है। अभी तक उनकी पहचान कर वापस भेजा जाता था तो वे दोबारा आ जाते थे। इनमें से कई तो फर्जी दस्तावेजों के सहारे भारतीय पहचान पत्र जैसे आधार कार्ड, वोटर कोर्ड और पासपोर्ट तक बनवा लेते थे। इसके बाद इनकी पहचान करना मुश्किल हो जाता था। बायोमेट्रिक में 8 जानकारी दर्ज होंगी - दिल्ली पुलिस के अधिकारी ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय की पहल पर यह नई कवायद शुरू हुई है। इसके तहत अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान होने के बाद इनकी फोटो खींची जाती है। रेटिना और फिंगर प्रिंट लिए जाते हैं। इसके अलावा कद, ब्लड ग्रुप, चेहरे पर निशान और रंग की भी जानकारी रहती है। फिलहाल, हर जिले के फॉरेनर्स सेल में यह सुविधा दी गई है। इस जानकारी को सीसीटीएनएस और आधार से जोड़ा गया है। यह फायदा होगा - पुलिस अधिकारी ने बताया कि बायोमिट्रिक पहचान पत्र बनने के बाद इन्हें डिपोर्ट किया जा रहा है। अगर वे दोबारा अवैध तौर पर भारत में आएंगे तो पकड़े जाने पर पुलिस की जांच में सारा रिकॉर्ड सामने आ जाएगा। इसके अलावा देश में कहीं भी पकड़े जाने पर पुलिस को इनके फिंगर प्रिंट की जांच कराने के बाद पूरी पृष्ठभूमि का पता चल सकेगा।

विदेश जाने वाली टीम के लिए कांग्रेस से कोई नाम नहीं मांगे थे

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने कांग्रेस के उस आरोप को सिरे से खारिज कर दिया है जिसमें दावा किया गया था कि सरकार ने विपक्षी पार्टी से विदेशी दौरों के लिए चार सांसदों के नाम मांगे और फिर उनमें से तीन को खारिज कर दिया। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को इस मिशन की जानकारी सिर्फ शिष्टाचारवश दी गई थी, न कि औपचारिक प्रक्रिया के तहत।

हमने शिष्टाचार के तहत सूचित किया- रिजिजू

रिजिजू ने कहा, कभी भी यह प्रथा नहीं रही है कि विपक्षी पार्टियों से उनके नाम मांगे जाएं। हमने उन्हें केवल शिष्टाचार के तहत सूचित किया। गौरतलब है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने का भारत का संदेश लेकर सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल विदेश जाएंगे, जिनमें से चार प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व सत्तारूढ़ दलों के नेता जबकि तीन की अगुवाई विपक्षी दलों के नेता करेंगे। कांग्रेस के चार सांसद इन टीमों का हिस्सा हैं और केरल के सांसद शशि थरूर एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं।

कांग्रेस द्वारा अपने सुझावों की उपेक्षा को लेकर जताई गई नाराजगी पर जवाब देते हुए रिजिजू ने कहा कि सरकार ने उन्हीं लोगों को चुना जो मिशन के लिए सबसे उपयुक्त थे। उन्होंने कहा, हमें हैरानी हो रही है कि कांग्रेस शशि थरूर और मनीष तिवारी जैसे नेताओं के नामों पर सवाल उठा रही है। दोनों विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर विपक्ष की तरफ से प्रभावी आवाज रहे हैं और अभी एक साल भी नहीं हुआ जब कांग्रेस ने खुद थरूर को विदेशी मामलों की स्थायी समिति का अध्यक्ष बनाया था।

योग्यता के आधार पर चयन किया- मंत्री

कांग्रेस पार्टी का आरोप है कि थरूर और तिवारी को इसलिए चुना गया ताकि पार्टी नेतृत्व को नीचा दिखाया जा सके। इस पर रिजिजू ने कहा, यह केवल एक झूठा संकेत है। हमने किसी पार्टी की आंतरिक राजनीति, असुरक्षा या ईर्ष्या के आधार पर नहीं, बल्कि योग्यता के आधार पर चयन किया है। हमने सलमान खुर्शीद और अमर सिंह (पंजाब के कांग्रेस सांसद) को भी चुना है, अब इस पर क्या कहेंगे

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने इस चयन प्रक्रिया की आलोचना करते हुए कहा था, यह मोदी सरकार की पूर्ण असंवेदनशीलता और उसकी वह सस्ती राजनीति दर्शाता है जो वह हमेशा राष्ट्रीय मुद्दों पर खेलती है। कांग्रेस का मानना है कि थरूर को इसलिए चुना गया क्योंकि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर पर पार्टी लाइन से हटकर बयान दिया था। जब कांग्रेस इस मुद्दे पर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की भूमिका को निशाने पर ले रही थी, तब थरूर ने कहा था कि वे इस ऑपरेशन पर एक गर्वित भारतीय के तौर पर बोल रहे हैं। ऐसे में राहुल गांधी ने अपने प्रस्तावित नामों की सूची से थरूर को हटा दिया था। राहुल की सूची में गौरव गोगोई, आनंद शर्मा, राजा वड़िंग और सैयद नसीर हुसैन शामिल थे, जिनमें से केवल आनंद शर्मा के नाम को ही स्वीकार किया गया।

अमित मालवीय के गंभीर आरोप

भाजपा प्रवक्ता अमित मालवीय ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि सैयद नसीर हुसैन के समर्थन में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाने के आरोप में तीन लोगों की गिरफ्तारी हुई थी। उन्होंने कांग्रेस के अन्य नामित गौरव गोगोई पर भी सवाल उठाया कि वे 15 दिन पाकिस्तान में बिता चुके हैं और उनकी पत्नी एक ऐसे हलह से जुड़ी हैं जो पाकिस्तान केंद्रित है।
बता दें कि कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व वाला प्रतिनिधिमंडल अमेरिका, पनामा, गुयाना, ब्राजील और कोलंबिया जाएगा। इसमें भाजपा से तेजस्वी सूर्या, भुवनेश्वर कलिता, शशांक मणि त्रिपाठी, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) से शांभवी, झारखंड मुक्ति मोर्चा से सरफराज अहमद, तेलुगु देशम पार्टी से हरीश बालयोगी, शिवसेना से मिलिंद देवड़ा और राजनयिक तरनजीत सिंह संधू शामिल है।

मैं गुडन्यूज देने वाली हूं; पहलगाम हमले के बाद से चुप सीमा हैदर बोली

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत पाकिस्तान के बीच पहलगाम हमले के बाद से उपजे तनाव के बीच लंबे समय तक चुप्पी साधने वाली सीमा हैदर ने अब एक नया सस्पेंस पैदा कर दिया है। हाल ही में सचिन मीणा की बेटी को जन्म देने वाली सीमा हैदर ने कहा है कि वह जल्द एक गुडन्यूज देने जा रही है। सीमा ने कहा कि वह

बहुत जल्द इसका खुलासा करने वाली है। सीमा ने अभी कोई संकेत नहीं दिया है कि यह अच्छी खबर किस बात को लेकर है।

पहलगाम हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर से पहले भारत सरकार ने पाकिस्तानियों का वीजा रद्द करके उन्हें तुरंत अपने मुल्क वापस जाने को कहा था। तभी से सीमा हैदर को भी पाकिस्तान वापस भेजे जाने की मांग ने जोर पकड़ लिया था। सोशल मीडिया पर कई लोग यह दलील दे रहे थे कि जब वीजा वाले लोगों को वापस भेज दिया गया तो अवैध तरीके से भारत में आई सीमा हैदर को क्यों नहीं भेजा जा रहा है हालांकि, सीमा हैदर का मामला अदालत में विचाराधीन होने की वजह से पहले की तरह ग्रेटर नोएडा में सचिन मीणा के घर रह रही है।

पहलगाम हमले के बाद से ही अपने यूट्यूब चैनल से दूरी बनाए रखने वाली सीमा हैदर सीजफायर से बनी शांति के बाद दोबारा ऐक्टिव हो गई है। सीमा हैदर ने रविवार रात एक वीडियो शेयर करके गुडन्यूज वाली बात कही है। सीमा हैदर वीडियो में बच्चों को पढ़ा रहे सचिन के पास बैठकर कहती है, मैं आपको बहुत जल्द गुडन्यूज देने वाली हूं। गुडन्यूज तो है पर मैं देना थोड़ा लेट देना चाहती हूं। वह गुडन्यूज क्या है, वह आपको बहुत जल्द पता चलेगी। वह बहुत अच्छी बात है। आप सब जो मुझे सपोर्ट करते हैं, प्यार करते हैं वह खुश होंगे सुनकर। जो हेटर हैं तो वो हेटर ही रहेंगे उनसे क्या उम्मीद।

गुलाम हैदर को संदेश, भारत सरकार का शुक्रिया: सीमा हैदर ने अपने पाकिस्तानी पति गुलाम हैदर को जवाब देते हुए कहा, सचिन बच्चों को पढ़ा रहे हैं। कोई वहम में ना रहे कि बच्चों का ध्यान नहीं रखा जाता है। जितना यहां ध्यान रखा जा रहा है उतना कहीं नहीं रखा जा सकता है। बच्चे बहुत खुश हैं। मीणा जी बेस्ट पिता है। हिन्दुस्तानी कभी गलत नहीं हो सकता है। एक वो इंसान है जो दिन रात गंदी गालियां देता है,एक ये इंसान है जो बच्चों को पढ़ा रहा है, अच्छी जिंदगी दे रहा है।

आसामान का फर्क है। आप किसी की भाषा से अंदाजा लगा सकते हैं कौन क्या है। भारत में रह रही सीमा हेदर ने सरकार का आभार जताते हुए कहा, हम बहुत खुश हैं। हम धन्यवाद करते हैं यहां कि सरकार, यहां के लोगों का कि हमें इतनी अच्छी जिंदगी दी गई है। यूपी सरकार का भी दिल से शुक्रिया।

150 से अधिक केस, 500 सीसीटीवी से निगरानी, एफआरएस से पहचान; दिल्ली में ऐसे पकड़े गए 2 शातिर बदमाश

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने दो शातिर लुटेरों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान 32 वर्षीय रवि उर्फ करण और 30 वर्षीय आकाश के रूप में हुई है। दोनों बदमाश आदतन अपराधी हैं। दोनों पहले भी 150 से अधिक आपराधिक मामलों में शामिल रहे हैं। पुलिस ने इसके पास चोरी की एक बाइक, दो छीनी हुई सोने की चेन और चोरी के तीन मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

अलग-अलग थानों के बीसी हैं दोनों बदमाश: आरोपी रवि उर्फ करण दिल्ली के उत्तम नगर का रहने वाला है। पहले 90 से अधिक आपराधिक मामलों में शामिल है और थाना कीर्ति नगर का बीसी है। वहीं, दूसरा आरोपी आकाश भी दिल्ली के पश्चिम सागरपुर इलाके की शिवपुरी कॉलोनी का रहने वाला है। पहले 65 से अधिक आपराधिक मामलों में शामिल रहा है, जिनमें से ज्यादातर स्नैचिंग के हैं और वह सागरपुर थाने का बीसी है।

पुलिस द्वारा इन बदमाशों तक पहुंचने के लिए साउथ-वेस्ट, वेस्ट और नॉर्थ-वेस्ट जिलों में गहन तकनीकी निगरानी और 500 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगाला गया। इतना ही नहीं, इनकी पहचान सुनिश्चित करने के लिए फेशियल रिकॉग्निशन सिस्टम (एफआरएस) का भी इस्तेमाल किया गया।

ऐसे करते थे गुमराह: दोनों आरोपी इतने शातिर थे कि पकड़े जाने से बचने को पुलिस को गुमराह करने के लिए कई तरह के भ्रामक हथकंडे अपनाते थे। ये लोग अपराध से पहले एक इलाके में कई चक्कर लगाना, पहचान से बचने के लिए हर बार झपटमारी के बाद कपड़े बदलना, सीसीटीवी फुटेज को धुंधला करने के लिए जिग-जैग तरीके से टू व्हीलर चलाना और अपराध करते समय हेलमेट का इस्तेमाल करना आदि।

पुलिस द्वारा लगातार कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपियों ने बीते 8 मई को दिल्ली के पालम गांव में हुई सोने की चेन छीनने की घटना को अंजाम देने की बात स्वीकार कर ली। पुलिस द्वारा उनके कब्जे से दो छीनी हुई सोने की चेन बरामद की गई हैं। इसके अलावा चोरी के तीन मोबाइल फोन भी बरामद किए गए। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया। पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे जल्दी पैसा कमाने के लिए सोने की चेन और मोबाइल फोन छीनने की वारदातों को अंजाम देते थे। वो छीनी गई सोने की चेन और मोबाइल फोन को दिल्ली में अलग-अलग लोगों को बेच देते थे। आरोपी इन मोबाइल फोन और सोने की चेन को बेचने जा रहे थे कि तभी पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

अर्जेंटीना की राजनीति पर राष्ट्रपति मिलेई की पकड़ हुई मजबूत

स्थानीय चुनाव में दर्ज की अहम जीत

ब्यूनस आयर्स , एजेंसी। एक समय मध्य-दक्षिणपंथी राजनीति का केंद्र रहा दक्षिण अमेरिकी देश अर्जेंटीना अब धुर उदारवादी पार्टी की तरफ झुकता दिखाई दे रहा है। दरअसल स्थानीय चुनाव में धुर उदारवादी पार्टी के उम्मीदवार ने जीत दर्ज की है। धुर उदारवादी पार्टी के नेता और मौजूदा राष्ट्रपति जेवियर मिलेई के लिए बड़ी जीत है क्योंकि इस साल के अंत में अर्जेंटीना में मध्यावधि चुनाव होने हैं। उससे पहले मिलेई की पार्टी की स्थानीय चुनाव में यह जीत कहीं न कहीं इस बात का संकेत है कि मिलेई की अर्जेंटीना की राजनीति में पकड़ मजबूत हो रही है।

विपक्षी पार्टी का गढ़ माना जाता था ब्यूनस आयर्स: मिलेई की पार्टी के उम्मीदवार मैनुअल एडोर्नी ने ब्यूनस आयर्स के चुनाव में जीत दर्ज की है और 30 प्रतिशत मत हासिल किए। वहीं पूर्व राष्ट्रपति मॉरिसियो मैक्री की मध्य दक्षिणपंथी पीआरओ पार्टी को बुरी हार का सामना करना पड़ा। उल्लेखनीय है कि यह जीत मिलेई के लिए इसलिए भी खास है क्योंकि ब्यूनस आयर्स मध्य दक्षिणपंथी पार्टी का गढ़ माना जाता था, लेकिन मिलेई की पार्टी एलएलए ने उस गढ़ में भी सेंधमारी कर दी है। ब्यूनस आयर्स में पीआरओ पार्टी की 18 साल तक सरकार रही और अब उनकी पार्टी का उम्मीदवार तीसरे स्थान पर रहा है। वामपंथी पॉप्युलिस्ट पेरोनिस्ट पार्टी के उम्मीदवार को दूसरा स्थान मिला।

दक्षिणपंथी राजनीति का बढ़ रहा दबदबा: ब्यूनस आयर्स की 60 विधानसभा सीटों के लिए रविवार को मतदान हुआ। 25 लाख योग्य मतदाताओं में से करीब 53 प्रतिशत ने मतदान किया। मिलेई की पार्टी की जीत ने एक बात और साफ कर दी है कि दुनिया में दक्षिणपंथी राजनीति मजबूत हो रही है और यूरोप से लेकर अमेरिका तक यही पैटर्न दिखाई दे रहा है। अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में हुए चुनाव तकनीक और एआई का भी दखल देखने को मिला। दरअसल मैक्री की पार्टी ने शिकायत दर्ज कराई है कि मतदान से पहले मैक्री की एआई जेनरेट वीडियो बनाया गया, जिसमें मैक्री ने लोगों से अपील की कि उनकी पार्टी हार चुकी है।

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन को प्रोस्टेट कैंसर: हड्डियों तक फैली बीमारी

2 दिन पहले पता चला; 2023 में स्किन कैंसर का इलाज भी करा चुके

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन को प्रोस्टेट कैंसर हो गया है। यह अब हड्डियों तक फैल चुका है। बाइडेन के ऑफिस ने रविवार को बयान जारी कर इसकी जानकारी दी है। 82 साल के बाइडेन ने पिछले हफ्ते पेशाब में दिक्कत होने पर डॉक्टर को दिखाया था। जांच के बाद बीते शुक्रवार को उन्हें इस बीमारी का पता चला। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बाइडेन की बीमारी को लेकर कहा- मेलानिया और मैं उनकी बीमारी के बारे में जानकर दुखी हैं। हम जिल बाइडेन और उनके परिवार के लिए दुआ करते हैं और जो बाइडेन के जल्दी और पूरी तरह ठीक होने की कामना करते हैं। इससे पहले 2023 में जो बाइडेन को स्किन कैंसर हुआ था। व्हाइट हाउस के डॉक्टरों ने बताया कि उनकी छाती पर बेसल सेल कार्सिनोमा पाया गया था, जो एक सामान्य प्रकार का त्वचा कैंसर था। इस घाव को फरवरी में सर्जरी के दौरान हटा दिया गया था। अमेरिकन कैंसर सोसाइटी के मुताबिक अमेरिका में, प्रोस्टेट कैंसर पुरुषों को होने वाला सबसे आम कैंसर है और कैंसर से होने वाली मौतों की दूसरी प्रमुख वजह है। 82 साल के बाइडेन ने 2020 में डोनाल्ड ट्रम्प को हराया था और पिछले साल फिर से चुनाव लड़ना चाहते थे, लेकिन उनकी उम्र और मानसिक स्थिति पर सवाल उठने की वजह से उन्होंने राष्ट्रपति पद की रेस से हटने का फैसला किया था।

गाजा में फूड सप्लाई को तैयार हुए नेतन्याहू, 2 महीने से रुकी हुई थी

उनके ही मंत्री बोले- यह हमास को ऑक्सीजन देने जैसा

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा में सीमित मात्रा में खाद्य सामग्री भेजने की इजाजत दे दी है। इजराइल ने 2 मार्च से गाजा में खाने-पीने की चीजों के आने पर रोक लगा दी थी। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक इजराइल की वॉर कैबिनेट ने सैन्य अधिकारियों की सलाह पर रविवार को यह फैसला किया। हालांकि कैबिनेट में इसे लेकर वोटिंग नहीं कराई गई क्योंकि कई मंत्री इस फैसले के खिलाफ थे। आंतरिक सुरक्षा मंत्री इतमार बेन ग्विर और दूसरे दक्षिणपंथी नेताओं ने इस फैसले की आलोचना करते हुए कहा कि यह हमास को 'ऑक्सीजन' देने जैसा है। पहले हमास को खत्म किया जाना जरूरी है।

इजराइल ने गाजा में 2 मार्च को लागू की नाकाबंदी: पिछले ढाई महीने में गाजा में यूएन और बाकी एजेंसियों के खाद्य भंडार पूरी तरह से खत्म हो गए हैं। खाने-पीने के सामानों की कमी के चलते गाजा में भुखमरी का खतरा बढ़ गया है। इस वजह से अमेरिका समेत कई देशों का इजराइल पर दबाव बढ़ रहा था, जिसके बाद पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को गाजा पट्टी में जरूरी मदद फिर से शुरू करने का आदेश दिया। नेतन्याहू ने कहा कि गाजा में मदद पहुंचाना जरूरी है ताकि गाजा में भूख की स्थिति न पैदा हो, क्योंकि इससे हमास के खिलाफ चल रहे सैन्य अभियान को नुकसान हो सकता है। उन्होंने कहा कि इजराइल यह सुनिश्चित करेगा कि मदद सिर्फ जरूरतमंद लोगों तक पहुंचे और हमास को न मिले।

यूएन एजेंसी नहीं, अमेरिकी एजेंसी खाना बांटेंगी: रिपोर्ट के मुताबिक गाजा में फिलहाल एक हफ्ते के लिए मदद पहुंचाई जाएगी। इस दौरान इजराइल गाजा में खाना बांटने के लिए नए वितरण केंद्र बनाएगा। ये सेंटर इजराइली सेना की निगरानी में रहेंगे। इसका संचालन अमेरिकी कंपनियां करेंगी। नई

व्यवस्था के तहत गाजा के लोगों को गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन के जरिए मदद दी जाएगी। हालांकि कई सहायता एजेंसियों ने इस योजना की आलोचना की है। उनका कहना है कि इससे मानवाधिकार का उल्लंघन होता है।

इजराइली हमले में रविवार को 151 लोगों की मौत: इस बीच इजराइल के हमलों में एक सप्ताह में करीब 464 फिलिस्तीनी मारे गए हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि कई परिवार के सभी सदस्य इन हमलों में मारे गए। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ रविवार को इजराइली हमले में 151 लोगों की मौत हुई है। इजराइली सेना ने बताया कि उन्होंने गाजा में बड़े पैमाने पर जमीनी अभियान शुरू किया है।

दुनिया की सबसे महंगी कॉफी, 1 कप की कीमत हजारों में... हाथी के मल से की जाती है तैयार

ओटावा , एजेंसी। कनाडा के एक बिजनेसमैन ब्लेक डिंकिन ने एक ऐसी अनोखी कॉफी ईजाद की है जिसका स्वाद तो लाजवाब बताया जाता है लेकिन इसे बनाने का तरीका सुनकर आपका मुंह कड़वा हो सकता है। दुनिया की सबसे महंगी कॉफी में शुमार ब्लैक आइवरी कॉफी असल में हाथियों के गोबर से बनती है। जी हां यह सुनकर भले ही अजीब लगे लेकिन हकीकत यही है। इस कॉफी के एक कप की कीमत लगभग 5 हजार रुपये तक होती है।
कैसे बनती है गोबर वाली कॉफी?: ब्लैक आइवरी कॉफी की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार इसे बनाने की प्रक्रिया वाकई हैरान करने वाली है। सबसे पहले हाथियों को भारी मात्रा में कॉफी के कच्चे फल खिलाए जाते हैं। हाथी इन फलों को पचाने के बाद गोबर करते हैं। फिर इस गोबर को इकट्ठा किया जाता है और उसमें से कॉफी के बीज छांटे जाते हैं। अंदाजा लगाइए लगभग 33 किलो कॉफी के कच्चे फल खिलाने के बाद एक हाथी के गोबर से सिर्फ एक किलो कॉफी के बीज ही निकल पाते हैं। इन बीजों को फिर धूप में अच्छी तरह सुखाया जाता है और उसके बाद इन्हें पीसकर ब्लैक आइवरी कॉफी तैयार की जाती है। दिलचस्प बात यह है कि इतनी अजीबोगरीब प्रक्रिया से गुजरने के बाद भी यह कॉफी बिल्कुल भी कड़वी नहीं होती। इस महंगी कॉफी का बड़े पैमाने पर उत्पादन थाईलैंड में किया जाता है। ब्लैक आइवरी कॉफी अकेली ऐसी नहीं है जो जानवरों के मल से बनती है। दो और ऐसी कॉफी हैं जो इसी अनोखे तरीके से तैयार की जाती हैं- यह कॉफी इंडोनेशिया में मिलती है और एशियाई पाम सिवेट नामक बिल्ली जैसे जानवर की पॉटी से इकट्ठा किए गए बीन्स से बनती है। सिवेट पके हुए कॉफी चेरी खाता है जो उसकी आंतों में एक विशेष फर्मेंटेशन प्रक्रिया से गुजरते हैं और फिर एक या दो दिन बाद गुच्छों में बाहर आ जाते हैं।

सरकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम लोगों तक पहुंचाना जनता दरबार का उद्देश्य: उपायुक्त

विभिन्न योजनाओं के दर्जनों लाभुकों के बीच परिसंपत्ति स्वीकृति पत्र का किया गया वितरण

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सोमवार को उपायुक्त विजया जाधव के जनता दरबार का आयोजन जरीडीह प्रखंड मुख्यालय परिसर में किया गया। जहां काफी संख्या में आमजन शामिल हुए। सभी विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई एवं आहताधारी पुरुष/महिला को योजना के लाभ के लिए आवेदन प्राप्त किया गया। मौके पर डीपीएलआर श्रीमती मेनका, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, अनुमंडल पदाधिकारी बेरमो मुकेश मछुआ, जिला परिषद सदस्य श्रीमती सुनीता टुडू, जिला परिषद के पूर्व सदस्य हीरा लाल मांझी, प्रखंड प्रमुख देव नारायण भगत, विधायक प्रतिनिधि विनोद महतो, विभिन्न पंचायतों के मुखिया आदि उपस्थित थे। अपने संबोधन में उपायुक्त ने कहा कि आम जनों की सहूलियत के लिए जनता दरबार कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसके पीछे की मंशा सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम लोगों तक पहुंचाना, जन कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना, उनके समस्याओं का त्वरित समाधान करना है। शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित संचालित योजनाओं की जानकारी विभिन्न स्टॉल के माध्यम से दिया जा रहा है। जहां आहतार्धारी पुरूषों-महिलाओं से कल्याणकारी योजनाओं से अच्छादित करने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आगे भी जिले के अन्य प्रखंडों में जनता दरबार का आयोजन किया जाएगा, जिसमें ज्यादा से ज्यादा लोगों को सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जाएगा।

अबुआ आवास लाभुकों को कराया गया गृह प्रवेश

मौके पर अबुआ आवास के लाभुकों को उपायुक्त, डीपीएलआर, अपर समाहर्ता, एसडीओ बेरमो, प्रखंड/पंचायत प्रतिनिधियों आदि के द्वारा नव निर्मित आवास का गृह प्रवेश कराया गया। सांकेतिक रूप से 10 लाभुकों को शुभ कलश झ नारियल देकर गृह प्रवेश का आह्वान किया गया। इससे लाभुकों के चेहरे पर खुशी दिखी। वहीं, नई लाभुकों को आवास भी उपायुक्त द्वारा आन स्पाट स्वीकृत किया गया।

आन स्पॉट दर्जनों मामलों पर किया सुनवाई

उपायुक्त ने क्रमवार प्रखंड परिसर स्थित पंडाल में घंटों आमजनों की समस्याओं पर सुनवाई की। उन्होंने क्रमवार आमजनों की शिकायतें सुनी, प्राप्त आवेदन को संबंधित जिला स्तरीय पदाधिकारियों/प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों को अग्रसारित एवं स्वीकृत किया। जनता दरबार में भूमि, अतिक्रमण, दाखिल-खारिज, अबुआ आवास, पीएम आवास, वृद्धा/दिव्यांग पेंशन, झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना आदि से संबंधित समस्याओं पर सुनवाई किया।

विभिन्न स्टॉलों का किया निरीक्षण

सभी विभागों द्वारा लगाएं गए स्टॉलों का उपायुक्त, डीपीएलआर, अपर समाहर्ता, एसडीओ बेरमो, प्रखंड/पंचायत प्रतिनिधियों आदि ने निरीक्षण किया। उन्होंने स्टॉल पर उपस्थित कर्मियों से प्राप्त/स्वीकृत आवेदनों की जानकारी ली और निष्पादन से संबंधित बीडीओ/सीओ को जरूरी दिशा-निर्देश दिया। कहा कि लाभुकों की विवरणी स्पष्ट रूप से अंकित करें, सभी आवेदनों में मोबाइल नंबर जरूर अंकित करें, ताकि समाधान के बाद लाभुकों को उससे अवगत कराया जा सके।

विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं की दी जानकारी

मौके पर सरकार की अबुआ आवास योजना, झारखंड मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना, बिरसा सिंचाई कूप योजना, गुरूजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, सावित्रि बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, सर्वजन पेंशन योजना, फुलो झानों आशीर्वाद योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, बिरसा हरित ग्राम योजना, आयुष्मान भारत योजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, मुख्यमंत्री सारथी योजना, सोना सोबरन धोति साड़ी वितरण योजना आदि की विस्तार से जानकारी दी।

परिसंपत्ति/स्वीकृति पत्र का किया गया वितरण

जनता दरबार में उपायुक्त, जिला परिषद सदस्य, प्रखंड प्रमुख, मुखिया आदि ने ऑन स्पॉट स्वीकृत लाभुकों के बीच पेंशन, क्रेडिट लिंकेज, ग्रीन राशन कार्ड, दिव्यांगों के बीच ट्राई साइकिल, मुख्यमंत्री पशुधन योजना के तहत लाभुकों के बीच बकरा यूनिट/बतख चूजा/जोड़ा गाय, मुख्यमंत्री साइकिल वितरण योजना आदि सरकारी योजनाओं के परिसंपत्ति/स्वीकृति पत्र को वितरित किया। वहीं, पिछले दिनों आयोजित विशेष राजस्व शिविर में दाखिल खारिज, आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र आदि से संबंधित प्राप्त आवेदनों का निष्पादन उपरांत लाभुकों को प्रमाण पत्र वितरित किया गया।

अंतरराज्यीय गिरोह का सरगना जल्ला फिरोज गिरफ्तार

जमशेदपुर/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जमशेदपुर के पोटका थाना क्षेत्र स्थित हाता चौक स्थित पेट्रोल पंप पर 6 मई की रात हुई 25 हजार रुपये की लूट का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में अंतरराज्यीय लूट गिरोह के सरगना फिरोज अंसारी उर्फ जल्ला फिरोज को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। सरायकेला-खरसावां के कपाली निवासी जल्ला फिरोज के पास से एक देसी तमंचा और दो जिंदा कारतूस भी बरामद किए गए हैं। पूछताछ में उसने कबूल किया कि वारदात को उसने अपने साथियों शारिक शाह और अफजाल अंसारी के साथ अंजाम दिया था। अफजाल को ओडिशा की रायरंगपुर पुलिस ने पहले ही दबोच लिया है और उसे अब रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी। वहीं तीसरा आरोपी शारिक अब भी फरार है, जिसकी तलाश जारी है। एसएसपी किशोर कौशल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि जल्ला फिरोज पर झारखंड, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में लूट के 8 मामले दर्ज हैं।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय मजदूर संघ ने किया महिला सम्मेलन का आयोजन

रांची/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। रांची में झारखंड प्रदेश भारतीय मजदूर संघ की ओर से महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया। भारतीय मजदूर संघ,बीएमएस अपने स्थापना का 70 वर्ष मना रहा है। इस कड़ी में देश भर में कार्यक्रमों की श्रृंखला तैयार की गई है। इसी के तहत रांची के सीएमपीडीआई में महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया। मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद प्रदीप वर्मा मौजूद थे। पत्रकारों से बातचीत में सांसद प्रदीप वर्मा ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में महिलाएं पुरुषों से कंधा से कंधा मिलाकर कदम बढ़ा रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का जो सपना देखा है उसमें महिलाओं की भूमिका काफी अहम है। बोकारो विधायक श्वेता सिंह से जुड़े एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन जीने वाले लोगों को समाज में पारदर्शिता और सुचिता बनाए रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति चार चार जगह पर मतदाता सूची में नाम होना और अलग-अलग पैन कार्ड होना निश्चित रूप से अपराध की श्रेणी में आता है।

जैनामोड़ में निकाली गई तिरंगा यात्रा, सैकड़ों हुए शामिल

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता के उपलक्ष में देशभर में उत्साह का माहौल है। इसको लेकर आज जैनामोड के विभिन्न क्षेत्रों में भाजपा एवं आम नागरिकों के द्वारा तिरंगा यात्रा निकालकर भारतीय सेना एवं देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी गई। तिरंगा यात्रा में मुख्य रूप से चंदनक्यारी के पूर्व विधायक अमर बाउरी, मनोज ठाकुर, अर्जुन सिंह, शंकर रजक, सुभाष प्रजापति, विनोद कुमार, सुनील मंडल, श्रवण दास, रंजीत महतो, रामलाल महतो, सुरेश प्रसाद, विजय प्रसाद, हीरालाल महतो, रघुनाथ टुडू, बालेश्वर मुर्मू, सुनील स्वर्णकार, राजेश सिंह, सुमित जायसवाल, मेघनाथ गोसाई, कुमार प्रकाश, चंद्रशेखर सिंह शामिल हुए।

चलाया सघन जांच अभियान ट्रैक्टर जप्त

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो जिला के विभिन्न स्थानों पर खनन विभाग द्वारा सघन जांच अभियान चलाया गया। जिसमें आईईएल थाना अन्तर्गत इंडियन बैंक रेलवे फाटक के समीप अवैध रूप से बालू खनिज का उत्खनन कर प्रेषण करते हुए 01 ट्रैक्टर को पकड़ा गया। टीम ने जिसे विधिवत जप्त कर आईईएल थाना को सुपुर्द कर दिया और थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई। उक्त अभियान में खान निरीक्षक सीताराम टुडू एवं पुलिस बल आदि मौजूद थे।

तालाब में डूब रही बच्ची को समय रहते निकाला

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। कहते हैं जाको राखे साइयां मार सके न कोई। यह कहावत आज चरितार्थ हुई है। तालाब में डूबी बच्ची को लोगों ने खोज कर निकाला और उसे अस्पताल पहुंचाया। पेटरवार थाना क्षेत्र के कोटासारा गांव में अपनी मां के साथ तालाब नहाने गई एक बच्ची तालाब में डूब गई। तालाब में नहा रही अन्य महिलाओं की नजर बच्ची पर पड़ी तो बच्ची को तालाब से खोज कर बाहर निकाला। उसे पेटरवार के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने बच्ची को सदर अस्पताल रेफर कर दिया है। बच्ची का इलाज चल रहा है। बच्ची फिलहाल खतरे से बाहर बताई जा रही है। घटना के बाद पूरे परिवार का रो-रो कर बुरा हाल है।

एसीबी ने राजस्व कर्मचारी को रंगे हाथ किया गिरफ्तार

हजारीबाग/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने बड़कागांव प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में कार्रवाई करते हुए राजस्व कर्मचारी प्रहलाद मांझी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है।. गिरफ्तारी सोमवार दोपहर हुई,। जब प्रहलाद मांझी जमीन संबंधित मामले में घूस की रकम स्वीकार कर रहे था। दरअसल बहाउल्लाह खान ने एसीबी को आवेदन दिया था. बताया था कि उसके जमीन के एलपीसी निर्गत करने के लिए राजस्व कर्मचारी प्रहलाद मांझी 5000 घूस की रकम की मांग कर रहा है. इस आवेदन पर कार्रवाई करते हुए एसीबी की टीम ने 3000 रुपया रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है. गिरफ्तारी के बाद, प्रहलाद मांझी को एसीबी कार्यालय लाया गया,यहां उनसे पूछताछ की जा रही है. उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है, और आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है.

उपायुक्त ने निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों का जाना हालचाल

गुमला/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिला उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने आज बिशुनपुर प्रखंड अंतर्गत निरासी पंचायत स्थित जमटी गांव का दौरा कर गांव में आधारभूत सुविधाओं का जायजा लिया। ग्रामीणों से संवाद कर क्षेत्र की वर्तमान स्थिति की जानकारी प्राप्त की। इस क्रम में ग्रामीणों ने उपायुक्त को बताया कि गांव में आधारभूत सुविधाओं की कमी है। उपायुक्त ने सभी समस्याओं के समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जॉब कार्ड के सम्बन्ध में भी ग्रामीणों से जानकारी ली गई। इसके साथ ही उपायुक्त ने महिला और शिशु स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करने के लिए संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने की अपील की और मातृ वंदना योजना तथा जननी शिशु योजना के तहत मिलने वाली सहायता राशि की जानकारी दी। साथ ही, मोबाइल मेडिकल वैन द्वारा लगाए जाने वाले स्वास्थ्य जांच शिविर में ग्रामीणों की भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु प्रेरित किया गया।

सड़कों पर उमड़ा यादव समाज, अहीर रेजिमेंट बनाने की मांग

हजारीबाग/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। अखिल भारतीय यादव महासभा द्वारा संगठन के सौ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे जनजागृति अभियान के अंतर्गत रविवार को हजारीबाग में रेजांगला युद्ध की पवित्र मिट्टी के साथ भव्य नगर भ्रमण आयोजित किया गया. यादव महासभा की यह स्वर्ण जयंती यात्रा देशभर में भ्रमण कर रही है, जिसका प्रमुख उद्देश्य अहीर समाज को संगठित कर, समाज के युवाओं में जागरूकता फैलाना, उनके अधिकारों की रक्षा करना और देश के लिए बलिदान देने वाले अहीर वीरों की गाथा को जन-जन तक पहुँचाना है. रेजांगला युद्ध की ऐतिहासिक गाथा को स्मरण करते हुए महासभा ने बताया कि युद्ध 18 नवम्बर 1962 को भारत और चीन के बीच लद्दाख स्थित रेजांगला दर्रे पर लड़ा गया था. इसमें भारतीय सेना की 13 कुमाऊं रेजिमेंट की चार्ली कंपनी, जिसे 'अहीर कंपनी' कहा जाता है, ने असाधारण वीरता का प्रदर्शन करते हुए मात्र 120 सैनिकों के साथ 1300 से अधिक चीनी सैनिकों का सामना किया था.

बोकारो हवाई अड्डा से संबंधित ज्ञापन निदेशक प्रभारी को सौंपा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। नागरिक अधिकार मंच के केंद्रीय अध्यक्ष शशि भूषण ओझा 'मुकुल' और केंद्रीय महासचिव मृणाल कांत चौबे ने आज एक ज्ञापन जो बोकारो हवाई अड्डा को जल्द प्रारंभ करने हेतु भारत सरकार के केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के नाम है उसकी एक प्रति निदेशक प्रभारी बोकारो इस्पात संयंत्र को दी। ज्ञात हो कि बोकारो हवाई अड्डा के विकास हेतु 25 अगस्त 2018 को तत्कालीन मुख्यमंत्री रघुवर दास एवं तत्कालीन केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्यमंत्री जयंत सिंहा द्वारा आधारशीला रखी गई थी।

राज्यपाल संतोष गंगवार एवं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आज धनबाद में

एडीएम ने बीबीएमकेयू में किया अंतिम चरण की तैयारियों का निरीक्षण

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। एडीएम लॉ एंड ऑर्डर पीयूष सिन्हा ने सोमवार को बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल यूनिवर्सिटी में राज्यपाल सह कुलाधिपति, संतोष कुमार गंगवार तथा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कार्यक्रम के अंतिम चरण की तैयारियों का निरीक्षण किया। मंगलवार को यूनिवर्सिटी में राज्यपाल सह कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार तथा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के द्वारा यूनिवर्सिटी कैंपस में स्व. बिनोद बिहारी महतो की प्रतिमा के अनावरण किया जाएगा। इस दौरान राज्यपाल तथा मुख्यमंत्री के बरवाअड्डा हवाई पट्टी से युनिवर्सटी तक आगमन रूट, युनिवर्सटी कैंपस में उनका पारंपरिक तरीके से स्वागत, प्रतिमा अनावरण स्थल, कार्यक्रम स्थल, स्टेज, डी बॉक्स, ग्रीन रूम, सुरक्षा, बैरिकेडिंग, अतिथियों व मीडिया का बैठक स्थल, ग्रीन रूम, कंट्रोल रूम, मेडिकल डेस्क, फायर सेफ्टी, दंडाधिकारियों व पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति सहित अन्य बिंदुओं का निरीक्षण किया गया। इसके बाद एडीएम ने यूनिवर्सिटी कैंपस में जिला प्रशासन तथा यूनिवर्सिटी के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त रवि राज शर्मा, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, सहायक नगर आयुक्त प्रसून कौशिक व प्रकाश कुमार, भवन प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता चंदन कुमार, डीएसपी मुख्यालय एक शंकर कामती, ट्राफिक डीएसपी भी मौजूद रहें।

डीएवी इस्पात पब्लिक स्कूलों के दसवीं एवं बारहवीं की बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले परीक्षार्थियों को किया गया सम्मानित

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। वर्ष 2024 -25 के लिए सीबीएसई द्वारा जारी की गई दसवीं एवं बारहवीं की परीक्षा में डी ए वी एवं बोकारो इस्पात संयंत्र द्वारा संचालित डी ए वी इस्पात पब्लिक स्कूलों के विज्ञान, वाणिज्य तथा कला संकाय में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले परीक्षार्थियों को अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री राजश्री बनर्जी के द्वारा सम्मानित किया गया. इस मौके पर महाप्रबंधक (शिक्षा) श्रीमती मीनम मिश्रा, महाप्रबंधक (सी & आई टी) श्री प्रवीण कुमार, उपप्रबंधक (शिक्षा) श्रीमती प्रभा मोहन नायर के साथ स्कूल के प्रधानाचार्य तथा शिक्षक मौजूद थे. परीक्षार्थियों को सम्मानित करते हुए अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन) सुश्री राजश्री बनर्जी ने अपने सम्बोधन में कहा कि परिश्रम के द्वारा अपने लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है तथा कठिन परिश्रम ही हमारे आत्मविश्वास को बढ़ाकर हमें सफल बनाता है. बारहवीं की परीक्षा के साइंस स्ट्रीम में आशीष शर्मा को 88.20 प्रतिशत , सबीना परवीन को 86.40 प्रतिशत तथा कुमारी वर्षा महतो को 86.20 प्रतिशत मार्क्स के साथ प्रथम , द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त हुआ. बारहवीं की परीक्षा के कॉमर्स स्ट्रीम में 84.60 प्रतिशत के साथ अनन्या सिंह को प्रथम, 84.20 प्रतिशत के साथ नेहा कुमारी यादव को द्वितीय तथा 83.60 प्रतिशत के साथ शिवांगी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ. बारहवीं की परीक्षा के कला संकाय में आर बास्के को 86. 20 प्रतिशत के साथ प्रथम, स्नेहाशीष कुमार को 81.20 प्रतिशत के साथ द्वितीय तथा आशिका कुमारी तथा श्रुति कुमारी को 80.60 प्रतिशत के साथ तृतीय स्थान प्राप्त हुआ. दसवीं कक्षा में डी ए वी इस्पात पब्लिक स्कूल सेक्टर 12/ए के स्वेक्षा को 91 प्रतिशत के साथ प्रथम, सोफ्टी को 82 प्रतिशत के साथ द्वितीय तथा वैष्णवी कुमारी को 81 प्रतिशत के साथ तृतीय स्थान प्राप्त हुआ. दसवीं कक्षा में डी ए वी इस्पात पब्लिक स्कूल सेक्टर 02/उ के अंशु शर्मा को 84.80 प्रतिशत, अविनाश कुमार को 82 प्रतिशत तथा भूमि कुमारी को 79 प्रतिशत के साथ प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त हुआ. कार्यक्रम के सफल आयोजन में निकिता, पूर्णिमा सिंह, श्वेता, कुमारजीत, पूजा, रौशनी देवदीप, हर्षिता, दिलीप कुमार, दीपक कुमार आदि सभी शिक्षकों का सराहनीय योगदान था.

शिशु के जन्म पर अस्पताल माता पिता को एक पौधा दें : नीरज कुमार

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सोमवार को आशा लता केंद्र के सभागार में भारतीय प्रसूति और स्त्री रोग सोसायटी संघ, आईएमए मिशन पिंक हेल्थ, आशा लता दिव्यांग विकास केंद्र एवं निरोग ज्ञान के द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित मैत्री, अस्तित्व का संरक्षण का शुभारंभ एवं नगर के वरिष्ठ चिकित्सकों एवं समाज सेवियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता निरोग ज्ञान के अध्यक्ष एवं वरीय चिकित्सक डॉ टी एम सिंह के द्वारा किया गया।

इस अवसर पर निरोग ज्ञान के सचिव नीरज कुमार ने मैत्री के उद्देश्य को विस्तार पूर्वक बताया उन्होंने कहा की हम बोकारो शहर के सभी अस्पतालों से संपर्क कर नवजात शिशु के जन्म के समय माता-पिता को एक पौधा उपलब्ध कराएंगे जैसे-जैसे पौधा और बच्चा बड़ा होगा पर्यावरण का संरक्षण तो होगा ही साथ ही बच्चों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता आएगी। डॉ. टीएम सिंह ने पौधे का नामाकरण उस शिशु के नाम पर रखने का सुझाव दिया जिससे शिशुका पौधे के साथ संबंध और प्रगाढ़ हो, वहीं डॉ मीता सिन्हा वरिष्ठ प्रसूति, स्त्री एवं शिशुरोग विषेशज्ञ ने सभी प्रसूति केंद्र एवं अस्पतालों को इस अभियान में सम्मिलित होने का आह्वान किया। आशा लता केंद्र के अध्यक्ष भवानी शंकर जयसवाल ने पौधा उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। इस वैज्ञानिक युग में भी पेड़ को प्रकृति संरक्षण का सबसे अहम आधार माना गया है - डॉ बीके पंकज, वरिष्ठ चिकित्सक जेएमडी सेन्टर, मस्तिश्क एव्रं नस विभाग ने कहा। इस अवसर पर बोकारो जेनेरल अस्पताल से सेवा निवृत वरिष्ठ चिकित्सकों पूर्व निदेशक डॉ एके सिंह, डॉ के एन ठाकुर, डॉ अनुप्रिया, डॉ अंजू परेरा, डॉ. एन डी कच्छप, डॉ. एसपी चौधरी, डॉ. अलका तिवारी, डॉ. ललित किशोर को सम्मानित किया गया एवं उनके बोकारो को स्वस्थ रखने में योगदान की सराहना की गई । उमेश प्रसाद, निदेशक दीक्षा-स्वावलम्बन केन्द्र, सुखदेव प्रसाद, समाजसेवी एवं उपाध्यक्ष निरोगज्ञान गोपाल कृष्ण उपाध्याय ने कार्यक्रम का संचालन किया एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ पीएल बर्णवाल ने किया। इस अवसर पर दीनदयाल शर्मा, हरि ओम, पर्यावरणविद देवनारायण सुधांशु, मनोज कुमार (संरक्षण एवं सेवा विभाग, मैत्री) आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

बोकारो कांग्रेस व भाजपा आमने सामने, एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला जारी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो कांग्रेस विधायक के समर्थकों और भाजपा नेताओं के बीच पैन कार्ड और वोटर कार्ड के मुद्दे पर राजनीति गरम हो गई है। कांग्रेस विधायक श्वेता सिंह के खिलाफ बोकारो से भाजपा के पूर्व विधायक बिरंचि नारायण के द्वारा राज्यपाल और डीसी को दो पैन कार्ड

और चार आधार कार्ड सहित बीएसएल के क्वार्टर का बकाया राशि की जानकारी चुनावी हलफनामा में छुपाने को लेकर दिए आवेदन के बाद से राजनीति गरम है। कांग्रेस विधायक श्वेता सिंह के समर्थकों ने पत्रकार वार्ता का आयोजन कर भाजपा और पूर्व विधायक पर राजनीति करने का आरोप लगाया। विधायक समर्थकों ने भाजपा नेताओं को रावण नहीं बनने की सलाह दी है। दूसरी तरफ भाजपा के बोकारो विधानसभा संयोजक कमलेश राय ने विधायक समर्थकों के आरोप पर जवाब देते हुए कहा कि विधायक के द्वारा क्षेत्र ने अभी तक कोई कार्य बहुंकीय गया। बल्कि पूर्व विधायक बिरंची नारायण द्वारा अनुशंसित कार्योका ही वर्तमान विधायक उद्घाटन और शिलान्यास कर रही है। अगर विधायक के द्वारा चुनाव के दौरान किए गए वादे के मुताबिक बोकारो एयरपोर्ट और चास के पानी की समस्या, छूटे हुए विस्थापित गांवों को पंचायत का दर्जा अभी तक दिला दी होती तो भी हम लोग विकास की बात समझते। दूसरे के किए कार्यों पर श्रेय लेने का काम कर रही है। वही विधायक के समर्थक चास प्रखंड के पूर्व बीस सूत्री अध्यक्ष महावीर सिंह चौधरी ने कहा कि पिछले 6 महीने में जो विकास का काम बोकारो की कांग्रेस विधायक श्वेता सिंह कर रही है। इसे देखकर पूर्व विधायक और भाजपा के लोग बौखला गए हैं इसी बौखलाहट में वे लोग अनाप-शनाप आरोप लगा रहे हैं। वही समर्थक मनोज राय ने कहा कि बोकारो जिले की प्रमुख और पूर्व विधायक मिलकर वर्तमान विधायक के खिलाफ साजिश रचने का काम कर रहे हैं।

न्यायाधीश ने हजारीबाग जेल में बंद बंदियों का ऑनलाइन जाना हाल

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार व प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष डालसा वीरेंद्र कुमार तिवारी के आदेश पर सोमवार को अवर न्यायाधीश सह सचिव डालसा मयंक तुषार टोपनो ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वर्चुअल)के माध्यम से केंद्रीय कारा हजारीबाग में धनबाद जिले के सजावार बंदियो से बातचीत की। इस दौरान वहां पर रह रहे बंदियों के रखरखाव एवं उनके मुकदमे से संबंधित सभी पहलुओं को जाना, साथ ही बंदियों की माननीय सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय में लंबित उनके मामलों की स्थिति की जानकारी दी।जिन बंदियों का अपील ऊपरी न्यायालय में नहीं हो सका है उन सबको निशुल्क विधिक सहायता के तहत बंदी आवेदन के बारे में बताया गया। इस मौके पर डालसा सहायक अरुण कुमार, एलएडीसीएस के डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट, सहायक लीगल एड डिफेंस काउंसिल शैलेंद्र झा, सुमन पाठक एवं सोमित मंडल ने अपनी अहम योगदान दिया ।

शिलचर के शहीदों को किया गया याद

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सोमवार संध्या लुबि सर्कुलर रोड धनबाद में शिल्पे अनन्या त्रैमासिक बंगला पत्रिका के संपादक प्रो. डॉ. दीपक कुमार सेन के आवासीय कार्यालय में शिलचर भाषा दिवस मनाया गया। प्रो. डॉ. डी. के. सेन शहीदों के तस्वीर पर पुष्प अर्पित करते हुए अपने वक्तव्य में कहा कि आज रविवार से 64 वर्ष पूर्व असम के बांग्ला भाषी अपने मातृभाषा के लिए जीवन का बलिदान दिया। असम सरकार ने विधानसभा में सिर्फ आसामी में पढ़ाई के लिए कानून पास कर दिया था। असम में बड़े पैमाने पर बांग्ला भाषी रहते हैं ।वे असम के मूल निवासी है ।खासकर शिलचर क्षेत्र के वहां के तमाम बांग्ला भाषी और पूरे असम के बांग्ला भाषी ने असम सरकार के इस नीति का तीव्र विरोध किया। इस विरोध को लेकर शिलचर स्टेशन में धरना चल रहा था,असम राइफल्स के गोली से 11 नौजवान शहीद हो गए। उसके बाद बाध्य होकर असम सरकार को शिलचर क्षेत्र में बांग्ला को द्वितीय राज्य भाषा बनाना पड़ा। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि 1952 में बांग्लादेश में उस समय यह तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान था।21 फरवरी को नौजवानों ने बांग्ला भाषा के लिए शहादत दिया। यही नहीं बांग्ला भाषा के लिए पुरुलिया जो उस समय मानभूम था 1912 से लेकर 1956 तक लगातार संघर्ष कर मातृभाषा के नाम पर बिहार से फिर पश्चिम बंगाल में मिला । पूरे दुनिया में भाषा आंदोलन का यह अपने आप में अनोखा मिसाल है । मैंने अपने पत्रिका में अप्रैल एवं जून 2022 माह के अंक में विस्तारित ढंग से शिलचर के भाषा आंदोलन पर लेख प्रकाशित किया है इसे पुन पढ़ने की जरूरत है। भारत ज्ञान विज्ञान समिति के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. काशी नाथ चटर्जी ने शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए प्रो. डॉ. दीपक सेन को धन्यवाद दिया। इस तरह की आयोजन करने के लिए उन्होंने कहा कि शिल्पे अनन्या पत्रिका धनबाद में लगातार लिटिल मैगजीन मेला सह सम्मेलन कर रहा है। इस मेला में एक महत्वपूर्ण विषय रखा गया था की भाषा के समन्वय से ही भाषा का विकास संभव है। हमें बार-बार शिलचर के शहीदों को याद करना होगा । उन्होंने मातृभाषा के लिए अपने जीवन को बलिदान दे दिया। आजादी के 78 वर्ष के बाद भी आदिवासी, शोषित , वंचित अपने मातृ - भाषा में पढ़ाई नहीं कर पा रहे हैं। किसी भी समाज के विकास में मातृभाषा का महत्वपूर्ण योगदान होता है,मातृभाषा में पढ़ाई होने से बच्चों में समझने की शक्ति बढ़ती है। शिलचर के शहादत आंदोलन बांग्लादेश के भाषा आंदोलन के साथ-साथ पुरुलिया के 44 वर्षों का भाषा आंदोलन ने हमें एक दिशा दिया है। आज हमें प्रण करना चाहिए कि हम अपने बच्चों को मातृभाषा में शिक्षा दें। साथ-साथ झारखंड सरकार से यह आह्वान करते हैं कि जिन 12 भाषाओं को द्वितीय भाषा बनाया गया है स्कूल या स्तर से उनका पढ़ाई शुरू किया जाए। बरनाली गुप्ता ने अपने वक्तव्य में कहा कि हमें अपने भाषा पर गर्व है , दुनिया में हमारी जाति अर्थात बंगाली समुदाय ने ही भाषा के लिए अपना जीवन का बलिदान दिया है जब तक सब मानव सभ्यता रहेगा तब तक बांग्ला भाषा रहेगा। वंदना चौधरी ने कहा की मैं बांग्ला स्कूल में शिक्षिका रही, साथ-साथ प्रधानाध्यापक भी रही मेरी स्कूल में बांग्ला में पढ़ाई होती थी लेकिन धीरे-धीरे पुस्तकों के कमी के कारण और वैश्वीकरण के चलते बांग्ला स्टूडेंट घटने लगे,आज के समय में बच्चों को प्रोत्साहित करने की जरूरत है।ज्ञान विज्ञान समिति के राज्य सचिव भोला नाथ राम द्वारा भाषा आंदोलन के शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि ज्ञान विज्ञान समिति लगातार शिक्षा, स्वास्थ, वैज्ञानिक चेतना, सामाजिक सुरक्षा, आदि जन मुद्दों पर कार्य करते आ रही है इसके साथ मातृ भाषा के लिए भी समय - समय पर गांव स्तर से जिला स्तर पर कई कार्यक्रम कर चुकी है , आगे भी मातृ भाषा पर कार्य करेंगे। कार्यक्रम में परेश नाथ बनर्जी,पार्थो सेन गुप्ता, वैशाखी चंद्र भी अपना विचार रखा । बैठक की अध्यक्षता व संचालन कवि कनकन गुप्ता के द्वारा किया गया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर- 31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल फोन नंबर- 9431145665 8210783623 आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655 E-mail- nbtimesbihar@gmail.com